सीएसआईआर–उत्तर–पूर्व विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान सब स्टेशन, लामफेलपट, इम्फाल, ने 'डीएनए क्लबस : डीबीटी–टेरी मेनटरिंग स्कूल्स ऑफ नार्थ–ईस्ट'' कार्यक्रम के एक कार्यकलाप के रूप में 28 फरवरी 2012 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजित किया । कार्यक्रम का आयोजन डॉ. एच.बी. सिंह, प्रभारी वैज्ञानिक, सीएसआईआर–एनईआईएसटी सबस्टेशन के सभापतित्व में किया गया जिसमें डॉ. आर.के. रंजन, निदेशक, सीडीसी, मणिपुर विश्वविद्यालय, श्री थ.सुरेन्द्रनाथ सिंह, निदेशक, एमएएसटीईसी, इम्फाल, प्रोफेसर एन. राजमुहोन सिंह, रसायनशास्त्र विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, प्रोफेसर बी एम शर्मा, जीवन विज्ञान विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय और डा. एच एन शर्मा, प्रधान, मणिपुर विज्ञान अध्यापक फोरम ने क्रमशः मुख्य अतिथि और सम्मानित अतिथियों के रूप में अवसर की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम में, महानुभावों के अनेक व्याख्यान आयोजित किए गए। प्रोफेसर राजमुहोन सिंह ने ''सी वी रमन और राष्ट्रीय विज्ञान दिवस'' पर वार्ता की। श्री सुरेन्द्रनाथ सिंह ने ''नोबल पुरस्कार : एक चित्र'' पर, प्रोफेसर बी.एम. शर्मा ने ''पर्यावरण के संरक्षण'' पर, डॉ. एच.एन. शर्मा ने ''मणिपुर के वन संसाधनों का अवनयन'' पर और डॉ. एच.बी. सिंह ने ''औषधीय पादप संसाधन और इसका संधारणीय उपयोग'' पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में मणिपुर के विभिन्न डीएनए क्लब स्कूलों से अध्यापकों और छात्रों ने भाग लिया जिनकी संख्या 150 थी।

सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2012 का आयोजन किया

सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने अपने बैनर के तहत अनेक कार्यकलापों के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2012 का आयोजन किया । समारोह का उद्घाटन 1 मार्च 2012 को संस्थान के स्टाफ सदस्यों के बीच आयोजित एक प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता के साथ हुआ जिसमें डॉ. आर.सी. बरूआ, प्रभारी निदेशक ने अध्यक्षता की । अपने भाषण में डॉ. बरूआ ने विज्ञान पर बल देते हुए कार्य के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की सफलता की कहानियों पर प्रकाश डाला । एक उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में उन्होंने नोबल पुरस्कार विजेता मेरी क्यूरी के अनुसंधान कार्य का उल्लेख किया । उन्होंने संस्थान में कार्यरत महिला कर्मचारियों की स्थिति पर भी प्रकाश डाला जिसमें उन्होंने कहा कि महिला वैज्ञानिकों को अपने काम में अभी काफी सुधार करना है ताकि वे पुरूष वैज्ञानिकों के बराबर आ सकें।

यद्यपि समूह–। और ।। और परियोजना सहायकों के रूप में क्यु एच एफ के रूप में जेआरएफएस/एसआरएफएस/ आरए/महिला वैज्ञानिकों/वैज्ञानिक महिलाओं की प्रतिशतता 60 से अधिक है तथापि वह समूह III और IV में पुंरूष स्टाफ की तुलना में काफी कम है। समारोह में डॉ. किरण तमुली, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी और सीएसआईआर–एनईआईएसटी की वरिष्ठतम महिला कर्मचारी उपस्थित थी। डॉ. स्वप्निल हजारिका, वैज्ञानिक तथा संयोजक, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह समिति 2012 सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने अपने स्वागत भाषण में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के तत्वावधान के अंतर्गत आयोजित किए जाने वाले कार्यकलापों का उल्लेख किया, यथा प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता, निबंध लेख प्रतियोगिता, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम और समारोह के लिए समापन कार्यक्रम। उद्घाटन कार्यक्रम, सुश्री अलकनन्दा सेनगुप्ता, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ समाप्त हुआ। कुल मिलाकर प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता में सात टीमों ने भाग लिया।

समारोह, डॉ. पी.जी. राव, निदेशक, सीएसआईआर –

प्रोफेसर शैली भट्टाचार्य, मुख्य अतिथि के रूप में भाषण देती हुई

एनईआईएसटी की अध्यक्षता में औपचारिक रूप से 13 मार्च 2012 को आयोजित किया गया, न कि 8 मार्च को, जो एक सार्वजनिक अवकाश था, जिसमें प्रोफेसर शैली भट्टाचार्य, विश्व भारती विश्वविद्यालय, प. बंगाल ने मुख्य अतिथि के रूप में अवसर की शोभा बढ़ाई। सीएसआईआर – एनईआईएसटी बंधुओं के अलावा, समारोह में आमंत्रित अतिथियों और अन्य महानुभावों ने भाग लिया। डॉ. स्वप्नली हजारिका, वैज्ञानिक तथा संगठन समिति की संयोजक ने महिला सशक्तिकरण के बढ़ते महत्व पर बल दिया जिसे सभी के द्वारा विशेष रूप से पुरूषों द्वारा और अधिक प्रोत्साहित करने की जरूरत है। उन्होंने संस्थान की महिला वैज्ञानिकों और अन्य स्टाफ के सदस्यों द्वारा अर्जित मान्यता और उपलब्धियों का भी संक्षेप रूप में जिक्र किया। मुख्य अतिथि के रूप में अपने भाषण में डॉ. शैली भट्टाचार्य ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुरूआत, महत्व और प्रभाव पर एक वार्ता दी। समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा प्रश्नोत्तर और निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। अपनी अध्यक्षीय टिप्पणी में डॉ. पी.जी. राव, निदेशक ने संस्थान द्वारा समारोह मनाने के लिए प्रत्येक वर्ष आयोजित विभिन्न कार्यकलापों के बारे में संक्षेप में बताया। कार्यक्रम के अंत में श्रीमती लखिमी बोरा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने 51वां स्थापना दिवस मनाया

सीएसआईआर–उत्तर–पूर्व विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान (एनईआईएसटी) ने एक सुनियोजित कार्यक्रम के साथ 19 मार्च, 2002 को अपना 51वां स्थापना दिवस मनाया, जबकि वास्तविक दिवस 18 मार्च को होता है, जो एक सार्वजनिक अवकाश था। सीएसआईआर – एनईआईएसटी बंधुओं के अलावा, सेवारत और सेवानिवृत्त दोनों, समारोह में प्रमुख वैज्ञानिकों, भारत और थाईलैण्ड से आमंत्रित महानुभावों, अतिथियों, नगर के प्रख्यात नागरिकों, प्रैस और मिडिया सदस्यों, निकटवर्ती स्कूलों, कालेजों और विश्वविद्यालयों के छात्रों और अध्यापकों ने भाग लिया। डॉ. पीराडेट तोंगुमपाई, निदेशक, कृषि अनुसंधान विकास एजेंसी, बैंगकाक, थाइलैण्ड ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई और ''थाइलैण्ड में कृषि में अनुसंधान'' पर व्याख्यान दिया। अपने भाषण में उन्होंने कृषि अनुसंधान में थाइलैण्ड की राष्ट्रीय नीति और रणनीतियों पर प्रकाश डाला। केवल 36 प्रतिशत शिक्षाविदों/अनुसंधानकर्ताओं के साथ देश ने कृषि अनुसंधान में पर्याप्त योगदान दिया है। एआरडीए के कुछेक अनुसंधान उत्पादों का वाणिज्यीकरण किया गया, एसएमई और निजी क्षेत्र के लिए लाइसेंस दिया गया। इसके साथ ही श्री प्रसर्ट गोसल, महानिदेशक और सुश्री ओराताई सिलापन, उप महानिदेशक, दि क्वीन सिरिकिट कोष कृमि विभाग, क्रमशः सम्मानीय अतिथि और विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे । अपने भाषण में उन्होंने, वैज्ञानिकों के साथ चर्चा करने, कोष कृमि पालन के संबंध में भावी सहयोगात्मक अनुसंधान के क्षेत्र का पता लगाने के लिए अवसर प्रदान करने के वास्ते संस्थान का आभार प्रकट किया। डॉ. आर.सी. बरूआ, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने अपने स्वागत भाषण में एनईआईएसटी के कार्यकलापों पर संक्षेप में प्रकाश डाला। अपने अध्यक्षीय भाषण में डा. पी.जी. राव, निदेशक, सीएसआईआर – एनईआईएसटी ने बताया कि थाईलैण्ड प्रतिनिधियों के वर्तमान दौरे से, भावी सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए वर्ष 2011 के मध्य में एआरडीए, बैंगकाक, थाईलैण्ड और सीएसआईआर – एनईआईएसटी के बीच हस्ताक्षरित सहमति ज्ञापन को बल मिलेगा और यह भारत सरकार की ''पूर्व की ओर देखने'' की नीति के अनुरूप है। एआरडीए की तरह सीएसआईआर–एनईआईएसटी भी प्राकृतिक संसाधनों के संबंध में अनुसंधान पर आधारित उत्पादों का विकास वाणिज्यिकृत करने का प्रयास कर रहा है।

इस अवसर पर, सीएसआईआर–एनईआईएसटी के पूर्व वैज्ञानिक डॉ. सी.एन. सैकिया द्वारा विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए लिखित पुस्तक ''अल्प–विज्ञान, अल्प चिंता'' का डॉ. पी.जी. राव, निदेशक, सीएसआईआर–एनईआईएसटी द्वारा विमोचन किया गया ।

ऊपर : मंच पर बैठे महानुभाव (बाएं से) : सुश्री ओराटाई सिलापानापापोर्ण, उप महानिदेशक, दि क्वीन सिरिकित कोषकृमि पालन विभाग, थाईलैण्ड, डॉ. पीराडेट तोंगुमपाई, निदेशक, कृषि अनुसंधान विकास एजेंसी, बैंगकाक, थाईलैण्ड, डॉ. पी.जी. राव, निदेशक, सीएसआईआर–एनईआईएसटी, और श्री प्रसर्ट गोसलवित्रा, महानिदेशक, दि क्वीन सिरिकिट कोषकृमि पालन विभाग, सेंटर : डॉ. पीराडेट तोंगुमपाई, निदेशक, कृषि अनुसंधान विकास एजेंसी, स्थापना दिवस व्याख्यान देते हुए । डॉ. पीराडेट तोंगुमपाई निदेशक, कृषि अनुसंधान विकास एजेंसी, बैंगकाक द्वारा ''हाईलाइट्स 2011–12'' का विमोचन।

इसके साथ ही, ''सीएसआईआर–एनईआईएसटी हाईलाइट्स 2011–12'' का ड्राफ्ट भी डॉ. पीराडेत तोंगुमपाई द्वारा विमोचन किया गया । समारोह के एक भाग के रूप में उन स्टाफ सदस्यों को सराहना प्रमाणपत्र प्रदान किए गए जिन्होंने वर्ष 2011–12 के दौरान अपने–अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य–निष्पादन किया था । इसके अलावा, इस अवसर पर, जो स्टाफ सदस्य वर्ष 2011–12 के दौरान सेवानिवृत्त हुए उन्हें संस्थान के विकास और उन्नति के लिए उनके द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया । इस दिन को छात्रों और आम जनता के दौरे के लिए सुबह 9.30 बजे से 12.00 बजे के बीच सुबह ''मुक्त दिवस'' के रूप में मनाया गया । जोरहाट नगर के विभिन्न स्कूलों से लगभग 400 छात्रों ने अपने अध्यापकों के साथ संस्थान का दौरा किया ।

उपलब्धियां

प्रदत्त पीएचडी

क्र. सं.	रिसर्च फैलो का नाम	प्रभाग/क्षेत्र	पीएचडी शोध प्रबंध का शीर्षक	विश्वविद्यालय	वर्ष	मार्गदर्शक का नाम
1.	डॉ. डी के बोरा	भूविज्ञान	शिलांग–उत्तर पूर्व भारत की मिकिर पहाड़ी प्लैट्यू में डिजिटल भूकंप संबंधी तरंगों द्वारा क्रस्टल की रोकथाम करने का अनुमान लगाना	डिब्रूगढ़	2011	डॉ. एस. बरूआ
2.	डॉ. देविड़ कारदोंग	जैव प्रौद्योगिकी	चाईमोड (पीओ : आरओ) के माइक्रोबायोलॉजिकल और जैविक रासायनिक पहलुओं पर अध्ययन : असम की मिशिंग जनजाति के पारंपरिक मादक पेय	डिब्रूगढ़	2011	डॉ. टी.सी. बोरा
3.	डॉ. कल्याण कुमार हजारिका	प्राकृतिक उत्पाद रसायन विज्ञान	कुछ जीव–सक्रिय प्राकृतिक उत्पादों का पुनः सक्रियकरण और जीव कण के प्रति उनकी सिंथेटिक अनुरूप : एक अणु संबंधी प्रतिरूपण पद्धति	तेजपुर	जून, 2011	डॉ. एन.सी. बरूआ
4.	डॉ. सान्तनु बरूआ	भू–विज्ञान	उत्तर–पूर्वी भारत में स्रोत प्रकिया और प्रचलित तनाव शासन पद्धति के समकालिक निर्धारण के लिए वैव फॉर्म मॉडलिंग और स्ट्रेस टेंसर इन्वर्शन	डिब्रूगढ़	जनवरी, 2012	डॉ. एस. बरूआ
5.	डॉ. कल्पतरू दत्ता मुदोई	एमएईपी	दो वाणिज्यिकी महत्वपूर्ण बांस किस्मों अर्थात बलकुआ रोक्सब और बम्बुसा न्यूटस वॉल एक्स मुनरो के गुणता प्रोपाग्यूल्स का इन विटरो अधिकांश उत्पादन	डिब्रूगढ़	जनवरी, 2012	डॉ. मीना बोरठाकुर
6.	डॉ. सुष्मिता सिंह	जैव प्रौद्योगिकी	अमीनो ऐसिड के उत्पादन के लिए सूक्ष्मजीवी अमीनो एसिड ओक्सिडेसिस पर अध्ययन	डिब्रूगढ़	जनवरी, 2012	डॉ. आर.एल. बेजबरूआ
7.	डॉ. जे.पी. सैकिया	प्राकृतिक उत्पाद रसायन–विज्ञान	चार अरेसिएई किस्मों के अणु संबंधी और जैविक रासायनिक लक्षण–वर्णन	तेजपुर	जनवरी, 2012	डॉ. एन.सी. बरूआ
8.	डॉ. सिद्धार्थ भोरद्वाज	सामग्री विज्ञान	लेयर क्ले आधारित समर्थित धातु आयन्स, धातु नेनोपार्टिकल्स का विकास और हैट्रोपोली एसिड कंपोजिट और उनका अनुप्रयोग	गुवाहाटी	फरवरी, 2012	डॉ. डी.के. दत्ता
9.	डॉ. कार्तिक नियोग	जैव प्रौद्योगिकी	मुगा रेशमकीड़े एंथेराइआ एसमेनंसिस हे ल्फर (लेपीडोपटेरा : सैटूनाडाई) की प्रभावी रिएरिंग तकनीक के विकास हेतु पोषक पौधों में जैव–रासायनिक स्टिमुलेंटस पर अध्ययन	गुवाहाटी	मार्च, 2012	डॉ. बी.जी. उन्नी

विदेश अभ्यागत

क्रम सं.	नाम	पदनाम	दौरा किए गए देश	उद्देश्य	अवधि	
					से	तक
1.	डॉ. टी. गोस्वामी	वरिष्ठ वैज्ञानिक	श्रीलंका	यूएनडीपी कार्यक्रम के दक्षिण से दक्षिण सहयोग कार्यक्रम के अंतर्गत ''केले के रेशों पर आधारित गुण वृद्धि उत्पादों के रेशे निकालना और उनक ` विकास'' शीर्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम विशेषज्ञ के रूप में किया गया ।	10.03.2011	25.04.2011
2.	डॉ. डी कलिता	वैज्ञानिक	श्रीलंका	यूएनडीपी कार्यक्रम के दक्षिण से दक्षिण सहयोग कार्यक्रम के अंतर्गत ''केले के रेशों पर आधारित गुण वृद्धि उत्पादों के रेशे निकालना और उन के विकास'' शीर्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम विशेषज्ञ के रूप में किया गया ।	10.03.2011	25.04.2011
3.	डॉ. स्वप्नली हजारिका	वैज्ञानिक	प्रेग, चैक रिपब्लिक	एस एंड टी समझौते के सीएसआईआर–एएससीआर कार्यक्रम के अंतर्गत ''उद्योग और बायोसेंसर हेतु गतिहीन इस्टरसिस (एनजाइम) तैयार करना और अनुप्रयोग ''शीर्षक चालू सहयोगपूर्ण परियोजना पर अनुसंधान कार्य हेतु	01.08.2011	15.08.2011
4.	डॉ. स्वप्नली हजारिका	वैज्ञानिक	सितजेस, स्पेन	''आयनिक तरल पदार्थ में शोधन और पृथक्कीकरण प्रौद्योगिकी पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेना औ र शोध पत्र (मौखिक) प्रस्तुत करना	04.09.2011	07.09.2011
5.	डॉ. एस.पी. सैकिया	वैज्ञानिक	मिलन, ईटली	2009–2011 के लिए सीएनआर, ईटली–सीएसआईआर, भारत द्विपक्षीय एस एण्ड टी कार्यक्रम के अंतर्गत	08.10.2011	28.10.2011
6.	श्री टी. हुसैन अहमद	तकनीकी सहायक	नोरविच, यू.के.	भारत–ईयू के बीच ''नमस्ते'' शीर्षक सहयोगी परियोजना के अंतर्गत कार्य करना	01.11.2011	15.01.2012
7.	डॉ. आराधना गोस्वामी	वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक	बोलोग्ना, इटली और नोरविच, यू.के.	भारत–ईयू के बीच ''नमस्ते'' शीर्षक सहयोगी परियोजना के अंतर्गत कार्य करना	01.11.2011	20.12.2011
8.	डॉ. बी जी उन्नी	मुख्य वैज्ञानिक	चिएंग माई, थाईलैंड	एआरडीए, थाईलैंड द्वारा आयोजित विचार–मंथन सत्र में भाग लेना और ''अंतर्राष्ट्रीय कोशकीट–पालन कांग्रेस'' में भाग लेना	13.12.2011	18.12.2011

9.	डॉ. एच.पी. डेका बरूआ	वरिष्ठ वैज्ञानिक	चिएंग माई, थाईलैंड	एआरडीए, थाईलैंड द्वारा आयोजित विचार–मंथन सत्र में भाग लेने के लिए	16.12.2011	18.12.2011
10.	डॉ. मन्तु भुयान	वैज्ञानिक	ढाका, बांग्लादेश	''17वां मधुमेह एवं अंतःस्रावी सम्मेलन'' में भागीदारी हेतु	13.12.2011	15.12.2011
11.	डॉ. एच पी डेका बरूआ	वरिष्ठ वैज्ञानिक	लंदन, यू.के.	''प्लैनट अंडर प्रेशर 2012'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने के लिए	25.03.2012	29.03.2012

प्रशिक्षण में भागीदारी

क्रम सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	आयोजक का ब्यौरा और अवधि	नाम, पदनाम व स्टाफ का विभाग
1.	मैग्नेटोटेल्यूरिक तकनीक : सिद्धांत और अनुप्रयोग	नार्थ–ईस्ट हिल्स विश्वविद्यालय (एनईएचयू) शिलांग, 08–12 अगस्त, 2011 के दौरान	डॉ. पी.के. बोरा, वरि ष्ठ प्रधान वैज्ञानिक
2.	हैज कोम/प्रयोगशाला सुरक्षा	टैक्सास विश्वविद्यालय, जून 2010 को सैन एंटोनियो में	डॉ. राजू खान, वैज्ञानिक
3.	जोखिम अवशेष जनरेटर (एसए 401)	ईएचएसआरएम प्रयोगशाला, सुरक्षा प्रभाग, अमरीका, 2 नवंबर, 2010	डॉ. राजू खान, वैज्ञानिक
4.	अनुपालन पावती 2011	टैक्सास विश्वविद्यालय, 9 मार्च, 2011 को सैन एंटोनियो में	डॉ. राजू खान, वैज्ञानिक
5.	''पेड़–पौधों एवं पशुओं, प्रलेखीकरण के अध्ययन में मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण और स्थानीय स्वास्थ्य पद्धतियों का मूल्यांकन''	आयुर्वेद एंड इंटेग्रेटिव मे ि डसन, बंगलौर	डॉ. एस पी सैकिया, वैज्ञानिक
6.	कैंसर सैल लाईन, बायोएरो तकनीक, जीन और प्रोटीन के चित्रण का अनुरक्षण	प्राणी–विज्ञान विभाग, विश्वभारती (केंद्रीय विश्वविद्यालय), शांति निकेतन, 15–29 जून और 15–29 सितंबर, 2011 के दौरान	डॉ. एम. भुयान, वैज्ञानिक
7.	''रिओलॉजी के मूल तत्व'' पर ऑनलाईन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	एंटोन–पार जीएमवीएच एंटोन–पार – एसटीआर 20 8054 जीआरएजैड, आस्ट्रिया पाठ्यक्रम 18 अप्रैल, 2011 को पास किया	श्री अरविंद गौतम, कनिष्ठ वैज्ञानिक
8.	अनुसंधान और व्यापार आयोजना हेतु पेटिनफोर्मेटिक्स	सीएसआईआर – एनसीएल, पुणे, 19–21 मार्च, 2012, सीएसआई आर–यूआरडीआईपी, पुणे के सहयोग से सोसायटी फॉर इंफोर्मेशन साइंस (एसआईएस) द्वारा आयोजित	डॉ. पी.जे. सैकिया, कनिष्ठ वैज्ञानिक
9.	पेटंट भूदृश्य निर्माण/प्रतिचित्रण और श्वेत स्थल पहचान	सीएसआईआर–एनसीएल, पुणे : 22 मार्च, 2012	डॉ. पी.जे. सैकिया, कनिष्ठ वैज्ञानिक

10.	प्रक्रण लोह ओरे फाईन्स एवं स्लाइम्स	टाटा रिसर्च डेवलपमेंट एंड डिजाईन सेंटर, पुणे और आईआईएमई, मुंबई–पुणे चैप्टर, 23–25 जनवरी, 2012	डॉ. भानश आर . दास, कनिष्ठ वैज्ञानिक
11.	प्रभावी एस एंड टी संचार करना	सीएसआईआर – एचआरडीसी, गाजियाबाद	डॉ. जतिन कालिता, कनिष्ठ वैज्ञानिक
12.	अनुसंधान व विकास परियोजनाएं बनाना और प्रबंधन करना	सीएसआईआर–एचआरडीसी, गाजियाबाद, 19–23 सितंबर, 2011	सुश्री कल्याणी मेधी, कनिष्ठ वैज्ञानिक
13.	अनुसंधान व विकास परियोजनाएं बनाना और प्रबंधन करना	सीएसआईआर–एचआरडीसी, गाजियाबाद, 19 .09.2011–23.09. 2011	श्री देबव्रत दास, कनिष्ठ वैज्ञानिक
14.	उत्तर–पूर्वी भारत हेतु आपूर्ति श्रृंखला में खाद्य सुरक्षा	कंफेडेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री–गुणवत्ता संस्थान और खाद्य प्रक्रण उद्योग मं त्रालय, भारत सरकार, जोरहाट, असम में 5 से 6 मई, 2011	श्रीमती लखमी बोरा, प्रधान तकनीकी अधिकारी
15.	जीसी–जीसीएमएस पर प्रशिक्षण, अनुरक्षण और अनुप्रयोग	थर्मो साईंटिफिक जीसी–एमएस सर्विस सेमिनार, गुवाहाटी, 7–9 दिसंबर, 2011	श्री पी .पी. खोउंड, तकनीकी सहायक
16.	मैगनेटोटेल्यूरिक तकनीक : सिद्धांत और अनुप्रयोग	नार्थ–ईस्ट हिल्स विश्वविद्यालय शिलांग, 08–12 अगस्त, 2011 के दौरान	सुश्री एस . गोस्वामी, डीएसटी, महिला वैज्ञानिक

प्रदत्त उच्च शैक्षिक प्रशिक्षण

सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए

(ऊपर) डॉ. आर.सी. बरूआ (बायें), एससी एच/उत्कृष्ट वैज्ञानिक, तकनीकी सत्र के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को व्याख्यान देते हुए । (मध्य) डॉ. पी.जी. राव, निदेशक, सीएसआईआर–एनईआईएसटी, प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए । श्री पाटिन्या लुआंग थोंगकुम (एकदम बायें) उप निदेशक, एआरडीए प्रमाणपत्र वितरण समारोह निहारते हुए । (नीचे) सीएसआईआर–एनईआईएसटी बंधुत्व सहित प्रशिक्षणार्थी

सीएसआईआर–उत्तर–पूर्व विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, जोरहाट ने एग्रीकल्चरल रिसर्च डेवलपमेंट एजेंसी (एआरडीए), थाईलैंड के सहयोग से सीएसआईआर–एनईआईएसटी में 5–15 जुलाई, 2011 के दौरान ''विपणन योग्य उत्पाद और बायोइंफोर्मेटिक्स'' में अनुसंधान पर परियोजना मूल्यांकन कार्यक्रम आयोजित किया। एआरडीए – थाईलैंड से 4 कार्मिकों सीएसआईआर – एनईआईएसटी में सीएसआईआर – टीडब्ल्यूएएस फैलोशिप के अंतर्गत नाइजेरिया से 2 अनुसंधान फैलो और सीएसआईआर – एनईआईएसटी में कार्यरत इजिप्ट के एक अनुसंधान व्यक्ति ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। प्रशिक्षण के लिए स्रोत व्यक्तियों में सीएसआईआर और असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट के कार्मिक शामिल थे। इनमें डॉ. ए.गर्ग, मुख्य वैज्ञानिक और डॉ. ए.एस. नायडू, प्रमुख वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त) सीएसआईआर–सीएलआईआर, चैन्नई, डॉ. सी एन सैकिया, प्रमुख वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त), सीएसआईआर–एनईआईएसटी और डॉ. मधुमिता बरूआ, प्रोफेसर, असम कृषि विश्वविद्यालय के अतिरिक्त सीएसआईआर–एनईआईएसटी के अन्य वैज्ञानिक शामिल थे । यह उल्लेखनीय है कि प्रशिक्षण कार्यक्रम 23 जून, 2011 को सीएसआईआर–एनईआईएसटी जोरहाट और एआरडीए, थाइलैंड के बीच हस्ताक्षरित समझौता–ज्ञापन के अनुपालन की पहल के रूप में आयोजित किया गया । संयुक्त अनुसंधान करने के अतिरिक्त, समझौते ज्ञापन का उद्देश्य में अनुसंधान विद्यार्थियों का आदान–प्रदान, संयुक्त रूप से सेमिनार आयोजित करना और प्रौद्योगिकी विकास/अंतरण आदि शामिल हैं। प्रशिक्षण के कार्यकलापों में सीएसआईआर – एनईआईएसटी उद्यमियों के व्यापारिक संस्थानों में औद्योगिक दौरा, बायो इंफोर्मेटिक्स पर हस्त– प्रशिक्षण, सीएसआईआर–एनईआईएसटी के विभिन्न प्रभागों का दौरा, जोरहाट में और इर्द–गिर्द प्रयोगशालाओं का दौरा जैसे चाय प्रायोगिक स्टेशन (टीआरए), असम कृषि विश्वविद्यालय और रेन फोरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि । कार्यक्रम के हिस्से के रूप में सहभागियों को टीटाबोर के थाई गांव में ले जाया गया जहां उन्हें समुदाय के स्थानीय सदस्यों के साथ सांस्कृतिक पद्धतियों का आदान–प्रदान करने का अवसर मिला ।

प्रशिक्षणार्थियों को एमएस आयंगर हाल, सीएसआईआर–एनईआईएसटी में 16 जुलाई, 2011 को हुए समारोह में प्रमाणपत्र प्रदान किए गए । प्रमाण–पत्र वितरण समारोह सीएसआईआर–एनईआईएसटी के उत्कृष्ट वैज्ञानिक डॉ. आर.सी. बरूआ के स्वागत भाषण से प्रारंभ हुआ । इस समारोह में श्री पतिन्या लुआंग थोगंकुम, उप निदेशक, एआरडीए, सुश्री सिवापोर्न दर्नवाचिरा,

लेखा अधिकारी, एआरडीए, थाईलैंड, सीएसआईआर–एनईआईएसटी के बधुत्व डॉ. पी.जी. राव ने भी भाग लिया । डॉ. पी.जी. राव, निदेशक, सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने अपने अभिभाषण में उल्लेख किया कि विज्ञान सीमाओं के परे है अतः मानवता के हितार्थ ज्ञान का आदान–प्रदान और प्रचार–प्रसार होना चाहिए। प्रशिक्षण कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, प्रतिभागी प्रशिक्षणार्थियों ने प्राप्त प्रशिक्षण पर रिपोर्ट और कार्यक्रम के बारे में मूल्यांकन प्रस्तुत किया । प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण की परिपूर्णता पर प्रमाण–पत्र और ''प्रशिक्षण टिप्पणियां'' प्रदान की गई। एआरडीए, थाईलैंड के श्री पातिन्या और सुश्री सिवापोर्न ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए सीएसआईआर–एनईआईएसटी का आभार प्रकट किया।

सीएसआईआर–एआरडीए, थाईलैंड के भाग के रूप में लघु अवधि अंतर्राष्ट्रीय बायोइंफोर्मेटिक्स प्रशिक्षण कार्यक्रम, 11–14 जुलाई, 2011

एनईआईएसटी–एआरडीए (एग्रीकल्चर रिसर्च डेवलपमेंट एजेंसी, थाईलैंड) के भाग के रूप में लघु अवधि बायोइंफोर्मेटिक्स प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम 11–14 जुलाई, 2011 के दौरान आयोजित किया गया । कार्यक्रम का केंद्र बिंदु कृषि विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक बायोइंफोर्मेटिक्स और अनुसंधान व विकास में इसका अनुप्रयोग था। मोंटीरा किओडी, पियाटिडा थीरारोनारोंग, पविदा पासेयावाटनाकुल और प्रवीणा इन–यिम ने प्रशिक्षण में थाईलैंड से एआरडीए प्रशिक्षणार्थी के रूप में भाग लिया । लाडोके अकिनटोला प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ओला लियाबा ओलूनिका और माजोलागबी ओलूसोला नाथनील, नाईजीरिया के ओगबोमोसो, ओयो स्टेट ने प्रशिक्षण में भाग लिया। ईजिप्ट से सीएसआईआर–टीडब्ल्यूएएस फैलो मोहमद गाड ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया ।

अणुजीव की आणविक जीव–विज्ञान और विविधता प्रतिचित्रण पर कार्यशाला व हस्त प्रशिक्षण – 15–25 नवंबर, 2011

अणुजीव की आणविक जीव–विज्ञान और विविधता प्रतिचित्रण पर कार्यशाला व हस्त प्रशिक्षण एनईआईएसटी, जोरहाट के जैव–प्रौद्योगिकी प्रभाग एवं बायोटैक हब के तत्वावधान में 15 से 24 नवंबर, 2011 के दौरान आयोजित की गई । इस कार्यक्रम को जैव प्रौद्योगिकी, भारत सरकार और सीएसआईआर–एनईआईएसटी, जोरहाट ने प्रायोजित किया । प्रशिक्षण के हस्त वेब लैब और सिद्धांत सत्रों में आणविक जीव–विज्ञान और बायोइंफोर्मेटिक्स पर चर्चा की गई । प्रशिक्षण सत्र में जिन विषयों पर जोर दिया गया वे हैं – अगली पीढ़ी अनुक्रमण आईओमिक्स, बादल संगणन ! सभी बायोइंफोर्मेटिक्स पाईपलाइंस जीव–विज्ञानी बादल संगणन, सांख्यिकीय बायोइंफोर्मेटिक्स – जैविक सूचना, मेटाजीनोमिक्स आंकड़े विश्लेषण, पोलीफासिक अणुजीव वर्गीकरण आदि का पता लगाते हुए इंटरनेट में इस प्रकार के साधनों का प्रयोग करते हैं । कुल 9 प्रतिभागियों में से 7 जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग से थे और 2 पौध विज्ञान प्रभाग से थे । डॉ. जी. एस.एन रेड्डी, सीसीएमबी, हैदराबाद के वैज्ञानिक और डॉ. ए. तालुकदार, प्रमुख वैज्ञानिक अधिकारी, जेसचिकटेन बायोसाईंस, बंगलूर ने स्रोत व्यक्तियों के रूप में भाग लिया । डॉ. रेड्डी ने मेटाजिनोमिक्स और पोलीफेसिक टैक्सोनोमी के उभरते क्षेत्र में विख्यात व्याख्यान दिए । उन्होंने आणविक जीव–विज्ञान की आधुनिक तकनीकों से संबंधित व्यावहारिक सत्रों में भी मार्गदर्शन किया । प्रातःकाल के व्याख्यान के बाद प्रतिदिन व्यावहारिक सत्र भी होते थे । डॉ. तालुकदार ने अगली पीढ़ी अनुक्रमण आंकड़ा विश्लेषण, सांख्यिकी बायोइंफोर्मेटिक्स आदि के

डॉ. पी.जी. राव, उद्घाटन अभिभाषण देते हुए और जेसचिकटेन बायोसाईंस, बंगलूर से प्रोफेसर अशोक तालुकदार और सीसीएमबी, हैदराबाद से डॉ. जी.एन.एस. रेड्डी, वैज्ञानिक, मंच पर स्रोत व्यक्ति के रूप में

अनुप्रयोग पर श्रेष्ठ व्याख्यान दिए । समापन समारोह के साथ प्रशिक्षण पूरा हुआ जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की और अंततः एनईआईएसटी, जोरहाट के जैविक–प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल घोषित किया गया।

जीनोमिक्स अनुसंधान हेतु बायोइंफोर्मेटिक्स पर लघु अवधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रम – 19–21 मार्च, 2012

जीनोमिक्स अनुसंधान हेतु बायोइंफोर्मेटिक्स साधनों पर 19–21 मार्च, 2012 के दौरान लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम सेंटर के मैन्डेट के रूप में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश की विभिन्न संस्थानों के 13 विद्यार्थियों ने भाग लिया । इन शैक्षणिक और अनुसंधान व विकास संस्थानों में तेजपुर विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय और एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टैक्नोलॉजी, गुवाहाटी शामिल है। डॉ. मधुमिता बरूआ, सहायक प्रोफेसर, जैव–प्रौद्योगिकी प्रभाग, असम कृषि विश्वविद्यालय को स्रोत व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। डॉ. बरूआ ने जीवाण्विक विविधता के अध्ययन में 16 एसआर डीएनए जीवाण्विक जीन और इसके अनुप्रयोग पर वार्ता की। डॉ. चितरंजन बरूआ, अनुसंधान एसोशिएट, बायोइंफोर्मेटिक्स सेंटर, गुवाहाटी विश्वविद्यालय ने विस्तार में एनसीबीआई पर चर्चा की। डॉ. राजीव शर्माह, सहायक प्रोफेसर, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय ने बायोइंफोर्मेटिक्स में सांख्यिकी और गणित पर अपना भाषण दिया । प्रोफेसर आर.सी. डेका, प्रोफेसर, रसायन विज्ञान, तेजपुर विश्वविद्यालय ने क्यूएसएआर और कम्प्यूटर सहायतायुक्त औषध डिजाईन को विस्तारपूर्वक स्पष्ट किया। श्री ध्रुबाज्योती गोगोई, परियोजना सहायक, बायोइंफोर्मेटिक्स सेंटर, सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने दस्तावेज और सीएडीडी (डेमो और थ्योरी) पर इसके प्रभाव पर प्रतिभागियों को व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का 21 जुलाई, 2012 को सफल समापन हुआ।

कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह । डॉ. टी सी बोरा, विभागाध्यक्ष, जैव–प्रौद्योगिकी प्रभाग प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए ।

जैव–प्रौद्योगिकी प्रभाग, सीएसआईआर – एनईआईएसटी, जोरहाट के बायोइंफोर्मेटिक्स हब में प्रशिक्षणार्थी ।

संगोष्ठियां / सम्मेलन / बैठकें, जिनमें भाग लिया

डॉ. पी जी राव, निदेशक सीएसआईआर–एनईआईएसटी

- 14–16 अप्रैल, 2011 के दौरान सीएसआईआर रासायनिक क्लस्टर बैठक।
- 21 अप्रैल, 2011 को एससी एफ–जी के लिए आरएबी मूल्यांकन समिति की बैठक में भाग लिया।
- 18 मई, 2011 को महासागर भवन, ब्लॉक 12, सीजीओ कॉम्पलैक्स में ''समाज के असुरक्षित वर्ग के लिए एसएण्डटी पर कार्य समूह'' विषय पर योजना आयोग की बैठक में भाग लिया।
- 24 मई 2011 को सीएसआईआर–सीजीसीआरआई, कोलकाता में आरएबी मूल्यांकन समिति की बैठक (रासायनिक विज्ञान एवं इंजीनियरी) में भाग लिया।
- 26 मई, 2011 को रोंगाचाही कालेज, माजूली में हुई ''निम्नतर सुवांसीरी बड़ा बांध : माजूली द्वीप के विशेष संदर्भ में इसका प्रभाव । वर्तमान शिक्षा प्रणाली में परियोजना कार्य का महत्व'' विषय पर राज्य स्तरीय संगोष्ठी में भाग लिया और उद्घाटन किया।
- 30 मई, 2011 को आईआईसीटी, हैदराबाद में नेटवर्क परियोजना समीक्षा बैठक में भाग लिया।
- 12 जून, 2011 को आईएनसीओईएस, हैदराबाद में समाकलित भूकंपीय एवं जीपीएस नेटवर्क के संबंध में सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा बुलाई गई बैठक में भाग लिया।
- 16 जून, 2011 को एनईएसएसी, शिलांग में आपदा जोखिम अल्पीकरण (एनडीआर – डीआरआर) के लिए एनईआर नोड हेतु समिति की बैठक में भाग लिया।
- 1 जुलाई, 2011 को एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलांग में एनईआईजीआरआईआईएचएमएस नैतिकता समिति की दूसरी बैठक में भाग लिया।
- 13 जुलाई, 2011 को डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय में हुई एनईआर–बायोटैक कार्यक्रम प्रबंधन पर, सचिव, डीबीटी, भारत सरकार के साथ संस्थानों के कुलपतियों, निदेशकों और स्टार कालेजों के प्रधानाचार्यों की बैठक में भाग लिया।
- 22 जुलाई, 2011 को एनईआईएसटी सबस्टेशन, इम्फाल में मुख्यमंत्री, मणिपुर के साथ बैठक में भाग लिया।
- 29–31 अगस्त, 2011 के दौरान मद्रास विज्ञान फाउंडेशन द्वारा आयोजित ''सामाजिक और पर्यावरणीय आवश्यकताओं में रसायनशास्त्र'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- 10 सितंबर, 2011 को सीएसआईआर–सीआईएमएफआर की प्रबंधन समिति की बैठक में भाग लिया।
- 22 सितंबर, 2011 को ''जोरहाट विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के नए विद्यार्थी दिवस कार्यक्रम'' का उद्घाटन किया।
- जोरहाट चिकित्सा कालेज के फ्रेशर्स की सामाजिक बैठक का 27 सितंबर, 2011 को उद्घाटन हुआ।
- 14–17 अक्तूबर, 2011 के दौरान सीएसआईआर मुख्यालय में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की कार्यशाला और विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में भाग लिया।
- 20–21 अक्तूबर के दौरान सीएसआईआर–एनईआईएसटी सब–स्टेशन में हुए सीएसआईआर–आईआईसीटी और सीएसआईआर–एनईआईएसटी द्वारा आयोजित रेशम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- 8–9 नवंबर, 2011 के दौरान सीएसआईआर में विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक और सीएसआईआर–सीआरआरआई में हुए एसएसबीएमटी आउटडोर जोनल के उद्घाटन समारोह में भाग लिया।
- 17 नवंबर, 2011 को मणिपुर इम्फाल में हुए आरएसपी–10 कार्यक्रम के अंतर्गत मानवजातीय सामग्रियों और डिजाइन पर आधारित अभिनव उत्पादों पर कार्यशाला व प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में भाग लिया।
- 25 नवंबर,, 2011 को सीएसआईआर–एनसीएल में हुए 43वें एसएसबीएमटी (आउटडोर) जोनल के उद्घाटन समारोह में भाग
- लिया।
- 28 नवंबर, 2011 को नई दिल्ली में हुई आईएनएसए की बैठक में भाग लिया।
- मुख्य अतिथि के रूप में, आरबीआर एवं जे सी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गुंटुर, आंध्र प्रदेश के रजत जयंती एवं टैक्नोफैस्ट समारोह में भाग लिया।
- 30 नवंबर, 2011 को सीएसआईआर–एनएएल, बंगलौर में ''नमस्ते'' परियोजना पर हुई बैठक में भाग लिया।

- 1 दिसंबर, 2011 को सीएसआईआर–सीएफटीआरआई, मैसूर की प्रबंधन समिति की बैठक में भाग लिया।
- 5 दिसंबर, 2011 को आईआईटी मद्रास में हुई, ग्रामीण भारत के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद की बैठक में भाग लिया।
- 16–17 दिसंबर, 2011 के दौरान एनसीएल, पुणे में हुई रासायनिक विज्ञान कलस्टर, प्रयोगशालाओं के लिए 12वीं पंचवर्षीय योजना बैठक में भाग लिया।
- 8 फरवरी, 2012 को गुवाहाटी में हुई, महिलाओं के लिए प्रौद्योगिकी विकास और उपयोग कार्यक्रम की टीएसी–17 बैठक में भाग लिया।
- 10 फरवरी, 2012 को आईआईसीटी हैदराबाद में 12वीं पंचवर्षीय योजना के ''इंस्पायर'' कार्यक्रम पर हुई बैठक में भाग लिया।
- 11 फरवरी, 2012 को विजाक में आईआईसीएचई के साथ हुई बैठक में भाग लिया।
- 21 फरवरी, 2012 को विशेष अतिथि के रूप में वृहत्तर गुवाहाटी के वरिष्ठ अभियंता मंच के 8वें स्थापना दिवस में भाग लिया और इस विषय संबंधी व्याख्यान दिया।
- 28 फरवरी, 2012 को सीएसआईआर–सीएफटीआरआई, मैसूर की क्षेत्रीय परिषद की बैठक में भाग लिया।
- 29 फरवरी, 2012 को डीएसटी, नई दिल्ली में सीएसटीआरआई की बैठक में भाग लिया।
- 24 मार्च, 2012 को सीएसआईआर–सीईईआरआई, पिलानी में हुए 43वें एसएसबीएमटी आउटडोर (अंतिम) में भाग लिया।
- 29 मार्च, 2012 को सीसीआईआर–एनजीआरआई, हैदराबाद में भू–विज्ञान कार्यक्रम पर 5वीं पीएसी बैठक में भाग लिया।
- 4 अप्रैल, 2012 को नई दिल्ली में हुई आईयूएफओएसटी राष्ट्रीय समिति और आईसीएसयू राष्ट्रीय समिति की बैठकों में भाग लिया।
- 21 अप्रैल, 2012 को एनआईपीजीआर, अरूणा आसफ अली रोड, नई दिल्ली में हुई भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की परिषद की बैठक में भाग लिया।
- 26–28 अप्रैल, 2012 के दौरान सीएसआईआर–आईएमटीईसीएच, चंडीगढ़ में हुए सीएसआईआर निदेशक सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ. आर.सी. बरूआ, उत्कृष्ट वैज्ञानिक

- 19 जनवरी, 2012 को बहोना कालेज, जोरहाट की शासी निकाय की बैठक में भाग लिया।
- 23 जनवरी, 2012 को सिक्किम मणिपाल प्रौद्योगिकी संस्थान (एसएमआईटी), मणिपुर, सिक्किम में ''रसायन शास्त्र में आधुनिक प्रवृत्तियां'' (आरटीसी–2012) विषय पर हुए राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और मूल सिद्धांत संबंधी व्याख्यान दिया।
- 24 जनवरी, 2012 को एचआरडीजी, सीएसआईआर में आरएबी बैठक में भाग लिया।
- 29–30 जनवरी, 2012 के दौरान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में अग्रवर्ती अध्ययन संस्थन (आईएएसएसटी) में हुए 18वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (पोस्ट : आईएससीबीसी–2012) में भाग लिया।
- 11–12 नवंबर, 2011 के दौरान सीएसआईआर, सीडीआरआई लखनऊ में 11वीं पंचवर्षीय योजना पर सीएसआईआर जीव वैज्ञानिक कलस्टरों और 12वीं पंचवर्षीय योजना पर भावी योजना की समीक्षा बैठक में भाग लिया।
- 12 नवंबर, 2011 को सीएसआईआर–सीआईएमएपी में हुए ''सोसायटी ऑफ बायोलॉजीकल कैमिस्ट्स'' की 80वीं वार्षिक बैठक के उद्घाटन समारोह में भाग लिया।
- 21 नवंबर, 2011 को विश्व चाय विज्ञान सम्मेलन के अवसर पर चाय अनुसंधान संघ, टोकलाई में भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के साथ हुई परस्पर विचार–विमर्श बैठक में भाग लिया।
- 22 नवंबर, 2011 को चाय अनुसंधान संघ, टोकलाई में हुए विश्व चाय विज्ञान सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में भाग लिया।

डॉ. बी.जी. उन्नी, मुख्य वैज्ञानिक

- 12 जुलाई, 2011 को ग्रेड–IV (4) वैज्ञानिकों के लिए, निदेशक, सीएसआईआर–आईआईसीबी, कोलकाता द्वारा नामित एक सदस्य के रूप में संवीक्षा समिति की बैठक में भाग लिया।
- 13 जुलाई, 2011 को आईआईसीबी के अतिथि गृह में डॉ. राजा बैनर्जी, विभाग प्रमुख, जीव सूचना विभाग, पश्चिम बंगाल प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोलकाता के साथ हुई बैठक में भाग लिया।
- 22 जुलाई, 2011 को सीएसआईआर–एनईआईएसटी सब–स्टेशन, इम्फाल में एक स्थानीय परामर्शी सदस्य के रूप में डीएनए क्लब की बैठक में भाग लिया।

- 19 अगस्त, 2011 को तेजपुर विश्वविद्यालय में, विश्वविद्यालय के डीबीटी नामिति के रूप में जीव–सुरक्षा समिति की बैठक में भाग लिया।
- 20 अगस्त, 2011 को चाय अनुसंधान संघ, टोकलाई, (जोरहाट) में भारतीय वृक्षारोपण प्रबंधन संस्थान, बंगलौर द्वारा आयोजित ''खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन'' विषय पर आंचलिक कार्यशाला में भाग लिया।
- 14–18 दिसंबर, 2011 के दौरान, बल्ल रूम, सेंट्रा होटल, चियांग माई–थाइलैंड में अंतर्राष्ट्रीय रेशम उत्पादन आयोग के XXIIवें सम्मेलन में भाग लिया और ''गैर–शहतूत रेशम–कीट, एंथेरेया एसामेंसिस, हेल्फर में जीव–प्रौद्योगिकीय और आणविक अनुसंधान की ''वर्तमान प्रवृत्तियां'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- 21 नवंबर, 2011 को विश्व चाय विज्ञान सम्मेलन के अवसर पर चाय अनुसंधान संघ, टोकलाई में भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के साथ हुई परस्पर विचार–विमर्श बैठक में भाग लिया।
- 29 दिसंबर, 2011 को विशेष अतिथि के रूप में आयुर्विज्ञान संस्थान, जोरहाट के नए विद्यार्थियों के सामाजिक कार्यक्रम में भाग लिया।
- 24 फरवरी, 2012 को डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय में ''अच्छे स्वास्थ्य, शांति एवं समृद्धि के लिए स्थायी लोक स्वास्थ्य पद्धतियां'' विषय पर हुई अंतर्राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी में भाग लिया और ''व्यावसायिक एवं पर्यावरणी स्वास्थ्य : बेहतर स्थायित्व के रूप में संवीक्षा और जागरूकता'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- 21 नवंबर, 2011 को चाय अनुसंधान संघ, टोकलाई में विश्व चाय सम्मेलन के दौरान भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम के साथ हुई परस्पर विचार–विमर्श बैठक में भाग लिया।
- 29 दिसंबर, 2011 को आयुर्विज्ञान संस्थान, जोरहाट द्वारा आयोजित, आयुर्विज्ञान संस्थाना के नए विद्यार्थियों के सामाजिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

डॉ. रंजू दुराह, प्रमुख वैज्ञानिक

- सीएसआईआर जोरहाट में 19–20 अप्रैल, 2011 को ''भूकंप पूर्व आपदा जोखिम न्यून और कम करने हेतु कार्रवाई योजना पर क्षेत्रीय परामर्श' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- आपदा प्रबंधन के प्रति संवेदनशीलता पर गरगॉव कालेज, सिमालुगुड़ी द्वारा यूसीसी प्रायोजित राष्ट्रीय स्तर प्रशिक्षण–व–कार्यशाला में भाग लिया और प्राकृतिक आपदा और जोखिम कम करने की कार्यनीति पर 18 फरवरी, 2012 को स्रोत व्यक्ति के रूप में वार्ता प्रस्तुत की।
- राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग, असम सरकार, राज्य सचिवालय हाउस, गुवाहाटी द्वारा 28 फरवरी, 2012 को आयोजित ''उत्तर–पूर्व भारत में भूकंप जोखिम कम करने'' पर कार्यशाला में भाग लिया।
- अनुप्रयुक्त भूविज्ञान विभाग, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में तलछटी बेसिन विश्लेषण में बहु–विषयक दृष्टिकोण सत्र की अध्यक्षता की।

श्री पी.के. गोस्वामी, मुख्य वैज्ञानिक

- 15 नवंबर, 2011 को नई दिल्ली सिस्टम (एसडीएस) में मैसर्स साइंटीफिक एण्ड डिजीटल द्वारा आयोजित पेषण और पकाई उद्योगों में नई प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के लिए पेषण और पकाई उद्योग बैठक के लिए उन्नत किस्म के हल।
- 19 अगस्त, 2011 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास में बायो–सर्किल–जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित खाद्यान्न कृषि एवं जीव प्रौद्योगिकी संबंधी अनुसंधान पर भारत–ईयू एस एण्ड टी सहयोग के लिए एफपी–7 कार्यक्रम के अंतर्गत खाद्यान्न गुणवत्ता, सुरक्षा एवं खाद्यान्न कृषि तथा जीव–प्रौद्योगिकी संबंधी अनुसंधान।
- एनआईआईएसटी त्रिवेन्द्रम में सीएसआईआर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित नए इंडिगो कार्यक्रम के अंतर्गत 20–20 द्वारा सहयोगात्मक अनुसंधान पर विजन दस्तावेज तैयार करने के लिए नए इंडिगो कार्यक्रम के अंतर्गत 20–20 द्वारा भारत–ईयूएसएण्डटी सहयोग।

- 16 फरवरी, 2012 को सीएसआईआर मुख्यालय, नई दिल्ली में महानिदेशालय, डीजीसीएसआईआर द्वारा आयोजित ''महिलाओं और बच्चों में कुपोषण पर काबू पाने के लिए सीएसआईआर–पौष्टिक और कार्यात्मक भोजन।

डॉ. पी.सेन गप्ता, मुख्य वैज्ञानिक

- 22 दिसंबर, 2011 को उत्तर–पूर्व परिषद, शिलांग द्वारा आयोजित 12वीं पंचवर्षीय योजना अवधि के लिए प्रस्ताव तैयार करने हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र के अंतर्गत उत्तर–पूर्व परिषद की कार्य समूह की बैठक।
- 22–23 नवंबर, 2011 के दौरान नई दिल्ली में, एफआईआईसीआई और डीएसटी, भारत सरकार द्वारा आयोजित, जीव–प्रौद्योगिकी, नवीकरण योग्य ऊर्जा और संयुक्त उद्यम के लिए जल संसाधन तथा सहयोग में भारत–स्पेन सहयोग हेतु 17वां प्रौद्योगिकी सम्मेलन और प्रौद्योगिकी मंच।
- 27 अगस्त, 2011 को जोरहाट विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा आयोजित, रसायन शास्त्र के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के समारोह में समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

डॉ. पारण बरूआ, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- 1 जून, 2011 को विशिष्ट अतिथि के रूप में, सिन्नामारा कालेज के 21वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया।

डॉ. टी.सी. बोरा

- 22–23 नवंबर, 2011 के दौरान, होटल ललित, बाराखंबा रोड, नई दिल्ली में हुए, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और डीएसटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, सहयोगी देश के रूप में भारत और स्पेन के प्रतिनिधियों के बीच हुए ''17वें प्रौद्योगिकी सम्मेलन एवं प्रौद्योगिकी मंच'' में भाग लिया।

डॉ. दीपक कुमार दत्ता, मुख्य वैज्ञानिक

- 14–16 अप्रैल, 2011 के दौरान सीएसआईआर–एनसीएल, पूणे XIIवीं पीवाईपी परियोजना बैठक।
- 1 नवंबर, 2011 को जाधवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में डीएसटी, नई दिल्ली, पीएसी बैठक।

डॉ. सौरभ बरूआ, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- 12–14 सितंबर, 2011 के दौरान भारत पर्यवास केंद्र, लोधी रोड, नई दिल्ली में भू–खतरों पर हुई भारत–नार्वे कार्यशाला में भाग लिया और ''प्रत्यावर्तित और रूपांतरिक लहरों से अनुमान लगाए गए, भारत के उत्तर–पश्चिमी क्षेत्र में शिलांग–मिकिर पर्वत पठार में मोहे गहन भिन्नता'' और ''प्रवर्धन कारकों के मानचित्रण द्वारा समर्थित, बृहत्तर गुवाहाटी शहर और पूर्वोत्तर भारत में अधिकतम विश्वासयोग्य भूकंप'' नामक पेपर प्रस्तुत किए।
- 15–18 जनवरी, 2012 के दौरान, भूकंप विज्ञान संस्थान, रायसन, गांधीनगर, गुजरात में, ''अंतःपट्टिका भूकंपीयता'' विषय पर हुई भारत–यूएस कार्यशाला में भाग लिया और ''शिलांग–मिकिर पठार, पूर्वोत्तर भारत का एक जटिल विवर्तनिक मॉडल : तरंगों के प्रतिलोमन, बहु–विध प्रतिलोम पद्धति, उत्तरवर्ती भूकंपीय एनीसोट्रॉफी के साथ दबाव तानिका प्रतिलोमन और प्राप्तकर्ता कार्य विश्लेषण के जरिए अनुमान लगाया गया'' नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. अमृत गोस्वामी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- 7 मार्च, 2012 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई में हुई, प्रधानमंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय द्वारा आयोजित की गई, अत्यधिक प्रदूषणकारी रसायन उद्योगों में हरित रसायनशास्त्र लागू करने के लिए हरित रसायनशास्त्र पहलों संबंधी बैठक।

डॉ. एस.डी. बरूआ, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- 28 जुलाई, 2011 को आईएएसएसटी–गुवाहाटी द्वारा आयोजित, पीआरजीएस समिति के सदस्य के रूप में सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीआईटी) नई दिल्ली की मॉनीटरिंग बैठक।
- 12 अगस्त, 2011 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास में, भारत मानक ब्यूरो, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, भारतीय मानक ब्यूरो, नई दिल्ली की ''बिटुमेन तार और उनके उत्पाद अनुभागीय समिति, पीसीडी 6'' की 14वीं बैठक।

- 23.3.2012 को डीईआईटी, नई दिल्ली में हुई, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली और आईएएसएसटी, गुवाहाटी द्वारा आयोजित, पीआरजीएस समिति के सदस्य के रूप में इलैक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली की मॉनीटरिंग समिति की बैठक।

डॉ. बी.पी. बरूआ, प्रधान वैज्ञानिक

- 28 दिसंबर, 2011 को तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर में हुई भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की 77वीं वर्षगांठ आम बैठक में भाग लिया।
- 20–22 अक्तूबर, 2011 के दौरान, उदयपुर, भारत में परिषद के सदस्य के रूप में आईआईएमई की आम और कार्यकारी शासी निकाय की बैठकें।
- 22–24 नवंबर, 2011 के दौरान टोकलाई में ''विश्व चाय विज्ञान सम्मेलन''।
- 16–17 दिसंबर, 2011 के दौरान गुवाहाटी में ''पूर्वोत्तर ऊर्जा गुप्त सभा : अग्रणी अवसर सम्मेलन''।
- उदयपुर में हुई, एमपीटी–2011 में परिषद सदस्य के रूप में आईआईएमई की आम और कार्यकारी शासी निकाय की बैठकें।
- 12.08.2011 को दीमापुर में डीजीएम नागालैंड द्वारा आयोजित 31वीं राज्य भूगर्भीय कार्यक्रम बोर्ड की बैठक।
- 05.07.2011 को शिलांग में हुई, सीजीपीबी द्वारा आयोजित सीजीपीबी समिति की 5वीं बैठक : पूर्वोत्तर क्षेत्र के VIII भूगर्भीय और खनिज संसाधन।

डॉ. एच.बी. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी सब–स्टेशन, इम्फाल, मणिपुर

- 24.02.2012 को मणिपुर विश्वविद्यालय में मणिपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित कार्बन पृथक्करण बैठक।
- 27.04.2011 को होटल क्लासिक, इम्फाल में भारतीय वाणिज्य संघ एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विभाग, भारत सरकार द्वारा आयोजित मणिपुर में संभव निवेश का पता लगाने के लिए निवेशक बैठक।
- 29.04.2011 को एमएसीएस, इम्फाल में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित, मणिपुर में पचौली वृक्षारोपण के शुभारंभ के लिए पचौली वृक्षारोपण कार्यक्रम।
- 18.04.2011 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, के कार्यालय में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, मणिपुर द्वारा आयोजित पचौली तेल आसवन के लिए इकाइयों की स्थापना हेतु रणनीतियों के लिए पचौली तेल आसवन बैठक।
- 26.06.2011 को जीव–संसाधन एवं स्थायी विकास संस्थान, मणिपुर में वरिष्ठ तकनीकी सहायक, प्रयोगशाला सहायक, एसआरएफ की नियुक्ति।
- 11.04.2011 को जीव–संसाधन एवं स्थायी विकास संस्थान, मणिपुर में खरीद समिति की बैठक।
- 05.08.2011 को जीव–संसाधन एवं स्थायी विकास संस्थान, मणिपुर में प्रशासनिक अधिकारी और खरीद अधिकारी की नियुक्ति के लिए संवीक्षा के लिए अध्यक्ष के रूप में।

डॉ. एस.पी. सैकिया, वैज्ञानिक

- 27–31 जनवरी, 2012 के दौरान सीएसआईआर–सीएमएमएसीएस में हुई सीएसआईआर 800 तकनीकी कार्यशाला में भाग लिया।
- 17–19 फरवरी, 2012 के दौरान खजुराहो में भारत के अनिवार्य तेल संघ द्वारा आयोजित ''बदलते वैश्विक परिदृश्य में अनिवार्य तेल'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं एक्स्पो–2012 में भाग लिया।
- 13 मार्च, 2012 को होटल नक्षत्र, गुवाहाटी में भारतीय वाणिज्य संघ द्वारा आयोजित 'जैविक उत्पादक–एक नया परिदृश्य'' विषय पर एक संगोष्ठी में भाग लिया।
- 2 जुलाई, 2011 को गुवाहाटी में हुई, गुवाहाटी प्रबंधन संघ द्वारा आयोजित पूर्वोत्तर सर्वोत्तम प्रबंधक प्रतियोगिता।

डॉ. मंतु भुयान, वैज्ञानिक

- 17–19 फरवरी, 2012 के दौरान खजुराहो में भारत के अनिवार्य तेल संघ द्वारा आयोजित ''बदलते वैश्विक परिदृश्य में अनिवार्य तेल'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं एक्स्पो–2012 में भाग लिया।

डॉ. बी.के. सैकिया, वैज्ञानिक

- 2–5 फरवरी, 2012 के दौरान, सीएसआईआर–एनआईआईएसटी, त्रिवेन्द्रम, भारत में ''रसायनशास्त्र (एनएससी–12)'' विषय पर हुई राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी में भाग लिया और एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. दिपुल कलीता, वैज्ञानिक

- 4–5 अगस्त, 2011 के दौरान हुई भारतीय लुगदा एवं पेपर तकनीकी संघ (आईपीपीटीए) जोनल संगोष्ठी में भाग लिया और तकनीकी सत्र– I I में ''कुछ जंगली पौधों की किस्मों से पेपर ग्रेड लुगदा पर अध्ययन'' नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. स्वप्नली हजारिका, वैज्ञानिक

- 4–7 सितंबर, 2011 के दौरान सीजेज, स्पेन में पृथक्करण एवं शुद्धिकरण प्रौद्योगिकी, एल्सेवियर द्वारा आयोजित ''पृथक्करण एवं शुद्धिकरण प्रौद्योगिकी में आयनिक तरल'' विषय पर पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया । उन्होंने, स्वप्नली हजारिका, एन.एन. दत्ता और पी.जी. राव लिखे गए ''आयनिक तरल में लिग्नोसेलूलोज का विलयन और नानो निस्पन्दन द्वारा इसकी प्रतिप्राप्ति'' नामक पेपर का मौखिक रूप से प्रस्तुतीकरण किया।

श्री दीपक बासुमातारी, वैज्ञानिक

- 14 मार्च, 2012 में जल एवं भू–प्रबंधन पूर्वोत्तर क्षेत्रीय संस्थान, दोलाबारी, तेजपुर में ''वर्षा जल एकत्रीकरण'' विषय पर एक दिवसीय परस्पर विचार–विमर्श कार्यशाला में भाग लिया।

श्री चंदन तमूली, वैज्ञानिक एवं प्रभारी वैज्ञानिक, शाखा प्रयोगशाला, ईटानगर

- 11–13 मई, 2011, एनईआरआईएसटी, निर्जुली के दौरान अरूणाचल प्रदेश राज्य सरकार औषधीय पादप बोर्ड द्वारा आयोजित ''गांव के वनस्पति वैज्ञानिकों के प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण'' विषय पर अभिमुखीकरण कार्यक्रम।
- 22 जून, 2011 को बैंकट हाल ईटानगर में पूर्वोत्तर क्षेत्र कृषि विपणन निगम द्वारा आयोजित ''अरूणाचल प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण निवेशक सम्मेलन'' विषय पर एक–एक दिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- 18 अगस्त, 2011 को सचिव (जी एण्ड एम) व अध्यक्ष एसजीपीबी, ईटानगर, अरूणाचल प्रदेश के कार्यालय कक्ष में हुई, बोर्ड के एक सदस्य के रूप में तीसरी राज्य स्तरीय भूवैज्ञानिक कार्यक्रम बोर्ड की बैठक में भाग लिया।
- 30 सितंबर, 2011 को भारतीय पैकेजिंग संस्थान कोलकाता द्वारा आयोजित, ''कुटीर, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमियों के लिए संसाधित फलों की पैकेजिंग'' विषय पर कार्यशाला।
- 5 नवंबर, 2011 को नए सम्मेलन कक्ष, एनईआरईएसटी, निर्जुली में जीव–सूचना केंद्र (डीबीटी–बीआईएफ) वन विभाग, एनईआरईएसटी, निर्जुली द्वारा आयोजित, चौथी पूर्वोत्तर जीव–सूचना नेटवर्क समन्वयक बैठक, डीबीटी, भारत सरकार, नई दिल्ली।

डॉ. पी.जे. सैकिया, कनिष्ठ वैज्ञानिक

- 19–21 मार्च, 2012 के दौरान, सूचना उत्पादों के अनुसंधान एवं विकास के लिए सीएसआईआर की इकाई, पुणे के सहयोग से सूचना विज्ञान सोसाइटी द्वारा आयोजित ''अनुसंधान एवं व्यवसाय प्लानिंग के लिए पैटइंफोमेटिक्स'' विषय पर सीएसआईआर–एनसीएल, पुणे में एक त्रिदिवसीय सम्मेलन में भाग लिया।
- 22 मार्च, 2012 को सीएसआईआर–यूआरडीआईपी, पुणे में, सीएसआईआर के वैज्ञानिकों के लाभ के लिए आयोजित ''पेटेंट लैंडस्केपिंग / मैपिंग एण्ड व्हाइट स्पेस आइडेंटीफिकेशन'' विषय पर कार्यशाला में भाग लिया।
- 19–21 मार्च, 2012 के दौरान, सूचना उत्पादों के अनुसंधान एवं विकास के लिए सीएसआईआर की इकाई, पुणे के सहयोग से सूचना विज्ञान सोसाइटी द्वारा आयोजित'' अनुसंधान एवं व्यवसाय प्लानिंग के लिए पेटइंफोमेटिक्स'' विषय पर सीएसआईआर–एनसीएल, पुणे में एक त्रिदिवसीय सम्मेलन में भाग लिया और 22 मार्च, 2012 को सीएसआईआर–यूआरडीआईपी, पुणे में सीएसआईआर के वैज्ञानिकों के लाभ के लिए आयोजित ''पेटेंट लैंडस्केपिंग / मैपिंग एण्ड व्हाइट स्पेस आइडेंटीफिकेशन'' विषय पर हुई कार्यशाला में भी भाग लिया ।

डॉ. लाक्षी सैकिया, कनिष्ठ वैज्ञानिक

- 27 अगस्त, 2011 को जोरहाट विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा आयोजित रसायनशास्त्र के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के समारोह में सर्वोत्तम पोस्टर प्रतियोगिता के लिए जज के रूप में।

डॉ. जतिन कलिता, कनिष्ठ वैज्ञानिक

- 11–12 नवंबर, 2011 के दौरान बी.एन. कृषि विद्यालय, सोनीपुर में ''स्थायी ग्रामीण विकास के प्रति पूर्वोत्तर भारत के जीव संसाधन प्रबंधन के लिए जीव–रसायन और जीव–प्रौद्योगिकीय अनुसंधान दृष्टिकोण'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

सुश्री कल्याणी मेधी, कनिष्ठ वैज्ञानिक

- 11–12 नवंबर, 2011 के दौरान बी.एन. कृषि विद्यालय, सोनितपुर में ''स्थायी ग्रामीण विकास के प्रति पूर्वोत्तर भारत के जीव–संसाधन प्रबंधन के लिए जीव–रसायन और जीव प्रौद्योगिकीय अनुसंधान दृष्टिकोण'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

डॉ. दीपांविता बानिक, कनिष्ठ वैज्ञानिक

- 16–30 अगस्त, 2011 के दौरान, बोस संस्थान, कोलकाता में हुई ''प्लांट डीएनए फिंगरप्रिंट पर कार्यशाला और व्यावहारिक प्रशिक्षण'' में भाग लिया।

डॉ. ए.के. बोर्दोलाई, प्रधान तकनीकी अधिकारी

- 1 मार्च, 2012 को जिला स्वतंत्रता सेनानी बैठक हाल, जोरहाट में, पूर्वोत्तर लघु उद्योग संघ, जोरहाट द्वारा आयोजित, ''मशरूम की खेती'' विषय पर कलस्टर विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में एक मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ. बोर्दोलाई ने मशरूम की खेती के बारे में संक्षेप में बताया।

वास्कर राजखोवा, ईई

- 13.04.2012 को पूर्वोत्तर जल एवं भू–प्रबंधन क्षेत्रीय संस्थान, दोलाबारी, तेजपुर द्वारा आयोजित, ''वर्षा जल एकत्रीकरण'' विषय पर एक दिवसीय परस्पर विचार–विमर्श कार्यशाला में भाग लिया।

श्री दीपांका दत्ता, तकनीकी सहायक

- 4–5 अगस्त, 2011 के दौरान, लखनऊ में हुई भारतीय लुगदा एवं पेपर तकनीकी संघ की जोनल संगोष्ठी में भाग लिया।
  डॉ. आर.के. मृणालिनी देवी, डब्ल्यूओएस–ए
- 8–12 अगस्त, 2011 के दौरान, तेपेई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (टीआईसीसी) ताइवान में हुई एशिया ओशनिया जियोसाइंसेज सोसाइटी 2011 (एओजीएस–2011) में भाग लिया और ''तनाव विश्लेषण के संदर्भ में पूर्वी सींटेक्सीयल बैंड, अरूणाचल प्रदेश के अग्रवर्ती पश्चिमी भाग के आसपास ड्रेनेज सैट अप का टेक्टानिक फोर्सिंग' नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुश्री सुमना गोस्वामी, डीएसटी वैज्ञानिक

- 3–7 जनवरी, 2012 के दौरान, केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में हुए 99वें भारतीय विज्ञान सम्मेलन में भाग लिया और पृथ्वी प्रणाली विज्ञान वाले भाग में ''2004 के बड़े एमडब्ल्यू 9.1 सुमात्रा–अंडमान भूकंप के कारण दरार वाले क्षेत्र के साथ–साथ भूकंपीय पूर्व और पश्चात के परिदृश्य के अंतर्गत तनाव की स्थिति और इसके शुद्धगतिक प्रमाण'' विषय पर एक व्याख्यान दिया । उन्होंने ''विरूपण और विवर्तनिक'' सत्र के लिए संपर्क सूत्र के रूप में भी कार्य किया।

संगोष्ठियों और सम्मेलनों में प्रस्तुत शोध–पत्र

डॉ. एस.डी. बरूआ

- 3–4 मार्च, 2012 के दौरान, एचआईसीसी–हैदराबाद में सेमी–एरिड ट्रॉपिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (आईसीआरआईएसएटी) के सहयोग से, आंध्र प्रदेश प्रौद्योगिकी विकास एवं संवर्धन केन्द्र (एपीटीडीसी) और भारतीय उद्योग परिसंध (सीआईआई), हैदराबाद द्वारा आयोजित ''प्राकृतिक पोलीमर्स और ए.पी.–टैक 2012 में उनके संशोधन–आधुनिक कृषि के लिए प्रौद्योगिकियों पर ध्यानकेन्द्रित करते हुए सम्मेलन एवं प्रदर्शनी''

श्री संजय देवरी

- 24 सितंबर, 2011 को एनईसी सचिवालय, शिलांग में, मुख्य इंजीनियर, शिलांग जोन, मिलिट्री इंजीनियर सविसेज, शिलांग द्वारा आयोजित, ''उत्तरपूर्व में उन्नत पर्यवास के लिए मॉडल संकल्पनाएं'' विषय पर हुई संगोष्ठी में ''सुनम्य पटरी निर्माण में आशोधित बाइंडरों के इस्तेमाल पर भारतीय अनुभव''।

दीपांका दत्ता और दीपक कुमार दत्ता

- 20–21 मई, 2011 के दौरान, बहोना कालेज, जोरहट में बहोना कालेज, जोरहाट द्वारा आयोजित, नानोविज्ञान और प्रौद्योगिकी में आधुनिक प्रवृत्तियां (आरईटीएमएटी, 2011) में आशोधित मोंटमोरीलोनाइट क्ले और उनके गुणों पर सीयू ^{0}–नेनोपार्टिकल्स का इन–सिटू उत्पादन''।

दिपुल कलिता, दीपांका दत्ता और त्रिदीप गोस्वामी

- 3–7 जनवरी, 2012 के दौरान, केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, भारतीय विज्ञान सम्मेलन द्वारा आयोजित, 99वें भारतीय विज्ञान सम्मेलन में ''पूर्वोत्तर भारत में उपलब्ध केले के पौधे से निष्कर्षित तंतुओं के भौतिक रासायनिक संव्यवहार पर अध्ययन''।

पल्लव सैकिया, दिपुल कलिता, दीपांका दत्ता, जे.जे. बोरा और त्रिदीप गोस्वामी

- 3–7 जनवरी, 2012 के दौरान, केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, भारतीय विज्ञान सम्मेलन द्वारा आयोजित, 99वें भारतीय विज्ञान सम्मेलन, 2012 में ''जूट–पोलीथीलिन अपशिष्ट संयुक्त बोर्ड की गुणवत्ता पर जूट तंतु के रासायनिक संव्यवहार का प्रभाव''।

हिमाद्री दास, पी.के. दास, दीपांका दत्ता, दिपुल कलिता और त्रिदीप गोस्वामी

- 16 मार्च, 2012 को गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम विज्ञान सोसाइटी द्वारा आयोजित, असम विज्ञान सोसाइटी के 57वें तकनीकी संव्यवहारों द्वारा जूट तंतु के गुणों का आशोधन''।

पल्लव सैकिया, पुष्पा कुमारी दास, दीपांका दत्ता, दिपुल कलिता, जे.जे. बोरा और त्रिदीप गोस्वामी

- 16 मार्च, 2012 को गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम विज्ञान सोसाइटी द्वारा आयोजित, असम विज्ञान सोसाइटी के 57वें तकनीकी सत्र में ''बांस (बबूसा तल्डा रोक्सब) के गुणों पर रासायनिक संव्यवहार के प्रभाव पर अध्ययन''।

बी.जे. बोरा और डी.के. दत्ता

- 20–21 मई, 2011 के दौरान, रसायनशास्त्र और भौतिक विज्ञान विभाग, बहोना कालेज, जोरहाट द्वारा आयोजित नानोविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (आरईटीएनएटी–2011) में वर्तमान प्रवृत्तियों पर राष्ट्रीय कार्यशाला में ''आशोधित मोंटमोरीलोनाइट में पीडीओ नानोपार्टिकल्स के इन–सिटू स्थायीकरण और नानोपोर्स का सृजन''।

डी.दत्ता और डी.के. दत्ता

- 20–21 मई, 2011 के दौरान, रसायनशास्त्र और भौतिक विज्ञान विभाग, बहोना कालेज, जोरहाट द्वारा आयोजित नानोविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (आरईटीएनएटी–2011) में वर्तमान प्रवृत्तियों पर राष्ट्रीय कार्यशाला में ''समर्थित आरयूओ–नानोपार्टिकल्स : एल्कोहल के प्रति कार्बोनिल समूह के प्रभावीकरण के लिए एक दक्ष उत्प्रेरक''।

बी. देव, के. सैकिया और डी.के. दत्ता

- 17–20 अक्तूबर, 2011 के दौरान, भारतीय पर्यवास केन्द्र, नई दिल्ली में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर द्वारा आयोजित, समन्वय रसायनशास्त्र पर तीसरे एशियाई सम्मेलन में, ''चल्कोगन फंकशनालाइज्ड फोस्फीन डोनर लीजैंड्स की रहोडियम (1) कार्बोनिल जटिलताएं : मीथानोल के उत्प्रेरक कार्बोनीलेशन में प्रभाव''।

बी.जे. शर्मा और डी.के. दत्ता

- 11–12 नवंबर, 2011 के दौरान, तेजपुर विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित रसायनशास्त्र पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''ए–एमीनो एसिड इस्टर लीजैड्स की रहोडियम कार्बोनिल जटिलताएं : एल्किल हैलाइड के प्रति संयोजन गुण और प्रतिक्रियात्मकता''।

पी.पी. सरमा और डी.के. दत्ता

- 8–9 दिसंबर, 2011 के दौरान, जेएनसीएसआर, बंगलौर में, जेएनसीएसआर बंगलौर द्वारा आयोजित, 4–बंगलौर नानो, बंगलौर में ''मोंटमोरीलोनाइट क्ले पर स्थायीकृत आरयूओ–नानोपार्टीकल्स : एक दक्ष अंतरण हाइड्रोजनरेशन उत्प्रेरक''।

बी.जे. बोरा, पी.पी. सरमा और डी.के. दत्ता

- 8–10 दिसंबर, 2011 के दौरान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी द्वारा आयोजित अग्रवर्ती नानो सामग्रियों और नानो प्रौद्योगिकी (आईसीएएनएन–2011) पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''आशोधित मोंटमोरीलोनाइट में पीडीओ–नानोपार्टिकल्स का सृजन और इन–सिटू स्थायीकरण''।

पी.पी. सरमा और डी.के. दत्ता

- 11–13 दिसंबर, 2011 के दौरान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास द्वारा आयोजित, उत्प्रेरण में सामग्रियों की भूमिका पर 15वीं राष्ट्रीय कार्यशाला में ''आशोधित मोटमोरीलोनाइट क्ले में समर्थित आरयूओ–नानोपार्टीकल्स और इसकी उत्प्रेरक अंतरण हाइड्रोजनेशन प्रतिक्रिया''।

के. सैकिया और डी.के. दत्ता

- 28–30 जनवरी, 2012 के दौरान, आईएएसएसटी, गुवाहाटी में आईएएसएसटी, गुवाहाटी द्वारा आयोजित, 18वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (पोस्ट आईएससीबीसी–2012)–रसायन और जीव–विज्ञान में परिदृश्य और चुनौतियां : अभिनव क्रासरोड्स में ''पीपी और पीएस प्रकार के बिडेंटेट लीजंड्स की पालिडियम जटिलताएं : सुजुकी–मियोरा क्रास–कपलिंग प्रतिक्रिया के प्रति संयोजन, गुण और उत्प्रेरक कियाकलाप''।

एम. मिश्रा, सी.आर. भट्टाचार्जी और आर.एल. गोस्वामी

- 20–21 जनवरी, 2012 के दौरान, डीकेडी कालेज, डेरगांव में डीकेडी कालेज के भौतिकशास्त्र और रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित, प्राकृतिक विज्ञानों में आधुनिक प्रगतियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''विभिन्न एलडीएच मिश्रणों में मोंटमोरीलोनाइट–एलडीएच हीटरोकोगुआलाइट्स का प्रवाह संव्यवहार अध्ययन''।

एम.मिश्र,सी.आर. भट्टाचार्जी और आर.एल. गोस्वामी

- 28–30 जनवरी, 2012 के दौरान आईएएसएसटी गुवाहाटी में आईएएसएसटी गुवाहाटी द्वारा आयोजित, 18वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (पोस्ट आईएससीबीसी–2012) : रासायनिक और जीव–वैज्ञानिक विज्ञानों में परिदृश्य और चुनौतियां : अभिनव क्वासरोड्स में ''सोल–जैल रूट द्वारा तैयार किए गए सिलिका समर्थित एम.जी.–ए.आईएलडीएच का अध्ययन''।

एस.सी. बरूआ, एम.आर.दास और पी.सेन गुप्ता

- 20–22 अक्तूबर, 2011 के दौरान, उदयपुर में आयोजित खनिज प्रक्करण प्रौद्योगिकी, एनटीपी–2011 पर XIIवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''अरूणाचल प्रदेश के कुछ ग्रेफाइट निक्षेपों का एसईएम–ईडी एक्स लक्षण–वर्णन''।

एस.सी. बरूआ, आर. शर्मा, एम.आर.दास और पी.सेन गुप्ता

- 28–30 जनवरी, 2012 के दौरान आईएएसएसटी गुवाहाटी में आईएएसएसटी गुवाहाटी द्वारा आयोजित, 18वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (पोस्ट आईएससीबीसी–2012) : रासायनिक और जीव–वैज्ञानिक विज्ञानों में परिदृश्य और चुनौतियां : अभिनव क्वासरोड्स में ''मेटल–ग्रेफीन आक्साइड मिश्रण सामग्रियां और सूक्ष्मजैविकी प्रतिरोधी क्रियाकलापों में इसकी भूमिका''।

एल. सैकिया, एन.पी.दास और डी.के. दत्ता

- 10–12 नवंबर, 2011 के दौरान, तेजपुर विश्वविद्यालय में रासायनिक विज्ञान विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर द्वारा आयोजित, रसायनशास्त्र, रासायनिक प्रौद्योगिकी और समाज पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीसीसीटीएस–।।) में मेटल चिफ आधार जटिलताओं के सूक्ष्मजीव विज्ञान संबंधी क्रियाकलाप और संयोजन लक्षण–वर्णन''।

एस.राजखोवा, एम. बोरा और एस. मोहीउद्दीन

- 2–4 नवंबर, 2011 के दौरान, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक में महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के रसायनशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित, रासायनिक और सूक्ष्मजीव–विज्ञान वैज्ञानिक विज्ञानों के थर्मोडायनमिक्स पर छठें राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीटीसीबीएस–2011) में ''एल्यूमीना और हर्मेटाइट–बफर सस्पेंशन की प्री एच भिन्नता : पीएच पर विशिष्ट आयन प्रभाव''।

सी.तमूली, एम. हजारिका, एस.सी. बोरा और एम.आर. दास

- 3–4 मार्च, 2012 के दौरान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना के रसायनशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित, रासायनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी में वर्तमान प्रवृत्तियों पर राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी में ''पाइपर पेडीसेलाटम सी.डी.सी. का इस्तेमाल करके एजी और एयू नानोपार्टिकल्स का संयोजन : एक हरित रसायनशास्त्र दृष्टिकोण''।

एस.सी. बोरा और एम.आर. दास

- 24–25 फरवरी, 2012 के दौरान, गुवाहाटी विश्वविद्यालय में गुवाहाटी विश्वविद्यालय के रसायन–विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित, रसायनशास्त्र शिक्षा एवं अनुसंधान के वर्तमान पहलुओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''ग्रेफीन नानोशीट्स पर मेटल नानोपार्टिकल्स का माइक्रोवेव समर्थित हरित संयोजन''।

एस.सी. बोरा, पी.शर्मा,एम.आर. दास और पी.सेनगुप्ता

- 13–16 मार्च, 2012 के दौरान, दिल्ली विश्वविद्यालय में, दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान एवं एस्ट्रो भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित, नानोसंरचित सेरामिक्स एवं अन्य नानो सामग्रियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशाला (आईसीडब्ल्यूएनसीएन) में ''ग्रेफीन ऑक्साइड शीटों पर एजी और एयू नानोपार्टिकल्स के संयोजन के लिए समाधान रसायनशास्त्र दृष्टिकोण''।

डॉ. अमृत गोस्वामी

- 03–07 दिसंबर, 2011 के दौरान इलाहाबाद विश्वविद्यालय में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के रसायनशास्त्र विभाग और भारतीय रासायनिक सोसाइटी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, रसायनशास्त्र के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के समारोह और कैमिस्टों के 48वें वार्षिक सम्मेलन–2011 में ''सिलिका समर्थित पोटाशियम हाइड्रोजन सल्फेट की मौजूदगी में विलायक के बिना न्यूक्लीपोफाइल्स द्वारा एपआक्साइड्स की रेडियोसेलेक्टिव रिंग ओपनिंग''।
- आईएएसएसटी, गुवाहाटी के दौरान, कैमिस्टों और जीव–विज्ञानियों की सोसाइटी और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अग्रवर्ती अध्ययन संस्थान, गुवाहाटी द्वारा आयोजित, 18वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (पोस्ट : आईएससीबीसी–2012), रासायनिक एवं जैव–वैज्ञानिक विज्ञानों में परिदृश्य और चुनौतियां : अभिनव क्रासरोड में ''मूल्य वृद्धित उत्पादों के चिराल संयोजन में जीव–उत्प्रेरक का रणनीतिक प्रयोग''।

दास, एन. भूयान, एम. चौधरी, आर. भट्टाचार्य, पी.आर.

- 15–16 दिसंबर, 2011 के दौरान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी द्वारा आयोजित, युवा पारिस्थितिकीविद् चर्चा और विचार–विमर्श में ''साक्वी खो जल विभाजक की बटरफ्लाई विविधता–जल विभाजक विविधता का मूल्यांकन करने के लिए एक दृष्टिकोण''।

दुराह, ए.जे., रक्षित, के भुयान, एम. भट्टाचार्य, पीआर

- 15–16 दिसंबर, 2011 के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी द्वारा आयोजित युवा पारिस्थितिकीविद चर्चा और विचार–विमर्श में ''चाय पारिस्थितिकीविद् चर्चा और विचार–विमर्श में ''चाय पारिस्थितिकी प्रणाली और चाय–मच्छर कीट हेलोपेल्टीस थेवारा का आयतन–जैविक और अजैविक चाय वृक्षारोपण में अध्ययन।

एम.पी. बोरठाकुर, डी. शर्मा, जे. हजारिका और एस सी नाथ

- 22–24 नवंबर, 2011 के दौरान, टोकलाई प्रायोगिक स्टेशन, टीआरए, जोरहाट असम द्वारा आयोजित विश्व चाय विज्ञान सम्मेलन में ''चाय वृक्षारोपण के लिए फसल विविधीकरण : विशिष्ट वर्ग कृषक के व्यापक गुणन के लिए नवीन दृष्टिकोण''।

डॉ. ए.के. बोर्दोलाई

- 11–12 नवंबर, 2011 के दौरान विश्वनाथ चारीआली में बी.एन. कृषि विद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मशरूम, पूर्वोत्तर भारत का एक संभावित जीव–संसाधन और स्थायी ग्रामीण विकास के लिए उसकी खेती''।
- 6–7 दिसंबर, 2011 के दौरान, डी के डी कालेज, डेरगांव द्वारा आयोजित, राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''मेघालय की खासी और जयंती पहाड़ियों से खाद्य मशरूम के जंगली स्रोत''।

ज्यंता ज्योति बोरा, प्रधान वैज्ञानिक

- 27–28 मार्च, 2012 के दौरान, प्रधानाचार्य, देवीचरण बालिका विद्यालय द्वारा आयोजित, ''ठोस अपशिष्ट : समस्या और प्रबंधन'' विषय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में ''जोरहाट जैसे छोटे शहरी क्षेत्रों में समस्या से निपटन के लिए एसएसडब्ल्यूएम और प्रौद्योगिकी विकल्प''।

डॉ. बी.पी. बरूआ

- 20–22 अक्तूबर, 2011 के दौरान, भारतीय खनिज इंजीनियरी संस्थान, उदयपुर, भारत में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा आयोजित, खनिज प्रोसेसिंग प्रौद्योगिकी (एमपीटी–2011) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''पूर्वोत्तर कोयले में सल्फर साइकल''।
- 28–30 जनवरी, 2012 के दौरान, गुवाहाटी, असम में, आईएएसएसटी और आईएससीबी द्वारा आयोजित, रासायनिक और जीव–वैज्ञानिक विज्ञानों में परिदृश्य और चुनौतियां विषय पर हुए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''पूर्वोत्तर क्षेत्र भारत में कोयला आधारित

उद्योग : उत्सर्जन गुणों का अध्ययन' और ''पूर्वोत्तर क्षेत्र के कोयले के ज्वलन तापमान पर अध्ययन : एक थर्मोग्रेवेमेटिक दृष्टिकोण''।

डॉ. पूजा खरे

- 20–22 अक्तूबर, 2011 के दौरान, उदयपुर, भारत में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड, भारतीय खनिज इंजीनियर्स संस्थान द्वारा आयोजित, खनिज प्रोसेसिंग प्रौद्योगिकी (एमटीपी–2011) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''पेरहाइड्रोज भारतीय कोयले में पोलीएरोमेटिक हाइड्रोकार्बन्स (पीएएच)''।

डॉ. बी.के. सैकिया

- 2–5 फरवरी, 2012 के दौरान सीएसआईआर–एनआईआईएसटी, त्रिवेन्द्रम, भारत में हुई, सीएसआईआर–एमआईआईएसटी द्वारा आयोजित, रसायनशास्त्र पर राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी में ''सीसीएसईएम तकनीक द्वारा असम के कोयले में कुछ अजैविक घटकों का सूक्ष्म विश्लेषण''।

चंदन तमूले

- 11–12 नवंबर, 2011 के दौरान, रसायन विज्ञान विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''रसायनशास्त्र, रासायनिक प्रौद्योगिक और समाज'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''पूर्वोत्तर भारत से जेंथऑक्सीलम ऑक्सीफीलियम एडगेव के रासायनिक मिश्रण, खनिज संघटक और एंटीऑक्सीडेंट क्रियाकलाप''।

मौशुमी हजारिका

- 11–12 नवंबर, 2011 के दौरान, रसायन–विज्ञान विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, ''रसायनशास्त्र, रासायनिक प्रौद्योगिकी और समाज'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में'' पाइपर वाल्लिची (मिक) हैंड–माज के एंटीऑक्सीडेंट क्रियाकलापों और खनिज संघटकों का मूल्यांकन''।

एम.एम. सरमा और डी. प्रजापति

- 20–21 मार्च, 2012 के दौरान, मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल में एनसीएफसीएस–2012 द्वारा आयोजित ''रासायनिक विज्ञानों में अग्रणी विषयों पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीएफसीएस–2012) में ''साइक्लोएडीशन रणनीति पर आधारित, जीव–विज्ञान के महत्व की नवीन पीरीमीडाइन व्युत्पत्तियों का संयोजन''।

वाई. दोम्माराजू और डी. प्रजापति

- 2–5 फरवरी, 2012 के दौरान, एनआईआईएसटी, त्रिवेन्द्रम में एनआईआईएसटी और आईआईएसईआर त्रिवेन्द्रम द्वारा आयोजित, रसायनशास्त्र में 14वीं राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी (एनएससी–14, सीआरएसआई) में ''नवीन पीरानोनाफथो–कूनेन का एक दक्ष वन पोट चार संघटक विश्लेषण''।

एम.एम. सरमा और डी.प्रजापति

- 28–30 जनवरी, 2012 के दौरान, आईएएसएसटी, गुवाहाटी में भारतीय कैमिस्ट एवं जीव–विज्ञानी सोसाइटी, लखनऊ द्वारा आयोजित, 18वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (पोस्ट–आईएससीबीसी–2012) में ''एक्वेयस मीडिया में पीरानो (3, 2–सी) कुमरीन व्युत्पत्तियों का एक दक्ष एवं हरित संयोजन''।

एन. राजेश और डी. प्रजापति

- 28–30 जनवरी, 2012 के दौरान, आईएएसएसटी, गुवाहाटी में भारतीय कैमिस्ट एवं जीज्ञानी सोसाइटी, लखनऊ द्वारा आयोजित,

18वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (पोस्ट–आईएससीबीसी–2012) में ''टर्मिनल एल्कीन्स के एक इंडियम उत्प्रेरित टेंडम हाइड्रोएमीनेशन/हाइड्रोएल्कीलेशन के जरिए कंजुगेटेड केटीमाइन्स को एक नया मार्ग''।

एम.एम. सरमा और डी. प्रजापति

- 11–12 नवंबर, 2011 के दौरान, तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रसायनशास्त्र, रासायनिक प्रौद्योगिकी और समाज विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''माइक्रोवेव सहायता प्रदत्त बहुविध संघटक प्रतिक्रिया रणनीति के जरिए पीरीडो (2, 3–डी) पीरीमीडाइन व्युत्पत्तियों का दक्ष विश्लेषण''।

वाई. दोम्माराजू और डी. प्रजापति

- 11–12 नवंबर, 2011 के दौरान, तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रसायनशास्त्र, रासायनिक प्रौद्योगिकी और समाज विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''मन्नीच प्रकार की प्रतिक्रिया और इसके पश्चात् साइक्लीजेशन के जरिए कमरे के तापमान पर पीईजी में पीरीडी (2, 3–डी) पीरीमीडाइन व्युत्पत्तियों का संयोजन''।

एम. दत्ता और आर.सी. बोरूआ

- 28–30 जनवरी, 2012 के दौरान, आईएसएसटी, गुवाहाटी में भारतीय कैमिस्ट एवं जीव–विज्ञानी सोसाइटी, लखनऊ द्वारा आयोजित, 18वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएससीबीसी–2012) में 'स्टेरोयडल डिहाइड्रोपीरीमीडाइन्स का अल्ट्रा साउंड मीडिएटेड वन–पोट संयोजन''।

जे. गोस्वामी, पी. बेजबरूआ, आर.सी. बोरूआ

- 28–30 जनवरी, 2012 के दौरान, आईएसएसटी, गुवाहाटी में भारतीय कैमिस्ट एवं जीव–विज्ञानी सोसाइटी, लखनऊ द्वारा आयोजित, 18वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएससीबीसी–2012) में ''जीव– वैज्ञानिक रूप से संभव डी–रिंग फ्यूज्ड हीटरोस्टेरोयड्स का एक सुसाध्य संयोजन''।

एस. गोगाई, आर.सी. बोरूआ

- 28–30 जनवरी, 2012 के दौरान, आईएसएसटी, गुवाहाटी में भारतीय कैमिस्ट एवं जीव–विज्ञानी सोसाइटी, लखनऊ द्वारा आयोजित, 18वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएससीबीसी–2012) में ''3–एल्काइल–टेटराजोलो (1, 5–ए) पीरीडाइन्स का माइक्रोवेव सहायताप्राप्त विलायक मुक्त संयोजन''।

के. शेकरराव, आर.सी. बोरूआ

- 21–24 जनवरी, 2012 के दौरान, शोलापुर विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र में भारतीय कैमिस्ट एवं जीव–विज्ञानी सोसाइटी लखनऊ द्वारा आयोजित, 17वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''ए/बी–रिंग फ्यूज्ड स्टेरोयडल टेटराजोल्स की एक अभिनव श्रेणी का एक सुविधाजनक संयोजन''।

पी. सैकिया, आर.सी. बोरूआ

- 21–24 जनवरी, 2012 के दौरान, शोलापुर विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र में भारतीय कैमिस्ट एवं जीव–विज्ञानी सोसाइटी लखनऊ द्वारा आयोजित, 17वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''कुछ ए–रिंग एनेलेटेड स्टेरोयडल ट्रियाजोले व्युत्पत्तियों के संयोजन के लिए एक अभिनव दृष्टिकोण''।

श्री स्वरूप मजूमदार और डॉ. पुलक जे. भुयान

- 21–24 जनवरी, 2012 के दौरान, शोलापुर विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र में भारतीय कैमिस्ट एवं जीव–विज्ञानी सोसाइटी लखनऊ द्वारा

आयोजित ''रासायनिक और जीव–वैज्ञानिक विज्ञानों में क्षितिजों का विस्तार करना : अभिनव क्रासरोड्स विषय पर 17वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएससीबीसी–2012)'' में ''तीन–संघटक वन पोट प्रतिक्रिया के जरिए पीरीमीडो (4–5–बी) इंडोले व्युत्पत्तियों के संयोजन के लिए एक अत्यधिक दक्ष और हरित पद्धति''।

कु. पल्लबी बोरूआ और डॉ. पुलक जे.भुयान

- 11–12 नवंबर, 2011 के दौरान, तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''रसायनशास्त्र, रासायनिक प्रौद्योगिकी और समाज'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''अंतरा–आणविक 1, 3 डिपोलर साइक्लोएडीशन प्रतिक्रियाओं के जरिए 4 हाइड्रोक्सी कुमारिन से अभिनव एन्नेलेटड कुमारिन्स का संयोजन''।

श्री पी. सीथम नायडू और डॉ. पुलक जे. भुयान

- 11–12 नवंबर, 2011 के दौरान, तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''रसायनशास्त्र, रासायनिक प्रौद्योगिकी और समाज'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''माइक्रोवेव सहायता प्राप्त विलायक मुक्त प्रतिक्रिया : 2, 2–डी–। (6–ब्रोमो–3–इंडोनिल) इथिलामाइन का समग्र संयोजन''।

एल. बोरा

- 16 मार्च, 2011 को गुवाहाटी विश्वविद्यालय में हुए, असम विज्ञान द्वारा आयोजित, असम विज्ञान सोसाइटी के 57वें वार्षिक तकनीकी सत्र में ''एक प्रत्यक्ष टाइट्रेशन पद्धति द्वारा कुछ स्टेरोयड्स का आंकलन''।

के. राधाप्यारी, ए.के. हजारिका और आर. खान

- 2–3 मार्च, 2012 के दौरान, डी.ए.वी. कालेज, जालंधर, पंजाब में हुई, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग–एस.ए.पी. (डीआरएसआईआई) द्वारा आयोजित, पोलीमर विज्ञान के अग्रणी क्षेत्र में ''कैंसर प्रतिरोध औषध टामोक्सीफन का पता लगाने के लिए पोलीयानीलाइन फिल्म आशोधित होर्सरेडिश पेरोक्सीडेस करने पर आधारित एम्पेरोमेटिक बायो सेंसर''।

के. राधाप्यारी और आर.खान

- 18–19 नवंबर, 2011 के दौरान, रसायनशास्त्र विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में हुई विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा आयोजित, ऊर्जा एवं पर्यावरण में अनुप्रयोगों में ''1 जी जी एंटीबॉडी के साथ आशोधित पोलीपानीलाइन खोज पर आधारित, पर्यावरणीय विषैले एफलेटाक्सिन बी–1 के लिए एम्पेरोमेटिक बायो सेंसर''।

ए. गोगाई और आर.के. बोरूआ

- 02–03 मार्च, 2012 के दौरान गुवाहाटी विश्वविद्यालय में हुए, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग– गुवाहाटी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''भौतिकशास्त्र के संघनित मामले'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में'' अणुओं के एक्सरे रेडियल वितरण कार्यों का इस्तेमाल करके विखनिजीकृत टायरेप कोयले का संयोजन''।

डी. खरघुरिया कलिता और आर.के. बरूआ

- 3–7 जनवरी, 2012 के दौरान, केआईआईटी, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित, पर्यावरणीय विज्ञानों पर 99वें भारतीय विज्ञान सम्मेलन, 2012, में ''असम कोयले का पेट्रोग्राफिक अध्ययन : एक एक्सरे स्कैटरिंग विश्लेषण''।

के. रामप्यारी

- 24–26 अगस्त, 2011 के दौरान, गुवाहाटी विश्वविद्यालय में हुई, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम, डीएसटी, नई दिल्ली और नागालैंड विश्वविद्यालय, नागालैंड द्वारा आयोजित ''वैज्ञानिक अनुसंधान में महिलाएं–चुनौतियों की जांच करना और उनकी

आवश्यकताओं का पता लगाना'' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला में ''भारत में महिला वैज्ञानिक : चुनौतियों और उसकी रणनीतियां''।

पी.जे. सैकिया और एस.डी. बरूआ

- 3–7 जनवरी, 2012 के दौरान, कलिंग औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान (केआईआईटी) विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, भारत द्वारा आयोजित, 99 भारतीय विज्ञान सम्मेलन, 2012 में ''एन–डोकोसाइल एक्रीलेट का आइरन मेडिएटेड रिवर्स एटीआरपी''।

पी.के. सैकिया और एस.डी. बरूआ

- 16–17 दिसंबर, 2011 के दौरान महाराजा सायाजी राव बडौदा विश्वविद्यालय, बडोदरा में हुए, महाराजा सायाजीराव बड़ौदा विश्वविद्यालय, वडोदरा द्वारा आयोजित ''पोलीमर विज्ञान और नानो–प्रौद्योगिकी : डिजाइन और संरचना में हुई प्रगतियां'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''एफई (III) $_{2, 2}$ – बाइपीराइडीन उत्प्रेरित एटीआरपी का मेकेनिस्टिक पहलू और एन–एल्किल (मेथ) एक्रीलेट्स का रिवर्स एटीआरपी''।

डॉ. सौरभ बरूआ*

- ''इंट्राप्लेट सीस्मोसिटी'' विषय पर भारत–यूएस कार्यशाला में ''उत्तरवर्ती सिस्मीक एनीसोट्राफी और रिसीवर फंक्शन विश्लेषण के साथ शिलांग मिकिट पठार का एक जटिल टैक्टानिक मॉडल, पूर्वोत्तर भारत : बेल्फार्म इनवर्जन, बहुविध इनवर्स पद्धति, स्ट्रैस टैंसर इनवर्जन के जरिए अनुमान लगाया गया ।
- 15–18 जनवरी, 2012 के दौरान, भारत–अमरीका विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंच (यूएसएसटीएफ), नई दिल्ली और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, गुजरात राज्य सरकार, भूकंपीय विज्ञान अनुसंधान संस्थान, गांधीनगर द्वारा आयोजित।
- 12–14 सितंबर, 2011 के दौरान, भारत पर्यवास केंद्र, लोधी रोड, नई दिल्ली में आयोजित, ''भू–खतरों पर भारत–नार्वे कार्यशाला में, प्रवर्धन कारकों के मानचित्रण द्वारा समर्थित, वृहत्तर गुवाहाटी शहर, पूर्वोत्तर भारत में अधिकतम विश्वासयोग्य भूकंप और ''प्रत्यावर्तित तथा रूपांतरित तरंगों से अनुमानित भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में शिलांग–मिकिर पहाड़ी पठार में मोहो गहन भिन्नता''।
- 21–22 अक्तूबर, 2011 के दौरान, वाडिया हिमालियन भूगर्भ–विज्ञान संस्थान, देहरादून द्वारा आयोजित, भूकंप पूर्वानुमान पर भारत द्वीपीय कार्यशाला में ''भूकंप और पूर्वानुमान : एक मॉडल विकास''।

कु. सुमना गोस्वामी

- 2–5 नवंबर, 2011 और 3–7 जनवरी, 2012 के दौरान, केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में हुए, 99वें भारतीय विज्ञान सम्मेलन और वाडिया हिमालयन भूगर्भ विज्ञान संस्थान, देहरादून द्वारा आयोजित, भारतीय मानसून और हिमालय की भू–गतिकियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''2004 के वृहत्तर एम. डब्ल्यू 9.1 सुमात्रा–अंडमान भूकंप और इसके कायनेटिक प्रभावों के कारण दरार वाले क्षेत्र के साथ–साथ भूकंपीय परिदृश्य–पूर्व और पश्चात् के अंतर्गत तनाव की स्थिति''।

संगीता शर्मा

- 15–16 मार्च, 2012 के दौरान डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और सीएसआईआर द्वारा प्रायोजित, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, अवसादी बेसिन अध्ययन में बहु–आयामी दृष्टिकोण विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''एचप्पेन के बैल्ट, पूर्वोत्तर भारत के माध्यम से प्रवाहित हो रही कुछ नदियों के प्रवाह की लंबाई के ग्रेडिएंट इंडेक्स के जरिए नदियों की विषमता का अध्ययन''।

डॉ. आर.के. मृणालिनी देवी

- 15–16 मार्च, 2012 के दौरान डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और सीएसआईआर द्वारा प्रायोजित, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, अवसादी बेसिन अध्ययन में बहु–आयामी दृष्टिकोण विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''पूर्वी सिंटैक्सीयल बैंड, भारत के अग्रवर्ती कछार क्षेत्र के साडिया–चप्पाखावा क्षेत्र में कुंडिल नदी के भाग के आसपास मोर्फोटैक्टानिक और पालेओसीस्मीसिटी''।

डॉ. एन.सी. बरूआ

- 28–30 जनवरी, 2012 के दौरान, आईएसएसटी, गुवाहाटी में भारतीय कैमिस्ट एवं जीव–विज्ञानी सोसाइटी, लखनऊ द्वारा आयोजित, 18वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएससीबीसी–2012) में ''पूर्वोत्तर संसाधनों से हर्बल औषध विकास'' ।

डॉ. ए.एम. दास

- 28–30 जनवरी, 2012 के दौरान, आईएसएसटी, गुवाहाटी में भारतीय कैमिस्ट एवं जीव–विज्ञानी सोसाइटी, लखनऊ द्वारा आयोजित, 18वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएससीबीसी–2012) में ''बायोडिग्रेडेबल प्रोटीन त्तुओं संघटक : ग्राफ्ट कोपोलाइमेराइजेशन के जरिए आशोधन''।

बिश्वजीत सैकिया, नवीन सी. बरूआ

- 11–12 नवंबर, 2011 के दौरान, तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''रसायनशास्त्र, रासायनिक प्रौद्योगिकी और समाज'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''क्लिक रसायनशास्त्र वाले सशक्त कैंसर प्रतिरोधी क्रियाकलाप के साथ आर्टेमिसीनिन डिम्मर्स की एक अभिनव श्रृंखला का संयोजन''।

थोंगम जयमति देवी, नवीन सी. बरूआ*

- 11–12 नवंबर, 2011 के दौरान, तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''रसायनशास्त्र, रासायनिक प्रौद्योगिकी और समाज'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''शार्पलैस एसीमेट्रिक इयोक्सीडेशन का इस्तेमाल करके, चेन आशोधित व्युत्पत्तियों और फीटोसफींजोसीनस का स्टेरियोसेलेक्टिव संयोजन''।

बिश्वजीत सैकिया, नवीन सी. बरूआ*

- ''17वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएससीबीसी–2012)'' में द्वारा 21–24 जनवरी, 2012 के दौरान, शोलापुर विश्वविद्यालय, शोलापुर में आयोजित ''एक ट्रिहाइड्रोक्सी ऑक्सीलीपिन का समग्र संयोजन और इसकी नितांत आकृति का निर्धारण'' हुआ।

बिश्वजीत सैकिया, नवीन च. बरूआ*

- 2–5 फरवरी, 2012 के दौरान, तिरूअनंतपुरम, केरल में हुई और सीएसआईआर–एनआईआईएसटी और आईआईएसईआर–टीवीलएम, तिरूअनंतपुरम द्वारा आयोजित, रसायनशास्त्र में 14वीं विचार–गोष्ठी (एनएससी–14) में और रसायन शास्त्र में छठी सीआरएसआई–आरएससी विचार गोष्ठी में ''एक नई निकाली गई सी–13 आर्टेमिसीनिन एक्जाइड का इस्तेमाल करके निकाली गई कारबा मोनोमेर्स और डिमर्स आर्टेमिसीनिन का संयोजन''।

वस्कर राजखोबा

- 31.03.2012 को, ग्रामीण विकास अध्ययन केंद्र, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, गारगांव कालेज गारगांव, शिबसागर, असम के अकादमिक सहयोग से गांधियन अध्ययन केंद्र, गारगांव कालेज, गारगांव, शिबसागर, असम द्वारा आयोजित, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग प्रायोजित, राष्ट्रीय स्तरीय संगोष्ठी द्वारा आयोजित पूर्वोत्तर क्षेत्र में ग्रामीण विकास में ''ग्रामीण विकास, मानव आवश्यकताएं और प्रसन्नता इंडेक्स – एक संकेतक''।

ए. बेगम, ए. गोस्वामी, पी.के. गोस्वामी और पी.के. चौधरी

- 4–6 नवंबर, 2011 के दौरान, दयालबाग शैक्षिक संस्थान, दयालबाग, आगरा में आयोजित फीटोपोटेंशिघल्स का रसायनशास्त्र : स्वास्थ्य, ऊर्जा और पर्यावरण परिदृश्य (सीपीएचईई–2011) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''पूर्वोत्तर भारत के चावल की कुछ परंपरागत किस्मों से पोलीफीनोलिक्स के निष्कर्षण के लिए एक दक्ष पद्धति''।

ए. गोस्वामी, पी.के. गोस्वामी, पी.के. चौधरी, डी. सेनगुप्ता, डी.पी. कुमार और एस. वैंकटेश

- 15–17 मार्च, 2012 के दौरान, होटल ललित अशोक, बंगलौर में हुए 7वें नुत्रा इंउिरूा सम्मेलन में ''खाद्य प्रोसेसिंग उप–उत्पादों से उच्च पौष्टिक गुणों वाले नए भोजन और फीड के लिए प्राकृतिक संघटकों की स्थायी प्रतिप्राप्ति के लिए समेकित संलेख''।

डॉ. (श्रीमती) आराधना गोस्वामी

- 15–17 मार्च, 2012 के दौरान, होटल ललित अशोक, बंगलौर में हुए 7वें नुत्रा इंउिरूा सम्मेलन में ''खाद्य प्रोसेसिंग उप–उत्पादों से उच्च पौष्टिक गुणों वाले नए भोजन और फीड के लिए प्राकृतिक संघटकों की स्थायी प्रतिप्राप्ति के लिए समेकित संलेख''।

आसमां बेगम

- 4–6 नवंबर, 2011 के दौरान, दयालबाग शैक्षिक संस्थान, दयालबाग, आगरा में हुए फीटोपोटंशियल्स, स्वास्थ्य, ऊर्जा और पर्यावरणीय परिदृश्यों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''पूर्वोत्तर भारत के चावल की कुछ परंपरागत किस्मों से पोलीफीनोलिक्स के निष्कर्षण के लिए दक्ष पद्धति''।
- 14–16 नवंबर, 2011 के दौरान तेजपुर विश्वविद्यालय में हुई, मानव स्वास्थ्य पर भोजन में बायोएक्टिव संघटकों की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (बायोफूड–2011) में ''पूर्वोत्तर भारत के चावल की विभिन्न पांच परंपरागत किस्मों से ब्रान में खनिज अंतर्वस्तु का अनुमान''।

पिंकी मोनी भुयान

- 14–16 नवंबर, 2011 के दौरान तेजपुर विश्वविद्यालय में हुई, मानव स्वास्थ्य पर भोजन में बायोएक्टिव संघटकों की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (बायोफूड–2011) में ''भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के चावल ब्रान से प्रोटीन का अनुमान और निष्कर्षण''।

मोंटू मोनी बोरा

- 14–16 नवंबर, 2011 के दौरान तेजपुर विश्वविद्यालय में हुई, मानव स्वास्थ्य पर भोजन में बायोएक्टिव संघटकों की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (बायोफूड–2011) में ''कार्यात्मक भोजन के एक संभावित स्रोत के रूप में स्थायीकृत चावल ब्रान''।

रेशिता बरूआ

- 20–22 अक्तूबर, 2011 के दौरान काटन कालेज, गुवाहाटी में हुई मानव आहार और जीव संसाधनों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''समेकित जीव प्रौद्योगिकीय साधनों के जरिए चावल विषय पर बढ़ोतरी और रोग नियंत्रण के सुधार में छद्म इकाइयों की संभावना''।

मैना बोरा

- 20–22 अक्तूबर, 2011 के दौरान काटन कालेज, गुवाहाटी में हुई मानव आहार और जीव संसाधनों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''जीव–विभिन्नता के मूल्यांकन में मृदा कार्बन का महत्व''।

मजोलोगबे ओलुसोला

- 20–22 अक्तूबर, 2011 के दौरान काटन कालेज, गुवाहाटी में हुई मानव आहार और जीव संसाधनों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''रोगजनिक रोगाणु उत्प्रेरित एल्बिनों चूहों के सांघातिक प्रभावों के नियंत्रण में लेंटीनस सबनुडस से उत्पादित मेटाबोलाइट्स के प्रतिरक्षित अनुकूलन क्रियाकलाप''।

यू. कलिता और एस.डी. बरूआ

- 3–7 जनवरी, 2012 के दौरान, कलिंग औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान (केआईआईटी) विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित, भारतीय विज्ञान सममेलन–2012 के 99वें सत्र में ''एफई (III) मीडिएटेड एआरजीईटी–एटीआरपी के जरिए सुपरिभाषित पोली (ग्लाइसाइडिल मेथाक्राइलेट)।
- 3–4 फरवरी, 2012 के दौरान, भाभा अणु अनुसंधान केंद्र, ट्राम्बे, मुंबई द्वारा आयोजित थर्मल विश्लेषण (थर्मन्स 2012) पर 18वीं अंतरराष्ट्रीय विचार–गोष्ठी एवं कार्यशाला में ''पोली (€ –कापरोलेक्टोन) के साथ आशोधित सेलूलोस माइक्रो फाइबरील्स का थर्मल विश्लेषण''।

वार्ता / अभिभाषण

डॉ. पी जी राव, निदेशक, सीएसआईआर–एनईआईएसटी

- आरवीआर और जेसी इंजीनियरिंग कालेज, गुंटूर की रजत जयंती व टेक्नोफेस्ट समारोह के अवसर पर 29 नवंबर, 2011 को मुख्य अतिथि के रूप में।
- त्रिपुरा साईंस कांग्रेस में, एस एंड टी, त्रिपुरा तथा पर्यावरण परिषद द्वारा 8 सितंबर, 2011 को आयोजित।
- सीनियर इंजीनियर्स फोरम ऑफ ग्रेटर गुवाहाटी के 8वें स्थापना दिवस पर 21 फरवरी, 2012 को मुख्य अतिथि के रूप में थीम लेक्चर।

डॉ. आर.सी. बरूआ, उत्कृष्ट वैज्ञानिक

- सम्मानीय अतिथि के रूप में सीएसआईआर–एनईआईएसटी द्वारा प्रदर्शनी व प्रौद्योगिकी प्रदर्शन कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में निवेशकों के लिए ''आईडिआस टू एक्शन–लेट अस ग्रो विद इनोवेशन'' पर 24 मई, 2011 को दिया गया भाषण।
- एनआरडीसी प्रायोजित नवचरों के माध्यम से उत्तर–पूर्वी क्षेत्र के सामाजिक–आर्थिक पर्यावरण के बारे में राष्ट्रीय सम्मेलन जो 26–27 मई, 2011 को गुवाहाटी में आयोजित किया गया।
- 10+2 छात्रों के लिए डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय में आयोजित डीएसटी–इंस्पायर में 18 और 19 जुलाई, 2011 को ''अनुसंधान और नए भेषज विकास की संभावनाएं''।
- 'रसायन शास्त्र और उसका विकास'' शीर्षक से जोरहाट इंस्टीट्यूट ऑफ साईंस एण्ड टेक्लोलॉजी (जेआईएसटी) द्वारा अंतर्राष्ट्रीयरसायन वर्ष के अवसर पर 26 अगस्त, 2011 को आयोजित उद्घाटन भाषण।
- फूड इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नॉलोजी, स्कूल आफ इंजीनियरिंग, तेजपुर विश्वविद्यालय, असम द्वारा 'भोजन में बायोएक्टिव मिश्रण का पता लगाने के लिए फाइटोकेमिकल्स लाभ और तकनीक'' 14–16 नवंबर, 2011 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी बायो–फूड्स 2011 । डॉ. बरूआ ने विचार–गोष्ठी के तकनीकी सत्र– ।। की अध्यक्षता भी की।
- रसायन शास्त्र में आधुनिक प्रवृत्तियां (आरटीसी–2012) के बारे में महत्वपूर्ण व्याख्यान जिसे सिक्किम मनीपाल संस्थान प्रौद्योगिकी (एमएमआईटी), माजितार, सिक्किम द्वारा 23.01.2012 को आयोजित किया गया।
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी उच्च अध्ययन संस्थान (आईएएसएसटी), गुवाहाटी में 18वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2012 (पोस्ट आईएससीबीसी) में 30 जनवरी, 2012 में पूर्ण व्याख्यान।
- ''स्टेरॉइड्स के हीटरो साइक्लिक वलयीकरण के लिए अभिनव युक्तियों'' पर रसायन विज्ञान–2012 में विकास के बारे में अंतर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम में व्याख्यान जो भारतीय प्रौद्योगिकी विज्ञान, (आईआईटी), गुवाहाटी में 30 जनवरी, 2012 को आयोजित किया गया।
- फणीधर हाल, गुवाहाटी, विश्वविद्यालय में 24 फरवरी, 2012 को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में ''रसायन शिक्षा और अनुसंधान के हाल ही के पहलू''।
- रसायन विज्ञानों में उभरती प्रवृत्तियों के बारे में यूजीसी–डीएसटी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार, जो रसायन विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी में 30–31 मार्च, 2012 को आयोजित हुई, में पूर्ण व्याख्यान।

डॉ. एन.सी. बरूआ, प्रधान वैज्ञानिक

- ''विस्तृत परियोजना रिपोर्ट कैसे तैयार करें'' ''अनुसंधान प्रणाली विज्ञान'' के बारे में यूजीसी प्रत्यायोजित कार्यशाला जिसका आयोजन स्वाहिद पीवली फुकण कालेज, नामती द्वारा किया गया और जो होटल वृंदावन, सिवसागर में 5 मई, 2011 को आयोजित की गई।

- रसायन विज्ञान में सोसाईटल और इन्वाइटेड नीड्स में ''उत्तर–पूर्वी संसाधनों के साथ चिकित्सा रसायन अनुसंधान'' अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार जिसका आयोजन आईसीसीएस और एमएसएफ, चेन्नै द्वारा सीएसआईआर–सीएलआरआई, चेन्नै में 30 अगस्त, 2011 को किया गया।
- ''उत्तर–पूर्वी संसाधनों के साथ चिकित्सा–रसायन शास्त्र अनुसंधान'' में, रसायन शास्त्र 2011 के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष को आयोजित करने के लिए केमिस्ट्री इन सोसाइर्टल एण्ड एन्वायरमेंण्टल नीड्स के बारे में अंतर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम, मद्रास साईंस फाउंडेशन, सेंटर फार इण्टरनेशनल कोआपरेशन इन साईंस एण्ड सीएलआरआई, चेन्नै द्वारा 31 अगस्त, 2011 को किया गया।
- ''दवाई की खोज : आईएनएसए की वर्षगांठ बैठक में उत्तर–पूर्व को शामिल करना''। ''दवाई की खोज के बारे में 29 दिसंबर, 2011 को तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आमंत्रित बातचीत में ''उत्तर–पूर्व को शामिल करना''।

डॉ. बी.जी. ऊनी, प्रमुख वैज्ञानिक

- ''स्वास्थ्य क्षेत्र में मोलेक्यूलर उपकरणों के हाल ही के विकास : अनुप्रयोग और विश्लेषण'' के मनिपाल डेण्टल कालेज ऑफ डेण्टल साइसेंस, ओरल पैथोलॉजी और माइक्रो बॉयोलॉजी विभाग, मनीपाल कालेज ऑफ डेण्टल साइंसेज मैगलोर में रजत जयंती समारोह के रूप में 7 जून, 2011 को।
- मूगा सिल्क उत्पादन सुधारने के लिए पारिस्थितिकी अनुकूल और व्यवहार्य प्रौद्योगिकियों के बारे में 26 जुलाई, 2011 को होटल वृंदावन, सिबसागर में आयोजित 7वां प्रशिक्षण/कार्यशाला।
- ''नॉन मल्बेरी सिल्क वार्म में बायो–कैमिकल, बायो–टेक्नॉलाजिकल और मोलेक्यूलर अनुसंधान की वर्तमान प्रवृत्ति – ''सेरी बायोटेक्नॉलॉजी के उभरते क्षेत्रों'' के बारे में, सीएमईआर एंड टीआई, लहडोईगढ़ में 29 सितंबर, 2011 को आयोजित डीबीटी प्रायोजित कार्यशाला।
- सीएसआईआर–आईआईसीटी में छात्रों को 12–14 अक्तूबर, 2011 को (।) अनुक्रम विश्लेषण पंक्ति बंधन और माइक्रो अरेस, हम जीनोम सीक्वेंस और माइक्रो अरेस तथा डाटा क्लस्ट्रिंग इत्यादि से क्या कर सकते हैं और (।।) बायो–इ–फोरमेटिक्स के बेसिक तथा बायो–विज्ञान अनुसंधान में अनुप्रयोग।
- कृषि और औद्योगिक बायोमास से बायो–ऊर्जा : ''ईंधन का वैकल्पिक स्रोत'' हम्बोल्ट क्लब द्वारा मैक्समूलर भवन के साथ संयुक्त रूप से डायमण्ड हार्बर कोलकाता में 12–14 नवंबर, 2011 के दौरान आयोजित सम्मेलन।
- पर्यावरणीय प्रदूषण का मानव स्वास्थ्य पर असर : इण्टरफेस ऑफ साईंस एण्ड एन्वायरमेंट के बारे में राष्ट्रीय सम्मेलन में ऐपिडेमियालॉजिकल और बायो–कैमिकल अध्ययन : पैदा होने वाली जन स्वास्थ्य चुनौतियां और विज्ञान और पर्यावरण सोसाइटी की 13वीं वार्षिक बैठक जो कलकत्ता विश्वविद्यालय में 24–26 नवंबर, 2011 को आयोजित की गई।
- नॉन–बुलबेरी सिल्कवार्म में बायोटेक्नॉलॉजिकल और मोलेक्यूलर अनुसंधान में हाल की प्रवृत्तियां, एंथेरिया असामेनसिस, हेल्फर'' XXII कांग्रेस ऑफ दि इण्टरनैशनल सेरिकल्चरल कमीशन – 14–18 दिसंबर, 2011 में आयोजित।
- बायोलॉजिकली एक्टिव मॉलेक्यूल्स के बारे में गांधीग्राम विश्वविद्यालय, मदुरै में 9 मार्च, 2012 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''कीट, पौधे और माइक्रोबियल ओरिजिन और उसके अनुप्रयोग के बायो मोलेक्यूल्स की वियोजन और कार्यात्मक विशेषताओं'' के बारे में मूल व्याख्यान।

डॉ. रंजू दुराह, प्रमुख वैज्ञानिक

- ''उत्तर–पूर्वी भारत के भूकंपीय विपत्ति दृश्य'' के बारे में बाल पुस्तक मेले में महत्वपूर्ण बातचीत जिसका आयोजन अन्वेशा, गुवाहाटी द्वारा 2 नवंबर, 2011 को किया गया।
- ''उत्तर–पूर्वी भारत की भूकंपीय सभेद्यता और खतरा प्रबंधन'' के बारे में भू–विज्ञान विभाग, सिबसागर कालेज, स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर महत्वपूर्ण बातचीत।

डॉ. शेख महिदुद्दीन, प्रमुख वैज्ञानिक

- ''केमिस्टरी इन नेचर'' के बारे में फैकल्टी ट्रेनिंग और मॉटिवेशन तथा अडोप्शन आफ स्कूल्स और कालेज बाई सीएसआईआर लैब्स प्रोग्राम जिसका आयोजन सीएसआईआर–एनईआईएसटी, जोरहाट द्वारा 16 नवंबर, 2011 को किया गया।

डॉ. पी.के. गोस्वामी, प्रमुख वैज्ञानिक

- ''उभरते हुए खाद्य और पोषण सुरक्षा मामले – ग्लोबीय चुनौतियां, भारत परिप्रेक्ष्य'' के बारे में एनई खाद्य शिखर सम्मेलन जिसका आयोजन 21 मार्च, 2012 को गुवाहाटी में किया गया।

डॉ. दीपक कुमार दत्ता, प्रमुख वैज्ञानिक

- ''नैनो साईंस और प्रौद्योगिकी के बारे में हाल ही प्रवृत्ति'' पर राष्ट्रीय सेमिनार में नैनोपोरस जेनरेशन और इन–सी–टू स्टैबलाइजेशन आफ मेटल नैनो पार्टिकल्स इनटू क्ले मैट्रिक्स'' जिसका आयोजन रसायन विभाग, बहोना कालेज में 20–21 मई, 2011 के दौरान हुआ।
- कैमिकल रिसर्च सोसाइटी आफॅ इंडिया (सीआरएसआई) द्वारा 22–24 जुलाई, 2011 को रसायन विभाग, नार्थ बंगाल विश्वविद्यालय, दार्जिलिंग में आयोजित उत्तर–क्षेत्रीय बैठक में ''प्लैटिनम मेटल कम्पलैक्सेस ऑफ फंक्शनैलाइज्ड अनसिमैट्रिकल हेमिलेबाइल फासपाइन लिजेंड्स एण्ड दिअर रिएक्टिविटी।
- नैनो साईंस और नैनो टेक्नॉलॉजी : अंतर्राष्ट्रीय केमिस्ट्री वर्ष 2011 में भविष्य की संभावना पर सेमिनार जिसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान जोरहाट (जेआईएसटी) (जिसे पहले साईंस कालेज, जोरहाट कहते थे) द्वारा 26 अगस्त, 2011 को आयोजित किया गया।
- समन्वित रसायन के बारे में तृतीय एशियन सम्मेलन ''रोडियाम (I) और इरीडियम (I) कार्बोनिल कम्प्लैक्सेस ऑफ आर्थो–सब्स्टीच्यूटेड ट्रिफेनिल फॉस्फिन बेस्ड पी., ओ. डोनर लिजैण्ड्स एंड दिअर रिएक्टिविटी'' जो 17–20 अक्तूबर, 2011 के दौरान इंडियन हैविटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
- कैमिस्ट्री–XIII में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम ''क्ले बेस्ड सालिड एसिड कैटेलिस्ट्स एण्ड मेटल नैनो पार्टिकल्स'' और ''क्ले कैटेलिस्ट्स'' जो 15 नवंबर, 2011 को गुवाहाटी विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया।
- कैटेलिसेस में पदार्थों की भूमिका के बारे में 15वीं राष्ट्रीय कार्यशाला ''आरयू^{0} –नैनोपार्टिकल से संशोधित मॉन्टमारिलोनाइट क्ले और उसका कैटेलिटिक ट्रांसफर हाईड्रोजिनेशन रिएक्शन'' जो 11–13 दिसंबर, 2011 के दौरान आईआईटी मद्रास में आयोजित हुई।

डॉ. पी. के. चौधरी, प्रमुख वैज्ञानिक

- फार्मास्युटिकल प्रौद्योगिकी प्रभाग, डीआरएल, तेजपुर में 12 दिसंबर, 2011 को 'डिओसजेनिन से उत्तर–पूर्वी भारत में प्लांट स्रोतों के कैप्टिव जेनरेशन के माध्यम से 16 डीपीए प्रौद्योगिकी का विकास''।

डॉ. पी.आर. भट्टाचार्य, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- यूजीसी / सीएसआईआर प्रायोजित ''पर्सपेक्टिव इन बायोडाईवर्सिटी और कंजरवेशन स्ट्रैटिजी पर रीसेंट थ्रस्ट इन बायोडाईवर्सिटी कंजरवेशन – नार्थ–ईस्ट इंडिया : ए हॉट स्पॉट ऑफ बायोडाईवर्सिटी के बारे में प्लेनरी व्याख्यान, बिरजहारा महाविद्यालय, बंगाईगांव, असम में 30–31 जनवरी, 2012 को आयोजित।

डॉ. आर.के बरूआ, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- संकाय प्रशिक्षण और अभिप्रेरणा तथा सीएसआईआर प्रयोगशाला कार्यक्रम द्वारा स्कूलों और कालेजों का अपनाना, जिसे सीएसआईआर–एनईआईएसटी, जोरहाट द्वारा 16–17 नवंबर, 2011 को आयोजित किया गया।

डॉ. पवन कुमार बोरा, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- ''असम के विगत बड़े भूकम्प'' के रूप में ''डुलाल खोण्ड मेमोरियल वार्ता'' जो कोकोजन कालेज में 2 नवंबर, 2011 को हुई । यह वार्ता हर वर्ष कालेज द्वारा इसके संस्थापक प्रिंसिपल स्वर्गीय डुलाल खोण्ड की स्मृति में आयोजित की जाती है।
- दुमदुमा कालेज में रजत जयंती समारोह के अवसर पर 2 नवंबर, 2011 को ''प्राकृतिक आपदाएं और स्कूली बच्चों की भूकम्प सुरक्षा ड्रिल''।
- नवज्योति हाई स्कूल में 3 जनवरी, 2012 को ''भूकम्प की विपत्ति से स्कूलों में सुरक्षा''।

डॉ. टी.सी. बोरा, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- ''उत्तर–पूर्वी भारत की माईक्रोबिअल डाईवर्सिटी के विशेष संदर्भ में बायोडाईवर्सिटी इसकी समस्याएं और संभावनाएं'' जो डीसीबी गर्ल्स कालेज, जोरहाट में, कालेज के रजत जयंती समारोह के दौरान, 18 अप्रैल, 2011 को आयोजित किया गया।
- भारत के छात्र फेडरेशन के राज्य स्तर के प्रशिक्षण में ''बायोडाईवर्सिटी और उत्तर–पूर्वी जीन–पूल'' जिसे एसएफआई असम राज्य शाखा, जोरहाट में 29 जुलाई, 2011 को आयोजित किया गया।
- ''बायो–प्रोस्पेक्टिंग और बायो–प्रोफाईलिंग माइक्रोबियल डाईवर्सिटी : उत्तर–पूर्वी जीन पूल से रिपोर्ट'' – 8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (पोस्ट आईएससीबीसी), कैमिकल और बायोलॉजिकल विज्ञानों में संभावना और चुनौतियां : इन्नोवेशन क्रास रोड्स – विज्ञान में उच्च अध्ययन और प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएएसएसटी), गुवाहाटी और कैमिस्टों और बाइलोजिस्टों के लिए भारतीय सोसाइटी, लखनऊ, भारत जिसे गुवाहाटी में 28–30 जनवरी, 2012 को आयोजित किया गया।
- ''स्क्रीनिंग माइक्रोबियल मेटाबोलिट्स फार एंटी कैसंर एण्ड एंटी–इंफेक्टिव पोटेंशियल नार्थ–ईस्ट जीन पूल से रिपोर्ट'' इण्टरनेशनल कांफ्रेंस ऑन माइक्रोबिअल, प्लाण्ट और ऐनीमल रिसर्च (आईसीएमपीएआर–2012) जिसे कला संकाय, विज्ञान और वाणिज्य विज्ञान विभागों द्वारा संगठित किया गया और मूडी प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान, लक्ष्मणगढ़, सीकर, राजस्थान में 29–31 मार्च, 2012 को आयोजित किया गया।

डॉ. अमृत गोस्वामी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- ''आर्गेनिक सिंथेसिस के विभिन्न मार्ग'' अंतर्राष्ट्रीय रसायन वर्ष 2011 के अधीन आयोजित सेमिनार में जो समारोह एनएनएस कालेज, टीटाबोर में 4 नवंबर, 2011 को संपन्न हुआ।

डॉ. पी.सी. नियोग, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- सीएसआईआर–एनईआईएसटी में 13 सितंबर, 2011 को ''आर एण्ड डी प्लानिग''।
- नवज्योति हाई स्कूल, फालंगणी, गोलाघाट में 18 जनवरी, 2011 ''विज्ञान जागरूकता और स्कूली छात्रों की भूमिका'' के बारे में प्रसिद्ध विज्ञान वार्ता।
- पूरनीमति एचएस स्कूल, पश्चिमी जोरहाट में 28 फरवरी, 2012 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस ।
- पीराकाटा हाई स्कूल, टिओक में 29 फरवरी 2012 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर प्रसिद्ध विज्ञान वार्ता ।
- ''जल और खाद्य सुरक्षा पर'' विश्व जल दिवस समारोह के अवसर पर 22 मार्च 2012 को प्रसिद्ध विज्ञान वार्ता जिसका आयोजन आर्यभट्ट विज्ञान केंद्र (केंद्रीय जोरहाट) में झाजीमुख जनजाति हाई स्कूल, झाजीमुख, टिओक में किया गया ।
- फालंगणी हाई स्कूल, गोलाधाट के रजत जयंती समारोह के अवसर पर 18 जनवरी, 2012 को ''स्कूली बच्चों के विशेष संदर्भ में विज्ञान जागरूकता'' दिवस मनाया गया।

डॉ. सौरभ बरूआ, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- ''भूकम्प : उसका खतरा और शमन'' – विश्वविद्यालयों और कालेजों के वरिष्ठ संकाय (सहायक प्रोफेसर स्टेज 3 से आगे) सदस्यों के लिए आपदा–प्रबंधन में अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम जिसका आयोजन यूजीसी अकादमिक स्टाफ कालेज, गुवाहाटी विश्वविद्यालय द्वारा 14 जुलाई, 2011 को किया गया।
- ''भूचाल भूकम्प–विज्ञान समझने के लिए भौतिक विज्ञान का अनुप्रयोग'' अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम डीएसटी–इन्स्पायर कार्यक्रम'' जिसका आयोजन डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय में 18–19 जुलाई, 2011 को किया गया।
- ''एण्टार्कटिक को भारतीय वैज्ञानिक अभियान'' – जे.बी. कालेज, जोरहाट के भौतिकी विभाग में 9 सितंबर, 2011 को आयोजित किया गया।
- ''असम के बड़े भूकंप : सुरक्षित और बेहतर जीवन–यापन के लिए'' काकोजन कालेज में 9 सितंबर, 2011 को दुलाल खोण्ड मेमोरियल वार्ता।

डॉ. आर.एल. गोस्वामी, प्रमुख वैज्ञानिक

- ''फ्लोराइड दूषित जल से, जो कि उत्तर–पूर्वी क्षेत्र में विशेष रूप से है, सार्वजनिक प्रयोग के लिए फ्लोराइट को दूर करने हेतु कम लागत प्रक्रियाका विकास'' – रोकथाम, उपशमन और प्रदूषण के नियंत्रण के बारे में संबंधी पुनर्गठित विशेषज्ञ ग्रुप की बैठक जिसका आयोजन 1 फरवरी, 2012 को पर्यावरण और वन मंत्रालय में किया गया।

डॉ. बी.पी. बरूआ, प्रधान वैज्ञानिक

- ''उत्तर–पूर्वी कोल – सतत ऊर्जा स्रोत और पर्यावरणीय मामले'' जोरहाट में 10 दिसंबर, 2011 को आयोजित असम महोत्सव।

डॉ. एच.बी. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक

- ''मणिपुर के चिकित्सीय वनस्पति संसाधन तथा इसकी संभावना और संवर्द्धन'' – कालेज और विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल में यूजीसी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम जिसका आयोजन 2 सितंबर 2011 को हुआ।
- चिकित्सा निदेशालय, मणिपुर द्वारा प्रायोजित और बैकहोम मणि गर्ल्स कालेज, थॉडबल, मणिपुर द्वारा 8 अक्तूबर, 2011 को आयोजित आयूष के बारे में ''उत्तर–पूर्वी भारत मणिपुर के नृजातीय लोगों द्वारा खाद्य और मेडिसिन के रूप में वेट लेण्ड : फैनोलिक अन्तर्वस्तु और मुफ्त रैडिकल स्कैवेन्जिंग एक्टिविटी''।

डॉ. त्रिदीप गोस्वामी, वरिष्ठ वैज्ञानिक

- ''मूल्य वर्द्धित उत्पाद के लिए केला फाईबर का उपयोग'' (रिसोर्स पर्सन के रूप में) ''लघु ग्रामीण प्रौद्योगिकी'' के बारे में मनोहारी देवी कानोई कालेज, डिब्रूगढ़ में 29 जून, 2011 को आयोजित कार्यशाला।
- ''केले के रेशे पर आधारित कुटीर उद्योग की स्थापना के माध्यम से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों का विकास'' के बारे में सुग्राहीकरण कार्यशाला, डीएसटीई, भारत सरकार के राज्य विज्ञान प्रौद्योगिकी के अधीन एएसटीईसी द्वारा वित पोषित अनु. जा./अनु.ज.जा. बहुल क्षेत्रों के लिए विशिष्ट स्थान का आर एण्ड डी तथा प्रदर्शन परियोजना का विकास जिसका आयोजन एनईआईएसटी में 5 जनवरी, 2012 को किया गया।

डॉ. मंतु भूयान, वैज्ञानिक

- दाहोटिया हाई स्कूल, जोरहाट में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 6 जून 2011 को ''बायो–डाईवर्सिटी– इशू एण्ड कन्सर्न एण्ड डी एन ए क्लब''।

डॉ. डिपुल कालिता, वैज्ञानिक

- ''लघु ग्रामीण प्रौद्योगिकी'' के बारे में (रिसोर्स पर्सन के रूप में) ''ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ लघु प्रौद्योगिकी की संभावनाएं'' पर कार्यशाला जो मनोहारी देवी कानोई कालेज, डिब्रूगढ़ में 29 जून, 2011 को आयोजित की गई।

डॉ. प्रसेनजीत सैकिया, वैज्ञानिक

- ''एनईआर भारत में ऊर्जा संरक्षण और नवीकरणीय ऊर्जा संभावनाएं''– आयल और गैस संरक्षण पखवाड़े के दौरान जो 25–31 जनवरी, 2012 के दौरान आयल, मोरन द्वारा आयोजित किया गया।

डॉ. बी.सी. बरूआ, वैज्ञानिक

- मशरूम की खेती, वर्मीकम्पोस्ट का उत्पादन और आवश्यक तेल का निष्कर्षण'' के बारे में एनईआरआईएसडी, निरजुली के छात्रों के लिए 11 मई, 2011 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम।

श्री दीपक बासुमातारी, वैज्ञानिक

- जल जागरूकता सप्ताह 2011–12 में ''जल संरक्षण'' समारोह जिसका आयोजन आयल इंडिया लि., मोरान द्वारा 30 मार्च, 2012 को किया गया।
- आयल इंडिया लि., मोरान द्वारा 30 मार्च, 2012 को आयोजित तकनीकी सेमिनार में ''ग्रीन बिल्डिंग''।

डॉ. जतिन कलिता, कनिष्ठ वैज्ञानिक

- कार्बी आंगलांग में 13–14 अक्तूबर, 2011 को विपत्तियों के बारे में जोनल कार्यशाला में ''कैमिकल हेज्र्ड''।

श्री एम. रहमान, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

- भूकम्प के पहले, दौरान और बाद में क्या किया जाए और क्या न किया जाए'' कार्बी आंगलांग, दुमदुमा में विपतियों के बारे में जोनल कार्यशाला – 3–4 जनवरी, 2012 के दौरान।

रेडियो वार्ता

डॉ. जेसीएस केतकी, प्रमुख वैज्ञानिक

- ''नैनो प्रोजुवित–ओशाधत इअर प्रोभव'' आकाशवाणी, डिब्रूगढ़ से 28 जून, 2011 को प्रसारित।
- ''बिग्यानोर दृस्ट्रि योग अर अमर कर्तव्यों'' जिसे आकाशवाणी, डिब्रूगढ़ द्वारा 1 जनवरी, 2012 को 0620 बजे विज्ञान ज्योति प्रोग्राम में प्रसारित किया गया।
- ''योग और विज्ञान'' जिसे 2 फरवरी 2012 को आकाशवाणी, जोरहाट द्वारा 0630 बजे प्रसारित किया गया।
- ''राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2012'' (संवाद) जिसे आकाशवाणी, डिब्रुगढ़ द्वारा 28 फरवरी, 2012 को 2000 बजे विज्ञान ज्योति कार्यक्रम में प्रसारित किया गया।

डॉ. रंजू दुराह, प्रमुख वैज्ञानिक

- ''उत्तर–पूर्वी भारत की वर्तमान भूकंपीय स्थिति'' आकाशवाणी, जोरहाट द्वारा 5 फरवरी, 2012 को प्रसारित किया गया।

डॉ. पी.आर. भट्टाचार्य, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- ''खेती बाड़ी और किसानों की जागरूकता के लिए प्रयुक्त मशीनरी पर चर्चा'' जो आकाशवाणी/दूरदर्शन पर 26 जूलाई, 2011 को

प्रसारित की गई।

डॉ. पी.सी. नियोग, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- ''मनुष्य निर्मित्त विपत्तियां'' आकाशवाणी जोरहाट केंद्र द्वारा को प्रसारित किया गया।
- ''प्राकृतिक विपत्तियां'' आकाशवाणी जोरहाट केंद्र द्वारा को प्रसारित किया गया।

डॉ. अमृत गोस्वामी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- ''ग्रीन केमिस्ट्री'' आकाशवाणी, डिब्रूगढ़ जिसे 20 अप्रैल, 2011 को प्रसारित किया गया।
- केमिस्ट्री का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष और दिन–प्रतिदिन के जीवन में केमिस्ट्री की भूमिका, आकाशवाणी, जोरहाट पर 24 अक्तूबर, 2011 को प्रसारित किया गया।

डॉ. सौरभ बरूआ, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- ''भूमिकामपार आगजनानी : इटी पर्जयालोचना'' – 13 सितंबर, 2011 को आकाशवाणी, डिब्रूगढ़ में।

डॉ. मंतु भूयान, वैज्ञानिक

- ''एनीमल सेल्फ मेडीकेशन (असमी)'' आकाशवाणी, जोरहाट जो 27 अप्रैल, 2011 को प्रसारित किया गया।
- ''ताजा विज्ञान समाचार (असमी)'' आकाशवाणी, जोरहाट जो 29 जनवरी, 2012 को प्रसारित किया गया।

डॉ. डिपुल कलिता, वैज्ञानिक

- बम्बू रेशे और उनका प्रयोग (असमी में विज्ञान वार्ता) आकाशवाणी द्वारा 31.05.2011 को प्रसारित।

डॉ. जतिन कलिता, कनिष्ठ वैज्ञानिक

- ''ट्रांसजैनिक प्लाण्ट (असमी में) ''आकाशवाणी द्वारा 18 जून, 2011 को जोरहाट में।
- कैण्डो कुश (स्टेम सैल)'' आकाशवाणी द्वारा जोरहाट में 21 फरवरी, 2012 को प्रसारित।

सुश्री कल्याणी मेधी, कनिष्ठ वैज्ञानिक

- आकाशवाणी, जोरहाट द्वारा 25 जून, 2011 को वर्तमान विज्ञान (असमी में) का प्रसारण।

डॉ. ए.के. बोरडोलाई, पीटीओ

- ''मशरूम की खेती और वाणिज्य क्षेत्र'' आकाशवाणी / दूरदर्शन में जो 28 जुलाई, 2011 को ''थोर पोठारे'' कार्यक्रम में प्रसारित किया गया।
- ''मशरूम की खेती और वाणिज्यिक लाभ और उपयोग'' आकाशवाणी, जोरहाट, जो 11 अक्तूबर, 2011 को प्रसारित किया गया।

श्री मधुरजया सैकिया, तकनीकी सहायक

- ''नैनो–प्रायुक्ति अरू अमर जीवन (नैनो प्रौद्योगिकी और हमारा जीवन) (असमी में) आकाशवाणी, जोरहाट द्वारा 8 अप्रैल, 2011 को प्रसारित किया गया।
- ''क्वाण्टम मैकेनिक्स अरू अयार होयटे जोरिटो कीटामन विख्यात तत्व (क्वाण्टम मैकेनिक्स और इसके बारे में प्रसिद्ध सिद्धांत) आकाशवाणी, जोरहाट द्वारा प्रसारित किया गया।

संस्थान में राजभाषा कार्यकलाप

हिंदी कार्यशाला का आयोजन

राजभाषा हिंदी और नियम व विनियम के ज्ञान का प्रचार करने और वैज्ञानिकों/तकनीकी एवं प्रशासनिक अधिकारियों/कर्मचारियों के बीच दैनिक सरकारी कार्य हिंदी में करने का अभ्यास कराने के प्रयोजन से राजभाषा अनुभाग ने निर्धारित मानकों के अनुरूप तिमाही कार्यशाला आयोजित की । दो सत्रों के व्याख्यान के लिए अतिथिवक्ता आमंत्रित किए गए और शेष दो सत्र ''मेज कार्यशाला'' के अंतर्गत व्यावहारिक कार्य के लिए थे । वर्ष के दौरान निम्नलिखित कार्यशालाएं आयोजित की गईं :–

- सभी तकनीकी अधिकारियों, तकनीकी अधिकारी (1), तकनीकी अधिकारी (2) और नए भर्ती स्टाफ ने 23 और 24 जून, 2011 को दो दिन की कार्यशाला का आयोजन किया गया । प्रथम दिवस के सत्र राजभाषा हिंदी की महत्ता से संबंधित थे । दूसरे दिवस का विषय ''यूनीकोड हिंदी–कंप्यूटर अनुकूलता और गूगल हिंदी का प्रयोग'' था । सभी प्रतिभागियों ने कंप्यूटर पर अपने कार्य हिंदी में किए और इंटरनेट के जरिए छोटे–मोटे अनुवाद के लिए गूगल पर अभ्यास किया।
- सितंबर में हिंदी सप्ताह के अंतर्गत एनईआईएसटी के प्रभागों/अनुभागों के सभी राजभाषा प्रतिनिधियों के लिए दो दिवस की हिंदी कार्यशाला 7 व 8 सितंबर, 2011 को आयोजित की गई । प्रथम दिवस के दोनों सत्र राजभाषा नीति और राजभाषा हिंदी के वार्षिक कार्यक्रम पर केंद्रित थे और द्वितीय दिवस मेज कार्यशाला के अंतर्गत व्यावहारिक कार्य के लिए था।
- नए भर्ती तकनीकी/वैज्ञानिक और प्रशासनिक कर्मचारियों/अधिकारियों के लिए 30 मार्च और 2 अप्रैल, 2012 को दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई । यह कार्यशाला विशेषकर उनके लिए आयोजित की गई जो निर्धारित हिंदी पाठ्यक्रम प्रबोध/प्रवीण/प्राज्ञ परीक्षा देने वाले थे । नए भर्ती केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों/अधिकारियों के लिए उपर्युक्त हिंदी पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करना अनिवार्य है । अतः इस पाठ्यक्रम के सभी सत्र श्री अजय कुमार, प्रभारी–राजभाषा के मार्गदर्शन में परीक्षा की तैयारी पर केंद्रित थे।

हिंदी शिक्षण योजना

केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली (भारत सरकार, गृह मंत्रालय) के दिशा–निर्देश और नियंत्रणाधीन एनईआईएसटी, जोरहाट में एक अंशकालिक हिंदी शिक्षण योजना केंद्र चल रहा है । यह केंद्र सभी केंद्रीय सरकारी कार्यालयों, राष्ट्रीयकृत बैंकों, उपक्रमों, स्वायत्त निकायों आदि के अधिकारियों और कर्मचारियों को, अनुरोध करने पर, सेवारत अनिवार्य प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है । नामांकन नियमित अथवा निजी आधार पर किया जाता है । पात्रता के अनुसार प्रवेश दिया जाता है और प्रतिवर्ष मई व सितंबर में उप निदेशक (परीक्षा) हिंदी शिक्षण योजना, नई दिल्ली के मार्गदर्शन के अनुरूप परीक्षा आयोजित की जाती है । इस अवधि की परीक्षाएं :

इस क्षेत्र के विभिन्न कार्यालयों के प्रशिक्षणार्थी जिन्होंने मई, 2011 में परीक्षा दी और उत्तीर्ण हुए :
प्रबोध : 68 (उत्तीर्ण : 68)
प्रवीण : 34 (उत्तीर्ण : 34)
प्राज्ञ : 20 (उत्तीर्ण : 20)

इस क्षेत्र के विभिन्न कार्यालयों के प्रशिक्षणार्थी जिन्होंने नवंबर, 2011 में परीक्षा दी और उत्तीर्ण हुए :
प्रबोध : 60 (उत्तीर्ण : 60)
प्रवीण : 58 (उत्तीर्ण : 57)
प्राज्ञ : 16 (उत्तीर्ण : 16)

हिंदी में प्रकाशित वैज्ञानिक साहित्य/प्रकाशन/रिपोर्ट

- ''डेवलपमेंट ऑफ सुपर हाई स्ट्रैंग्थ प्रोपेंट'' शीर्षक परियोजना की वार्षिक रिपोर्ट द्विभाषी रूप में तैयार की गई और तेल उद्योग विकास बोर्ड, नई दिल्ली को प्रस्तुत की गई।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति, एनईआईएसटी, जोरहाट

प्रावधानों के अनुरूप निदेशक, एनईआईएसटी की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें आयोजित की गईं।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टोलिक), जोरहाट

डॉ. पी.जी. राव, निदेशक, एनईआईएसटी, जोरहाट नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जोरहाट के अध्यक्ष हैं और श्री अजय कुमार, प्रभारी–राजभाषा, एनईआईएसटी, जोरहाट इस समिति के सदस्य–सचिव हैं। इस समिति का गठन राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने किया है। सेना, राष्ट्रीयकृत बैंक, कार्पोरेशन, बोर्ड, परिषद सहित जोरहाट टाउन में स्थित केंद्र सरकार के सभी कार्यालय इस समिति के सदस्य हैं । टोलिक का कार्य राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन के संदर्भ में सदस्य कार्यालयों को उनके कार्यालयों में मार्गदर्शन प्रदान करना और मूल्यांकन करना और सदस्य कार्यालयों के सभी प्रमुखों के साथ वार्षिक बैठकें आयोजित करना है।

टोलिक, जोरहाट की 23वीं बैठक : टोलिक, जोरहाट की 23वीं बैठक 7 दिसंबर, 2011 को एनईआईएसटी, जोरहाट में डॉ. पी.जी. राव की अध्यक्षता में हुई। श्री अशोक कुमार मिश्रा, सहायक निदेशक (राजभाषा), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, गुवाहाटी इस बैठक में प्रेक्षक के रूप में उपस्थित हुए। श्री अजय कुमार, सदस्य–सचिव टोलिक ने बैठक का आयोजन किया। ''कम्प्यूटर/लैपटॉप पर विद्यमान हिंदी सुविधाओं को प्रभावी करने और हिंदी के लिए गूगल का प्रयोग'' विषय पर सदस्य–सचिव ने एक पावर पाइंट प्रस्तुती दी और अध्यक्ष महोदय ने सभी प्रतिभागियों को उनके कार्यालयों के लिए हिंदी साफ्टवेयर/अध्ययन सामग्री व सीडी वितरित की । सभी कार्यालयों को सूचित कार्यसूची के अनुसार सदस्यों ने हिंदी की तिमाही रिपोर्ट, कार्यालयों में हिंदी स्टाफ की समस्याओं, प्रशिक्षण द्विभाषी कंप्यूटर आदि पर चर्चा की। प्रत्येक कार्यालय ने अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। राजभाषा हिंदी में प्रगति करने के आश्वासन, आशा और प्रतिबद्धता के साथ बैठक का समापन हुआ।

डॉ. पी.जी. राव एनईआईएसटी, जोरहाट में एम एस आयंगर हाल में हुई टोलिक की 23वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए ।

अन्य संस्थानों/कार्यालयों में दिए व्याख्यान, सम्मेलन/हिंदी कार्यशाला में सहभागिता

श्री अजय कुमार, प्रभारी–राजभाषा एवं सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जोरहाट ने निम्नलिखित कार्यालयों के निमंत्रण पर कार्यक्रम/कार्यशाला/सम्मेलन में भाग लिया और व्याख्यान दिए :

- **सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय, जोरहाट :** एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में 16.07.2011 को ''भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन'' पर मुख्य अतिथि के रूप में भाषण दिया।
- **ओएनजीसी, असम व असम अराकन बेसिन, जोरहाट :** 8 व 9 अगस्त, 2011 को आयोजित हिंदी कार्यशाला में भू–भौतिकी विभाग ओएनजीसी के लिए विशेष रूप से 17.10.2012 को आयोजित कार्यशाला में अतिथि भाषण दिया।
- दिनांक 04.09.2011 को हिंदी सप्ताह के अंतर्गत आयोजित ''हिंदी हास्य कवि सम्मेलन'' में सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित।

- **स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय, जोरहाट** : दिनांक 17.09.2011 को हिंदी दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।
- **वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, केंद्रीय सिल्क बोर्ड, क्षेत्रीय कोया–उद्योग अनुसंधान स्टेशन, रोवरिया** : हिंदी दिवस/पखवाड़े के अवसर पर दिनांक 29.09.2011 को ''कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन'' विषय पर मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।
- **राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण ब्यूरो और भूमि उपयोग आयोजना (आईसीएआर), जमुगुड़ी, रोवरिया, जोरहाट** : हिंदी कार्यशाला के अवसर पर ''कंप्यूटर में यूनिकोड हिंदी के प्रयोग'' विषय पर दिनांक 20.09.2011 को मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।
- **राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा (महाराष्ट्र)** : विभिन्न स्तर के पाठ्यक्रम (मैट्रिक से स्नातक) असम राज्य राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, हिंदी भवन, नेहरू पार्क रोड, जोरहाट में कर रही हैं और उन्होंने इस वर्ष स्नातक स्तर हेतु मौखिक परीक्षा लेने के लिए विशेषज्ञ के रूप में नामांकित किया।
- **केंद्रीय विद्यालय, एनईआईएसटी, जोरहाट** : विभिन्न स्तर के विद्यार्थियों द्वारा दिनांक 27.09.2011 को हिंदी काव्य–पाठ कार्यक्रम में निर्णय लेने हेतु मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया।
- **प्रभागीय कार्यालय, यूको बैंक, जोरहाट** : आशु काव्य–पाठ प्रतियोगिता का निर्णय लेने हेतु दिनांक 20.09.2011 को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।
- **डीओईएसीसी, इलैक्ट्रोनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी का राष्ट्रीय संस्थान** : ''ऑनलाईन हिंदी माध्यम कम्प्यूटर पाठ्यक्रम'' परीक्षा जो दिनांक 22.10.2011 को असम राज्य राष्ट्रभाषा प्रचार समिति अध्ययन केंद्र, जोरहाट में हुई, का अधीक्षक नामांकित किया।
- **पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार, वर्षा वन अनुसंधान संस्थान (आईसीएफआरई), जोरहाट** : हिंदी कार्यशाला में दिनांक 22.12.2011 को ''दैनिक प्रयोग हेतु हिंदी व्याकरण'' विषय पर मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।
- **भारत सरकार, गृह मंत्रालय, हिंदी शिक्षण योजना, गुवाहाटी** : कंप्यूटर पर हिंदी का मूलभूत ज्ञान के प्रशिक्षण में ''हिंदी साफ्टवेयर और उसका उपयोग'' पर दिनांक 14.12.2011 को व्याख्यान दिया।
  दिनांक 16.02.2012 को ''मंत्रा और श्रुतलेखन साफ्टवेयर'' पर व्याख्यान दिया ।
  दिनांक 17.02.2012 को कंप्यूटर के दैनिक प्रयोग में आईटी साधनों पर प्रशिक्षण में 'ई–मेल, माईक्रोसॉफ्ट वर्ड, एक्सेल, पावर प्वाइंट आदि'' पर व्याख्यान दिया।
- **यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय, जोरहाट** : ''भारत की राष्ट्रभाषा और राजभाषा'' एवं 'गूगल प्रयोग और कंप्यूटर पर यूनिकोड का प्रयोग'' विषयों पर दिनांक 24.12.2011 को मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।
- **स्टेट बैंक शिक्षण केंद्र, जोरहाट** : निम्नलिखित विषयों पर स्रोत व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिए :
  दिनांक 12.01.2012 : ''राजभाषा नीति'' और ''हिंदी अक्षरों का मानकीकरण''
  दिनांक 13.01.2012 : ''हिंदी शिक्षण तकनीक'' और 'मूलभूत हिंदी व्याकरण''
  दिनांक 17.01.2012 : ''राजभाषा का वार्षिक कार्यक्रम'' और ''कार्यालय में हिंदी''
  दिनांक 18.01.2012 : ''हिंदी पत्राचार'' और ''राजभाषा के रूप में हिंदी''
  दिनांक 03.02.2012 : ''कम्प्यूटर में यूनिकोड'' और ''अनुवाद''
- **भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, गुवाहाटी** : गुवाहाटी में दिनांक 13.02.2012 को क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में भाग लिया।
- **सैंट्रल मुगा, ईआरआई अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, केंद्रीय सिल्क बोर्ड (वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार) लडोईगढ़, जोरहाट** : हिंदी कार्यशाला में दिनांक 28.12.2011 को ''कार्यालय में राजभाषा हिंदी का प्रयोग'' और 06.03.2012 को ''मानक हिंदी और वाक्य संरचना'' पर व्याख्यान दिए।

पुरस्कार

सीएसआईआर–एनईआईएसटी को प्राप्त सीएसआईआर प्रौद्योगिकी पुरस्कार 2011

डॉ. पी.जी. राव (एकदम बायें) सीएसआईआर–एनईआईएसटी और डॉ. बी.जी. उन्नी (दायें से दूसरे), मुख्य वैज्ञानिक व पुरस्कार विजेता टीम के लीडर श्री विलासराव देशमुख (दायें से चौथे) माननीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी व पृथ्वी विज्ञान व उपाध्यक्ष, सीएसआईआर, डॉ. अश्वनी कुमार (बायें से तीसरे), माननीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान और आयोजना राज्यमंत्री की उपस्थिति में पुरस्कार ग्रहण करते हुए; डॉ. आर.ए. मशेलकर (दायें से तीसरे), पूर्व महानिदेशक–सीएसआईआर ; प्रोफेसर समीर के ब्रह्मचारी (बायें से दूसरे), महानिदेशक–सीएसआईआर और डॉ. राजेश गोखले, निदेशक, सीएसआईआर–आईजीआईबी, नई दिल्ली

जीवन विज्ञान में सीएसआईआर प्रौद्योगिकी पुरस्कार–2011 सीएसआईआर–उत्तर–पूर्व विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान को ''टर्मिनालिया चेबुला आधारित बायोफार्मुलेशन (मुगा हिल) – एन एंटी–फ्लाचेरी एजेंट एंड ए सिल्क फाइबर एनहांसर'' प्रौद्योगिकी विकसित करने पर प्रदान किया गया। यह प्रौद्योगिकी डॉ. बी.जी. उन्नी, मुख्य वैज्ञानिक व जैविक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र समन्वयक और उनकी टीम ने विकसित की। सीएसआईआर के 69वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित विशेष समारोह में श्री विलासराव देशमुख, माननीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी व भू–विज्ञान मंत्री व उपाध्यक्ष–सीएसआईआर द्वारा डॉ. अश्वनी कुमार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, भू–विज्ञान और आयोजना राज्य मंत्री, डॉ. आर.ए. मशेलकर, पूर्व महानिदेशक–सीएसआईआर, राष्ट्रीय अनुसंधान प्रोफेसर और प्रोफेसर समीर के ब्रह्मचारी महानिदेशक–सीएसआईआर और अन्य उच्च पदाधिकारिों की उपस्थिति में प्रदान किया गया।

सीएसआईआर–एनईआईएसटी वैज्ञानिकों ने पेरावाधानुलु पुरस्कार प्राप्त किया

भारतीय खनिज इंजीनियर संस्थान ने श्री सरत सीएच बोरा, डॉ. मानश आर दास और डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता को 20–22 अक्तूबर, 2011 के दौरान उदयपुर में आयोजित श्री मानश आर दास द्वारा ''खनिज प्रकरण प्रौद्योगिकी, एमपोटी 2011 पर आईआईएमई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'' में प्रस्तुत अरूणाचल प्रदेश की कुछ ग्रेफाईट धरोहरों का एसईएमईडी लक्षण वर्णन'' शीर्षस्थ उनके श्रेष्ठ शोध–पत्रों के लिए लक्षण वर्णन श्रेणी में प्रतिष्ठित ''पेरावधानुलु पुरस्कार'' प्रदान किया गया । पुरस्कार में साइटेशन और रूपए 1000 का नकद पुरस्कार है ।

INDIAN INSTITUTE OF MINERAL ENGINEERS

PERAVADHANULU AWARD
is given to

S/Shri- Sarat Ch. Borah, Manash R. Das & Pinaki Sengupta

For the Best Paper entitled

SEM-EDX Characterisation of Some Graphite Deposits of Arunachal Pradesh

Presented in the IIME International Conference on
'Mineral Processing Technology - 2011
held at Udaipur during Oct. 20-22, 2011.

Udaipur
Dated : October 22, 2011

Prof. R. Venugopal
President

डॉ. बी.एन. मेहरोत्रा मेडल 2010

डॉ. एस.सी. नाथ, मुख्य वैज्ञानिक को औषधीय, सुगंधित और आर्थिक पौधों के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट अनुसंधान योगदान के लिए सोसायटी ऑफ इथनाबोटनिस्ट द्वारा डॉ. बी.एन. मेहरोत्रा मेडल पुरस्कार प्रदान किया गया। सोसायटी द्वारा यह मेडल स्वर्गीय डॉ. बी.एन. मेहरोत्रा, तीन दशकों से अधिक केंद्रीय औषध अनुसंधान प्रयोगशाला, लखनऊ मे कार्यरत सीएसआईआर के पुन–प्रख्यात वैज्ञानिक की स्मृति में स्थापित किया गया । सोसायटी ने डॉ. एस.सी.नाथ को यह मेडल राष्ट्रीय वानस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में 28 जुलाई, 2011 को आयोजित विशेष समारोह में प्रदान किया गया ।

डॉ. एस सी नाथ, प्रमुख वैज्ञानिक

कोयला बैनिफिकेशन पुरस्कार

डॉ. बी.पी. बरूआ, प्रधान वैज्ञानिक को भारतीय खनिज इंजीनियर संस्थान इंजीनियर संस्थान (आईआईएमई) द्वारा स्थापित विशिष्ट ''कोयला बेनिफिकेशन पुरस्कार'' उनके खनिज इंजीनियरी में उत्कृष्ट व्यावसायिक योगदान के लिए प्रदान किया गया। खनिज प्रकरण प्रौद्योगिकी, 2011 पर बारहवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रोफेसर आर. वेणुगोपाल अध्यक्ष, आईआईएमई और अधिष्ठाता, भारतीय खान स्कूल, धनबाद द्वारा प्रदान किया गया।

डॉ. बी.पी. बरूआ प्रधान वैज्ञानिक

एसएआरसी प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पुरस्कार–2011

''वैज्ञानिक व अनुप्रयुक्त अनुसंधान केंद्र'', चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश द्वारा डॉ. सिद्धार्थ पी. सैकिया, वैज्ञानिक को उनके पौधें जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित ''एसएआरसी प्रतिष्ठित एसएआरसी प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पुरस्कार–2011'' प्रदान किया गया। यह पुरस्कार ''दीर्घकालिक उत्पादकता, गुणता, सुधार और खाद्य सुरक्षा हेतु कृषि–वनस्पति–विज्ञान फसलों में जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान में प्रगति पर संगोष्ठी'' के अवसर पर सरकार वल्लभभाई पटेल कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश में 14–16 सितंबर, 2011 को आयोजित समारोह में प्रदान किया गया ।

डॉ. सिद्धार्थ पी. सैकिया, वैज्ञानिक

श्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार

श्री दीपांक दत्ता और डॉ. दीपक कुमार दत्ता द्वारा रचित और श्री दीपांका दत्ता, तकनीकी सहायक द्वारा प्रस्तुत पोस्टर शीर्षस्थ ''इन–सीटू जनरेशन ऑफ सीयू^{0} –नेनोपार्टिकल्स ऑन मोडीफाईड मोंट मोरील्लोनाईट क्ले एंड देयर कैरेक्टराइजेशन'' को बहोना कालेज, जोरहाट में 20–21 मई, 2011 को ''रीसेंट ट्रेंड इन नेनोसाईंस एंड टैक्नोलॉजी (आरईटीएनएटी, 2011) पर राष्ट्रीय कार्यशाला में श्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार प्रदान किया गया ।

स्कोपस प्रश्नोत्तरी में प्रथम पुरस्कार

उत्तर–पूर्व क्षेत्र विश्वविद्यालयों में एलसेवियर द्वारा की गई स्कोपस प्रश्नोत्तरी में श्री अरविंद गौतम, कनिष्ठ वैज्ञानिक को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह पुरस्कार एलसेवियर विज्ञान व प्रौद्योगिकी, साउथ एशिया, गुड़गांव द्वारा 8 फरवरी, 2012 को प्रदान किया गया।

श्रेष्ठ प्रबंधक प्रतियोगिता में तृतीय विजेता

गुवाहाटी प्रबंधन एसोशिएशन द्वारा हाल ही में आयोजित ''उत्तर–पूर्व श्रेष्ठ प्रबंधक प्रतियोगिता'' में डॉ. दीपनविता वनिक, कनिष्ठ वैज्ञानिक को संयुक्त तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ । होटल लैंडमार्क, गुवाहाटी में 28 जुलाई, 2011 को आयोजित पुरस्कार समारोह में उन्हें पुरस्कार प्रदान किया गया ।

डॉ. दीपनविता वनिक कनिष्ठ वैज्ञानिक

सीएसआईआर–एनईआईएसटी, जोरहाट को राजभाषा कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय स्तर पुरस्कार प्राप्त हुआ

राजभाषा प्रयोग के बेहतर कार्यान्वयन के लिए राजभाषा संस्थान, नई दिल्ली ने सीएसआईआर–एनईआईएसटी, जोरहाट को सोलन, हिमाचल प्रदेश में 27–29 अप्रैल, 2011 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में राष्ट्र स्तरीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह पुरस्कार विशेष रूप से सीएसआईआर–एनईआईएसटी के सूचना एवं व्यापार प्रभाग द्वारा हिंदी में प्रकाशित द्विभाषिक प्रकाशन ''एनईआईएसटी समाचार'' के सम्मान में प्रदान किया गया ।

पुरस्कार मीमेंटो

सीएसआईआर–एनईआईएसटी को हिंदी कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार प्राप्त

राजभाषा संस्थान, नई दिल्ली ने सीएसआईआर–एनईआईएसटी को कार्यालय में राजभाषा के कार्यान्वयन में योगदान के लिए प्रतिष्ठितअखिल भारत स्तरीय पुरस्कार ''कार्यालय दीप'' से सम्मानित किया । यह पुरस्कार भारत की स्वायत्त निकायों के बीच श्रेष्ठ कार्य–निष्पादन के लिए दिया जाता है । यह पुरस्कार डलहौजी, हिमाचल प्रदेश में 9–11 नवंबर, 2011 के दौरान आयोजित सम्मेलन–व–कार्यशाला में प्रदान किया गया ।

पुरस्कार प्रमाणपत्र

त्रिपुरा राज्य विज्ञान मेले 2011–2012 में श्रेष्ठ प्रदर्शनी स्टाल हेतु प्रथम पुरस्कार

सीएसआईआर – एनईआईएसटी ने दौरान त्रिपुरा विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य परिषद और राज्य शिक्षा अनुसंधन व प्रशिक्षण परिषद, त्रिपुरा सरकार द्वारा उमाकांत अकादमी में 5–8 जनवरी, 2012 को आयोजित त्रिपुरा राज्य विज्ञान मेले में भाग लिया। सीएसआईआर – एनईआईएसटी को श्रेष्ठ प्रदर्शनी स्टाल के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

सीएसआईआर–एनईआईएसटी कार्मिक पुरस्कार ग्रहण करते हुए

सीएसआईआर–एनईआईएसटी झांकी को जोरहाट जिला प्रशासन के गणतंत्र दिवस समारोह में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ

सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने 26 जनवरी, 2012 को जोरहाट कोर्ट फील्ड में झांकी परेड में भाग लिया। झांकी, में क्षेत्र विशेषकर और समग्रता में देश के विकास हेतु अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों में संस्थान की प्रारंभ से उपलब्धियों और कार्यकलापों का प्रतिनिधित्व किया और इस अवसर पर श्रेष्ठ झांकी के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

जोरहाट जिला गणतंत्र दिवस समारोह, कोर्ट फील्ड में सीएसआईआर–एनईआईएसटी झांकी

श्री अनंत कुमार शर्मा को साहित्यिक पुरस्कार

श्री अनंत कुमार शर्मा, प्रधान तकनीकी अधिकारी को उनके सूचनापरक कल्पित कथा ''सिमाहिन सितार सिखारे'' के लिए चिल्ड्रन लिटरेरी ट्रस्ट, असम द्वारा साहित्यिक पुरस्कार प्रदान किया गया। स्टेट म्यूजियम कांफ्रेंस हाल, गुवाहाटी में 29 फरवरी, 2012 को आयोजित समारोह में औपचारिक रूप से पुरस्कार प्रदान किया गया।

श्री अनंत कुमार शर्मा प्रधान तकनीकी अधिकारी

प्रशंसा

प्रशंसा प्रमाणपत्र

डॉ. आर.सी. बोराह
उत्कृष्ट वैज्ञानिक

डॉ. आर.सी. बोराह, उत्कृष्ट वैज्ञानिक को अमेरिकन केमिकल सोसायटी पब्लिकेशंस से ''प्रशंसा प्रमाणपत्र'' प्राप्त हुआ। यह प्रमाणपत्र उन्हें अमेरीकन केमिकल सोसायटी (एसीएस) जर्नल्स को प्रस्तुत पाण्डुलिपि की समीक्षा में उनके बहुमूल्य योगदान और समर्पित सेवा के लिए प्रदान किया गया। 2010 थॉमसन रियूटर्स जर्नल साईटेशन के अनुसार साइटेशन अथवा रसायन–विज्ञान की सभी सात श्रेणियों में एसीएस जर्नल का प्रथम स्थान पर है। समीक्षक के रूप में उनका योगदान, वर्ष 2011 के लिए विश्व के वैज्ञानिक समुदाय के समीक्षकों और लेखकों के योगदान सहित, विज्ञान की प्रोन्नति के लिए महत्वपूर्ण माना गया है और सराहा गया है जिससे उत्कृष्टता का मानदण्ड स्थापित हुआ है।

प्रशंसा प्रमाणपत्र

डॉ. एस. महीउद्दीन
प्रमुख वैज्ञानिक

डॉ. एस. महीउद्दीन, प्रमुख वैज्ञानिक को अमेरिकन केमिकल सोसायटी पब्लिकेशंस से ''प्रशंसा प्रमाणपत्र'' प्राप्त हुआ। यह प्रमाणपत्र उन्हें अमरीकन सोसायटी (एसीएस) जर्नल्स को प्रस्तुत पाण्डुलिपि की समीक्षा में वर्ष 2011 के लिए उनके बहुमूल्य योगदान और समर्पित सेवा के लिए प्रदान किया गया। 2010 थॉमसन रियूटर्स जर्नल साईटेशन के अनुसार साईटेशन अथवा रसायन–विज्ञान की सभी सात श्रेणियों में एसीएस जर्नल प्रथम स्थान पर है।

गौरवमय लेखक प्रमाणपत्र

डॉ. प्रीतिश चौधरी
मुख्य वैज्ञानिक

डॉ. प्रीतिश के. चौधरी, मुख्य वैज्ञानिक को ओएमआईसीएस पब्लिकेशन ग्रुप, यूएसए (विज्ञान और प्रौद्योगिकी की प्रगति के लिए एक मुक्त पहुंच कार्यक्रम आयोजक : इंडेक्स कोपरनिक्स द्वारा विश्व में 9वें स्थान पर) से ''रसायन इंजीनियरी और प्रकरण प्रौद्योगिक'' के लिए 2011 वर्ष के उनके लेख शीर्षक। ''ए सिंपल एफीशिएंट प्रोसेस फार द सिंथेसिस ऑफ 16 – डीहाईड्रोप्रीजनेनोन एसीटेट (16–डीपीए) – ए कीय स्टेरायड ड्रग इंटरमीडिएट फ्रोम डायोसजेनिज'' ओओआई, 10.4172/2157–7048.1000117 सहित पूर्ण विषय–वस्तु व पीडीएफ डाउनलोड में क्रमशः 210 व 190 स्कोर प्राप्त करते हुए, प्राप्त किया।

सीएसआईआर–एनईआईएसटी अनुसंधान लेख को उच्च 25 अत्यंत लोकप्रिय लेखों में मान्यता

श्री एम आर दास, आर के सरमा, आर सैकिया, वी एस काले, एम बी शेल्के और पी. सेनगुप्ता द्वारा अनुसंधान लेख शीर्षस्थ'' सिंथेसिस ऑफ सिल्वर नेनोपार्टिकल्स इन एन एक्वियस ससपैंशन ऑफ ग्राफीन ऑक्साइड शीट्स एंड इट्स एंटीमाईक्रोबायल एक्टिवीटी'' जर्नल ''कोलोइड्स एंड सर्फेसीज बी : बायोइंटर केसिज 2011, 3(1), 16–22 में प्रकाशित को 25 अत्यंत लोकप्रिय के एससीआई वर्स साइंस डायरेक्ट द्वारा मान्यता दी गई है। यह दुर्लभ उपलब्धि सीएसआईआर – एनईआईएसटी के अनुसंधान वैज्ञानिकों के लिए मनोबल वर्धक के रूप में आई है।

सीएसआईआर–एनईआईएसटी अनुसंधान लेख को उच्च 10 उद्धृत शोध–पत्रों में प्रथम मान्यता

अनुसंधान शोध–पथ शीर्षस्थ ''एन एफीशिएंट एंड वन पोट सिंथेसिस ऑफ इमीडाजोलाईंस एंड बैंजीमाइडजोल्स वाया एनाईरोबिक ऑक्सीडेशन ऑफ कार्बन–नाईट्रोजन बोन्ड्स इन वाटर'' के लेखक, गोगोई पी और कोनवार डी, टेट्राहीड्रोन लैटर्स, खण्ड 47, निर्गम 1, 2006, पृष्ठ : 79–82 को विगत पांच वर्षों में प्रकाशित उच्च दस उद्धृत शोध–पत्रों में से प्रथम के रूप में मान्यता दी गई है। इसे शोध–पत्र को टेटराहीड्रोन लैटर्स के प्रकाशक एलसेवियर पब्लिकेशंस द्वारा श्रेष्ठ उद्धृत 50 शोध–पत्रों के रूप में दो बार मान्यता दी गई है।

सीएसआईआर–एनईआईएसटी अनुसंधान लेख को उच्च 10 अत्यधिक पठित नेनेस्केल लेख

अनुसंधान–पत्र शीर्षस्थ ''सिलिकोन नेनोवायर एरेयस–इंड्यूस्ड ग्राफेन ऑक्साइड रिडक्शन अंडर यूीव इरैडिएशन'' को कोलोइड्स एंड सर्फेसिस बी, बायोइंटर फेसिस (मार्च से जून 2011), 2011, 83(1), पृष्ठ : 16–22 द्वारा 25 उच्च लेखों में मान्यता प्राप्त हुई है। क्वार्डा फेलाही, मानश आर दास, यांत्रिक कोफीनियर, सबीने सुजुनेरिट्स, टोउफिक हाडजेर्सी, मुस्तफा मामाचे और राबाह बोउखेरोब लेखकों द्वारा।

''ग्रीन कैमिस्ट्री'' (रॉयल सोसाइटी) के जर्नल में उच्च 10 (दस) अति अभिगम लेख

''स्टैबलाइजेशन ऑफ सीयू^{0} – नेनोपार्टिकल्स इन्टू द नेनोपोर्स ऑफ मोडिफाइड मोटंमोरिल्लोनाईट : एन इम्प्लीकेशन ऑन कैटेलिटिक एप्रोच फॉर ''क्लिक'' रिएक्शन बिटमीन एजीडेस एंड टर्मिनल अलकीनेस'', बिबेक ज्योति बोराह, दीपांकर दत्ता, पार्था प्रतीम सैकिया, नबीन चन्द्रा बरूआ, दीपक कुमार दत्ता, ग्रीन कैम. 13 (12), (2011) 3453–3460 (आई.एफ. 5.47) । कैटेलिस्ट कम्यूनिकेशन जर्नल में उच्च 25 (पच्चीस) अत्यधिक डाउनलोड लेख (सीनरर्से साइंसडायरेक्ट से) ''एफिशिएंट क्ले सपोर्टिड एनआई^{0} नेनो पार्टिकल्स एज हेट्रोजिनियस कैटेलिस्ट फॉर सोल्वेंट – फ्री सिंथेसिस ऑफ हैटणय पोलीहाईड्रा क्विनोलाईन'', लक्ष्मी सैकिया, दीपांकर दत्ता, दीपक कुमार दत्ता, कैटेलिस्ट कम्यूनिकेश 9 (2012) 1–4 (आई.एफ. 2.83)

पुष्प प्रदर्शनी

पुष्पकृषि अनुभाग, सीएसआईआर–एनईआईएसटी, जोरहाट ने 12 फरवरी, 2012 को महिला क्लब, सीएसआईआर–एनईआईएसटी द्वारा समुदाय केंद्र परिसर में आयोजित पुष्प प्रदर्शनी व कुकिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। प्रतियोगियों में पुष्पकृषि अनुभाग, सीएसआईआर – एनईआईएसटी को विभिन्न प्रतियोगिताओं में निम्नलिखित पुरस्कार प्राप्त हुए :

कट फ्लावर	ग्लेडिओलस	प्रथम पुरस्कार
	दहलिया	प्रथम व तृतीय पुरस्कार
	मैरीगोल्ड	प्रथम व तृतीय पुरस्कार
पोट प्लांट	फ्लावरिंग	प्रथम व द्वितीय पुरस्कार
	गैर–फ्लावरिंग	द्वितीय पुरस्कार
पुष्प व्यवस्था		द्वितीय पुरस्कार

उपकमित परियोजनाएं

परामर्शी

क्रम सं.	परियोजना	निधीयन एजेंसी	संविदा मूल्य रूपए (लाख) में
1.	मिजोरम के विभिन्न गांवों के ग्रामीण क्षेत्र में सुगंधित तेल प्रक्रमण उद्योग का विकास और तकनीकी सेवाएं, प्रशिक्षण आदि प्रदान करना । पी.आई. : डॉ. पी.आर. भट्टाचार्यी, एसपीएस हेतु मृदा परीक्षण	उद्योग निदेशालय, मिजोरम सरकार, खाटला, आईजोल–796001	786520.00
2.	पर्यावरण संरक्षण के लिए हरियाली बनाते हुए ड्रिल स्थलों को दुरूस्त करके मार्ग बनाना : एनईआईएस टी, जोरहाट, असम द्वारा पी. आई : डॉ. नीलिमा सैकिया	ओएनजीसीएल, असम एसेट ओ.टी. कॉम्प्लैक्स, शिवसागर	4789000.00
3.	एनआरएल तितली घाटी में तितली जनसंख्या अध्ययन पी.आई. : डॉ. मंटु भुयान, एससी	नुमालीगढ़ रिफाईनरी लिमिटेड	2855268.00
4.	कोनया कोयले, ट्यूनसंग जिला, नागालैंड से कोक ब्रीज के निर्माण हेतु तकनीकी–आर्थिक अध्ययन पी.आई. : डॉ. बी.पी. बरूआ, पीएस	भू–विज्ञान व खनन निदेशालय, नागालैंड सरकार, दीमापुर	800000.00
5.	नुमालीगढ़ रिफाईनरी में टाउनशिप फेज–।।। और वैक्स परियोजना का मृदा परीक्षण पी.आई. : पी. बरकाकती, एसपीएस	नुमालीगढ़ रिफाईनरी लिमिटेड	1752750.00
6.	आईओसीएल, डिगबोई, रिफाईनरी असम में एनसीटीएस, एनओबीएस और डब्ल्यूपीएस हेतु मृदा परीक्षण पी.आई. : श्री पी. बरकाकती, एसपीएस	इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड, एओडी, डिगबोई	691350.00
7.	कोयले और कोयला अवशिष्ट से मृदा कंडीशनर के ि नर्माण हेतु व्यवहार्यता अध्ययन पी.आई. : डॉ. बी.पी. बरूआ, पी एस	भू–विज्ञान व खनन निदेशालय, नागालैंड सरकार, दीमापुर	250000.00
8.	करंगा, जोरहाट, असम में चाकू निर्माण झुरमुट पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के एफसी तैयार करना पी.आई. : श्री दीपांकर नियोग, एससी	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, डिफू	109000.00

सहायता अनुदान

क्रम सं.	परियोजना	निधीयन एजेंसी	संविदा मूल्य रूपए (लाख) में
1.	उत्तर–पूर्वी भारत में विनाश न्यून करने के लिए ऑन–लाईन/वास्तविक समय भूकंपीय नेटवर्क	उत्तर–पूर्वी परिषद, शिलांग–793001, भारत सरकार	42600000.00
2.	चेडरांग फाल्ट में भूकंप स्रोत एवं भूमि गतिशीलता और ब्राडबैंड इंस्ट्रूमेंटेशन के जरिए उसकी परिधि का मॉडल बनाना : एनईआर, भारत में भूकंप जोखिम के अनुमान की अवधारणा पी. आई : डॉ. सौरभ बरूआ, एसपीएस	डीएसटी, नई दिल्ली	6611000.00
3.	कृषि व सहायक क्षेत्रों (एएमएएएस) में माईक्रोआर्गेनिज्म का अणुजीव विविधता और अभिज्ञान अनुप्रयोग पी.आई. : डॉ. रतुल सैकिया, एसएस	नेशनल ब्यूरो ऑफ एग्रीकल्चरली इंपोर्टेंट माईक्रोआर्गेनिज्म (एनबीएआईएम), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद	4199024.00
4.	ऊपरी ब्रहमपुत्र घाटी की नोआ दिहिंग और बुरही दिहिंग नदियों के बीच बाढ़ संवेदी कछारी मिट्टी में यूकारयोटिक हाईफोमीसीटस समूह की फफूंदी की विविधता एवं बाहुल्यता पी.आई. : डॉ. परन बरूआ, एसपीएस	डीएसटी, नई दिल्ली	1840000.00
5.	असम के दक्षिणी ब्रह्मपुत्र कोरिडोर में अणुजीव (बैक्टीरिया) का सर्वेक्षण, विलयन और प्रारंभिक चित्रण पी.आई. : डॉ. बी.जी. उन्नी, सीएस	डीएसटी, नई दिल्ली	1657000.00
6.	गुणता ''सोइबम'' के लिए उत्पादन प्रौद्योगिकी और इसमें मूल्य–वृद्धि पी.आई. : डॉ. टी.सी. बोरा, एसपीएस	डीएसटी, नई दिल्ली	2192800.00
7.	सुपर उच्च शक्तिवान प्रोपैंटस का विकास पी.आई. : डॉ. डी.के. दत्ता, सीएस	तेल उद्योग विकास बोर्ड, पैट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	3350000.00

8.	अरूणाचल प्रदेश से कुछ ग्रेफाईट भंडारों का लाभान्वित ि चत्रण और उपयोगिता अध्ययन पी.आई. : डॉ. पी.सेनगुप्ता, सीएस	खनन मंत्रालय, भारत सरकार, लोकनायक भवन, खान मार्केट, नई दिल्ली	2630000.00
9.	बीटीआईएस नेट की एक योजना बायोइंफार्मेटिक्स (बीटीबीआई) के जरिए जीव–विज्ञान, शिक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए बाया `इंर्फोमेटिक संरचना सुविधा (बीआईएफ) का सृजन पी.आई. : डॉ . आर एल बेजबरूच, एसपीएस	डीबीटी, बायोइंफोर्मेटिक डिवीजन, नई दिल्ली	3589000.00
10.	तेजपुर–असम में गैर–चमड़ा फुटवीयर प्रशिक्षण व उत्पादन केंद्र की स्थापना पी.आई. : श्री दीपांकर नियोग, एससी	मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली	7000000.00
11.	एनईआर एफआईएसटी पैकेज के अंतर्गत एनईआर विश्वविद्यालय के अंतर्गत एनईआर विश्वविद्यालय से संबद्ध 58 पूर्व स्नातक कॉलेजों के लिए एनईआईएसटी, जोरहाट को उपकरणों, कॅम्प्यूटर प्रयोगशाला एवं प्रयोगशाला स्थल के नवी करण हेतु वित्तीय सहायता पी.आई. : डॉ. एल नाथ, सी एस	डीएसटी, नई दिल्ली	293000000.00
12.	अरूणाचल हिमालय के अग्रभाग पर 1950 असम अरूणाचल भूकंप के मीजोसिसमल क्षेत्र का प्रभावी वास्तु–शिल्प पी.आई. : डॉ . (सुश्री) आर .एम. देवी, (डब्ल्यू ओ एस–ए)	डीएसटी, नई दिल्ली	1506000.00
13.	तितली और कीट–पतंगों का अध्ययन–पूर्वी हिमालय के तीन पनढालों के विशिष्ट कीट–पतंग पी.आई. : डॉ. मंटु भुयान, एससी	डीएसटी, नई दिल्ली	1307900.00
14.	गैर–फलियों वाले इम्बोफेगोन विंटरिएनस नोविट में नोडूलेशन व नाईट्रोजन का निर्धारण पी.आई. : डॉ.एस.पी. सैकिया, एससी	डीएसटी, नई दिल्ली	1860000.00

15.	मूगा रेशमकीडे, एंथीरेए या एसमेनिसिस टेल्फर में पुनः उत्पादन और उर्वरकता में वृद्धि का एंडोक्राईन नियमन पी.आई. : बी जी उन्नी, सीएस	डीएसटी, नई दिल्ली	288000.00
16.	स्टीरोईडिल बी–रिंग आशोधन के माध्यम से जैविकी संभावनाओं का संश्रलेषण पी.आई. : डॉ. आर सी बरूआ, ओएस	डीएसटी, नई दिल्ली	1718600.00
17.	डिमिनो डाईल्स–एल्डर व डिपोलर कार्बाजोल्स एवं कार्बोलाइंस के संश्रलेषण में साईक्लोएडीशन प्रतिक्रिया : कार्बाजोल के कुछ नए एनालोग अ ैर कार्बोलाईन का संश्रलेषण और उनकी बायो क्षमता की परख करना पी.आई. : डॉ. पी जे भुयान, एसपीएस	डीएसटी, नई दिल्ली	1718600.00
18.	टैक्नोप्रीन्योर प्रोमोशन प्रोग्राम (टीईपीपी) आउटरीच सैंटर (टीयूसी) पी.आई. : श्री दीपांकर नियोग, एससी	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, डीएसटी, नई दिल्ली	2000000.00
19.	सैलूलोज नैनोपार्टिकल्स पर आधारित प्राकृतिक तरीके से सड़नशील पोलिमेरिक मिश्रित : पैट्रोलियम आधारित पोलिमर मिश्रित का एक विकल्प पी.आई. : डॉ. एस डी बरूआ, एसपीएस	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, डीएसटी, नई दिल्ली	3188800.00
20.	मणिपुर के कुछ चयनित औषधीय पौधों के रसायन अनुसंधान, ट्रेस तत्व विश्लेषण और जैविक कार्यकलाप पी.आई. : डॉ. एच बी सिंह, एसएस	आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	1000000.00
21.	वायरलैस सैंसर नेटवर्किंग का प्रयोग करते हुए भारत के उत्तर–पूर्वी क्षेत्रों के लिए भू–स्खलन निगरानी प्रणाली विकसित करना पी.आई. : डॉ. पी सी सरमाह, एसपीएस	संचार और सूचना मंत्रालय	2911000.00
22.	विरल घोल से डोलवेंट वसूली हेतु नेनोस्ट्रक्चर्ड का विकास पी.आई. : डॉ. (श्रीमती) स्वपनली हजारिका	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	2105200.00

23.	उत्तर–पूर्वी क्षेत्र की प्राकृतिक डाई निकालने हेतु पर्यावरणीय हितकर प्रक्रिया की प्रौद्योगिकी पी.आई. : डॉ. एम एन बोरा, एसटीओ (3)	पर्यावरण एवं वन मंत्रालय	2186100.00
24.	उत्तर–पूर्वी भारत के सिस्मोटैक्टोनिक्स विशेषकर भूकंप स्रोत पैरामीटर दवाबक उलटाव का अनुमान पी.1 : सुश्री सुमाना गोस्वामी, डब्ल्यू ओ एस–ए	डीएसटी, नई दिल्ली	1028000.00
25.	अदरक और हल्दी की किस्मों की स्थल विशिष्ट पहचान, गुणवत्ता पौध–रोपण सामग्री उत्पादन, कीड़े–पैस्ट और रा `ग प्रबंधन, रसायन चित्रण और विशेषता धारित उत्पादों का विकास पी.आई.: डॉ. पी.आर. भट्टाचार्यी, एसपीएस	डीएसटी, नई दिल्ली	1674000.00
26.	इलैक्ट्रोएनेलिटिकल तकनीक का प्रयोग करते हुए बड़े पैमाने में कुछ औषधियों, खुराक तरीके और जैविक फ्लूड की प्रणाली, विकास, विधिमान्यता और निर्धारण पी.आई. : डॉ. केइशम राधा प्यारी	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	1642310.00
27.	कुछ बहुमुखी स्टेरोइडल अणुओं का संयोजन : नाईन मेम्बर्ड डी–रिंग स्टेराइड और केमेरिक 7 ए – प्रतिस्थापित व्युत्पन्न सहित, हाईब्रिड अणुओ ं के संयोजन की अवधारणा पी.आई. : डॉ. (श्रीमती) अर्चना मोनी दास	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	1215000.00
28.	डीएनए क्लब–डीबीटी–टीईआरआई उत्तर–पूर्वी के स्कूलों (मणिपुर के 57 स्कूल) को परामर्श पी.आई. : डॉ. एच बी सिंह, एसएस	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	21384000.00
29.	मणिपुर राज्य उत्तर–पूर्वी भारत में सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए वन्य खाद्य पौधों का बायोप्रोस्पेक्टिंग पी.आई. : डॉ . अलका जैन (डब्ल्यू ओएस–ए)	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	1960839.00

30.	इंटर और इन्ट्रामोलिक्यूटर साईक्लोएडीशन एसटीआर पर आधारित जैविक महत्व के नोवल पाइरामाइडिंग का संयोजन पी.आई. : डॉ. दीपक प्रजापति, सीएस	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	1529500.00
31.	सोलिड/वाटर इंटरफेस पर बेहतर परिभाषित आर्गेनिक एसिड/एनियन के अधिशोषण पर आयन विशिष्टता पी.आई. : डॉ. एस. महीउद्दीन, सीएस	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	2152000.00
32.	कोयला आधारित उद्योगों से उत्सर्जन–भविष्यसूचक मॉडलों (ईई–42) का विकास पी.आई. : डॉ . (श्रीमती) पूजा खरे, एससीटी	केंद्रीय खनन योजना व डिजाईन संस्थान लिमिटेड	8246000.00
33.	उत्तर–पूर्वी विज्ञान व प्रौद्योगिकी संस्थान (एनईआईएसटी), जोरहाट–758006 (असम) द्वारा चार अभिप्रेरक कार्यक्रम पी.आई. : डॉ. पी सी नियोग, एसपीएस	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	760000.00
34.	जोखिम पर क्षेत्र स्तरीय कार्यशाला–न्यूनतम जोखिम, अधिकतम जागरूकता पी.आई. : डॉ. पी सी नियोग, एसपीएस	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	330000.00
35.	एनईआईएसटी, जोरहाट (सीएसटीआरआई केंद्र–एनईआईएसटी) में ग्रामीण भारत केंद्र के लिए विज्ञान व प्रौद्योगिकी परिषद पी. आई : श्री दीपांकर नियोग, एससी	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	3200000.00
36.	कांगला किला, इंफाल, मणिपुर के अंदर हर्बल बगीचा पी.आई. : डॉ. एच बी सिंह, एसएस	पुरातत्व विभाग, मणिपुर सरकार	616000.00
37.	भारत और यूरोप में खाद्य प्रक्रमण अपशिष्ट के गहन प्रबंधन में अग्रिम वृद्धि : उप–उत्पादों के उपयोग हेतु दीर्घकालिक प्रौद्योगिकियों का नए खाद्य एवं चारे में प्रयोग पी.आई. : श्री पी.के. गोस्वामी, एससी	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	24321000.00
38.	भूकंपीय जोखिम न्यूनीकरण पर लक्षित सुदृढ़ जमीनी गति मापदंडों के मॉडल और अनुमान । (भारत–रूस संयुक्त परियोजना) पी.आई. : डॉ. सौरभ बरूआ, एसपीएस	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	816000.00

39.	श्री मोहम्मद एबीडी अल्लाहई 1–इनीन मबरूक गाड के लिए डीबीटी–टी डब्ल्यू एसी जैव प्रौद्योगिकी फैलोशिप पी.आई. : श्री मोहम्मद एबीडी अल्लाह गाड	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	471454.00
40.	डॉ. राजू खा न, वैज्ञानिक– IV (2) को बीओवाईएससीएएसटी फैलोशिप पी.आई. : डॉ. राजू खान, एससीटी	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	1609000.00
41.	उत्तर–पूर्वी क्षेत्र के लोगों के विशेष संदर्भ में फ्लोराइड दूषित पानी से फ्लोराइड दूर करने हेतु न्यून लागत प्रक्रिया का विकास पी.आई.: डॉ . (श्रीमती) ए . गोस्वामी, एसपीएस	पर्यावरण एवं वन मंत्रालय	1538838.00
42.	भू–परिणामों के विश्लेषण के बाद ईंट निर्माताओं के लिए टाइड भूमि के उपयोग हेतु प्रोटोकोल्स का नियोजित विकास पी.आई. : डॉ. पी. सेनगुप्ता, सीएस	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	2471119.00
43.	मणिपुर और असम में चावल खेती में प्रयोग हेतु पौध विकास उन्नति सहित अणुजीव बायोनोक्यूलैंटस के फार्मूलेशन का विकास और बायो कंट्रोल गतिविधियां पी.आई. : डॉ. एचपी देकबोरूआ, एसएस	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	2815000.00
44.	यूमोरोक मिर्च और हल्दी को सुखाने हेतु आर्थिक प्रक्रिया का विकास और उनकी स्थिरता सहित गुणवत्ता मूल्यांकन पी.आई. : श्री पी.के. गोस्वामी, सीएस	खाद्य प्रक्रण उद्योग मंत्रालय, पंचशील भवन, अगस्त क्रांति मार्ग, नई दिल्ली	3104000.00
45.	अभियंताी अनुप्रयोगों हेतु कोयर फाइबर का प्रयोग करते हुए नवीन यौगिक सामग्री का संश्लेषण पी.आई. : डॉ. दिपुल कालिता, एससी	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय	1721600.00
46.	कैंडीडा एलबीकन्स के प्रतिरोध के लिए नवीन प्रतिजैविक का विकास–अनुसंधान छात्रवृत्ति पी.आई. : सुश्री श्रुति तालुकदार	लेडी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट, बोम्बे हाउस, मुंबई–400001	277200.00

47.	संरचनात्मक आशोधनों द्वारा कुछ जैविक सामर्थ्य स्टेराईडल हैट्रोसाईकल्स का संश्लेषण पी.आई. : डॉ. (श्रीमती) जोनाली गोस्वामी	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	2080000.00
48.	भारत के उ त्तर–पूर्व राज्यों के लिए विशेष कार्यक्रम के अंतर्गत डीबीटी द्वारा संस्थागत जैविक हब (आईबीटी हब) की स्थापना पी.आई. : डॉ . आर.एल. बेजबरूआ, एसपीएस	बायोटैक कंसोर्टियम इंडिया लिमिटेड	2700000.00
49.	उत्तर–पूर्वी भारत के पौधों और अपशिष्टों का मानयोजित उत्पाद में उपयोग : पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकी पी.आई. : डॉ. (श्रीमती) अर्चना मोनी दास	उत्तर–पूर्व परिषद	2225000.00
50.	विभिन्न बॉस और बेंत वस्तुओं पर प्रयुक्त हेतु उपयुक्त, गैर–चिकनी वेधनरोधी पॉलीमेरिक संघटक की प्रक्रिया का विकास पी.आई. : डॉ. दिपुल कालिता, एससी	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	993200.00
51.	बेहतर राख और सल्फर भारतीय कोयले से साफ कोयले के उत्पादन की प्रौद्योगिकी विकसित करना : उच्च सल्फर एनईआर कोयले का डिसल्फराईजेशन पी.आई. : डॉ. बी.पी. बरूआ, पीएस	ईस्पात मंत्रालय, नई दिल्ली	19376000.00
52.	उत्तर–पूर्व भारत में एक्वीलेरा मेलासेंसिस की जनसंख्या आनुवांशिक संरचना के निर्धारण हेतु आणविक मार्कर विकसित करना : इसके प्रयोग और संरक्षण का अनुमान पी.आई. : डॉ. बी.एस. भाऊ, एसएस	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	4593000.00
53.	असम की पृथ्वी संबंधी पर्यावरण–प्रणाली में कार्बन पृथकीकरण का दीर्घकालिक स्थिरता हेतु अनुप्रयोग पी.आई. : डॉ. एच पी देकबरूआ, एसएस	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	6037863.00
54.	हेलोपेल्टिस थीवोरा के जैविक–पारिस्थितिकी पर अध्ययन और प्रभावी प्रबंधन हेतु इसके भा र के पूर्वानुमान मॉडल का विकास पी.आई. : डॉ. मंटु भुयन, एससी	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	3766000.00

55.	उत्तर–पूर्व भारत के कुछ विलुप्त प्रायः पौधों का उनकी ग्राहयता काय ंकलापों के विशेष संदर्भ में, औषध विज्ञानी अध्ययन और आणविक चरित्र–चित्रण पी. आई : डॉ. एम.जे. बोर्डोलियो, एसपीएस	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	1565000.00
56.	अदरक की उपज बढ़ाने के लिए एंड्रोजेनिक हैप्लायड के उत्पादन हेतु जैव प्रौद्योगिकी मध्यवर्तन पी.आई. : डॉ. बी.एस. भाऊ, एसएस	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	1387000.00
57.	असम और अरूणाचल प्रदेश के प्रतिबंधित वन क्षेत्र से वियुक्त स्ट्रेप्टोमाईसिज पैदा करने वाले सूक्ष्म जीवविरोधी तत्वों की आनुवंशिकी विविधता पी.आई. : डॉ. रतुल सैकिया, एसएस	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	2876000.00
58.	उत्तर–पूर्वी क्षेत्र के चयनित औषधीय व सुगंधित पौधों (एमएपी) का उनके प्रभावी उपयोग हेतु जैविक मध्यवर्तन पी.आई. : डॉ . पी आर भट्टाचार्यी, एसपीएस	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	7840000.00
59.	उपज वृद्धि योजना बनाकर सैल द्वारा उपचारात्मक संयोजनों के उत्पादन करना और टिनोसपोरा कोर्डिफोलिया (वाइल्ड) के टिशु की जुताई । मियर्स एक्स हुक । एफ. व थोम्स । पी.आई. : डॉ. वी.एस. भाऊ, एसएस	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	1297000.00
60.	डोमिनो प्रिंस साइकलाइजेशन रिएक्शन : नोबल अति प्रयोगात्मक टेट्राहाईड्रोपाइरल पाईपराईडिन व्युत्पन्न का संश्र्लेषण पी.आई. : डॉ. गकुल बैश्या, एससी	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	2420000.00
61.	भू–भौतिकी मापदंडों को अपनाते हुए पूर्वी सिंटेक्सिएल बैंड, निचली डिबांग घाटी व लोहित, जिला, अरूणाचल हिमालय के अग्रभाग पर्वत के साथ प्रभावी वास्तुशिल्प व पेलिओ सिसमिक अध्ययन पी.आई. : डॉ. आर एम देवी, (डब्ल्यू ओ एस–ए)	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	

62.	रतनजोत कर्कस में अनुकूलनीयता और तेल प्राप्ति हेतु आनुवांशिक सुधार (न्यू मिलेनियम इंडियन टैक्नॉलोजी लीडरशिप इनिशिएटिवयोजना, एनएमआईटी एलआई) पी.आई. : एसपी सैकिया, एससी	टीएनबीडी प्रभाग, सीएसआईआर, नई दिल्ली	7114000.00
63.	मधुमेह के उपचार हेतु नवीन डीपीपी– IV दमनकर पी.आई. : डॉ. एन सी बरूआ, एससी जी	सीएसआईआर, मुख्यालय, नई दिल्ली	8100000.00

परिपूर्ण परियोजनाएं

परामर्शी

क्रम सं.	परियोजना	निधीयन एजेंसी	संविदा मूल्य रूपए (लाख) में
1.	पर्यावरण संरक्षण के लिए हरियाली बनाते हुए ड्रिल स्थलों को दुरूस्त करके मार्ग बनाना : एनईआईएसटी,जोरहाट, असम द्वारा पी.आई : डॉ (सुश्री) नीलिमा सैकिया, एससीई ।	ओएनजीसीएल, असम एसैट, ओ.टी. कॉम्प्लैक्स, शिवसागर	4789000.00
2.	आईओसीएल, डिगबोई रिफाईनरी, असम में एनसीटीएस एनओबीएस और डब्ल्यू पीएस के लिए मृदा परीक्षण पी. आई : श्री पी. बरकाकती, एसपीएस ।	इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड, एओडी, डिगबोई	691350.00

सहायता अनुदान

क्रम सं.	परियोजना	निधीयन एजेंसी	संविदा मूल्य रूपए (लाख) में
1.	चेडरांग फाल्ट में भूपंक स्रोत एवं भूमि गतिशीलता और ब्राडबैंड इन्सट्रूमेंटेशन के जरिए इसकी परिधि का मॉडल बनाना एवं ईआर, भारत में भूकंप जोखिम के अनुमान की अवधारणा पी. आई : डॉ सौरभ बरूआ, एसपीएस।	डी एस टी, नई दिल्ली	6611000.00
2.	ऊपरी ब्रह्मपुत्र घाटी की नोआ दिहिंग और बुरही दिहिंग नदियों के बीच बाढ़ संवेदी कछारी मिट्टी में यूकारयोटिक हाईफोमीसीटस समूह की फफूंदी की विविधता एवं बाहुल्यता पी.आई. : डॉ. परण बरूआ, एस पी एस	डी एस टी, नई दिल्ली	1840000.00
3.	गुणता "सोइबम" के लिए उत्पादन प्रौद्योगिकी और इसमें मूल्य–वृद्धि पी.आई. : डॉ. टी.सी. बोरा, एस पी एस	डी एस टी, नई दिल्ली	2192800.00

4.	सुपर उच्च शक्तिवान प्रोपैंटस का विकास पी.आई. : डॉ. डी.के. दत्ता, एसपीएस	तेल उद्योग विकास बोर्ड, पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	3350000.00
5.	अरूणाचल हिमालय के अग्रभाग पर 1950 असम अरूणाचल भूकंप के मीजोसिसमल क्षेत्र का प्रभावी वास्तु–शिल्प पी.आई. : डॉ. (सुश्री) आर.एम. देवी, (डब्ल्यू ओ एस–ए)	डी एस टी, नई दिल्ली	1506000.00
6.	तितली और कीट–पतंगों का अध्ययन–पूर्वी हिमालय के तीन पनढालों के विशिष्ट कीट–पतंग पी.आई. : डॉ. मंटु भुयान, एस सी	डी एस टी, नई दिल्ली	1307900.00
7.	गैर–फलियों वाले इम्बोफेगोन विंटरिएनस जोविट में नोडूलेशन व नाईट्रोजन का निर्धारण पी.आई. : डॉ. एस.पी. सैकिया, एस सी	डी एस टी, नई दिल्ली	1860000.00
8.	विज्ञान व प्रौद्योगिकी (एनईआईएसटी) का उत्तर–पूर्वी संस्थान, जोरहाट–785006 (असम) द्वारा चार अभिप्रेरक कार्यक्रम पी. आई : डॉ. एस पी सैकिया, एसपीएस	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	760000.00
9.	जोखिम – न्यूनतम जोखिम, अधिकतम जागरूकता पर क्षेत्र स्तरीय कार्यशाला पी.आई. : डॉ. पी.सी. नियोग, एसपीएस	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	330000.00
10.	डॉ. राजू खान, वैज्ञानिक– IV (2) को बॉयकास्ट फैलोशिप पी. आई : डॉ. राजू खान, एससीटी	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	1609000.00

चालू परियोजनाएं

परामर्शी

क्रम सं.	परियोजना	निधीयन एजेंसी	संविदा मूल्य रूपए (लाख) में
1.	एनसीटीएस, एनओबीएस और आईओसीएल में डब्ल्यूपीएस, डिगबोई रिफाईनरी, असम हेतु मृदा परीक्षण 1 पी.आई. : श्री पी. बरकाकती, एसपीएस	इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड, एओडी, डिगबोई	691350.00
2.	कोयला और कोयला अपशिष्ट से मृदा कंडीशनर के निर्माण हेतु व्यवहार्यता अध्ययन पी.आई. : डॉ. बी.पी. बरूआ, पीएस	भू–विज्ञान एवं खनन निदेशालय, नागालैंड सरकार, दीमापुर	250000.00
3.	करांगा, जोरहाट, असम में चाकू निर्माण झुरमुट पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पी.आई. : श्री दीपांकर नियोग, एससी	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, दीफू	109000.00

सहायता अनुदान

क्रम सं.	परियोजना	निधीयन एजेंसी	संविदा मूल्य रूपए (लाख) में
1.	अदरक के पुनरूत्पादन व शीध्रता लाने के लिए एंड्रोजेनिक हैप्लांइड के उत्पादन हेतु जैव प्रौद्योगिकी मध्यवर्तन पी.आई : डॉ. बी.एस. भाऊ, एस एस	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	1387000.00
2.	असम और अरूणाचल प्रदेश के संरक्षित वन क्षेत्र से स्ट्रेप्टोमाइसिस उत्पन्न करने वाले सूक्ष्म जीवीरोधी तत्वों की आनुवांशिकी विविधता पी.आई. : डॉ. रूतुल सैकिया, एसएस	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	2876000.00
3.	एनईआर के चयनित औषधीय व सुगंधित पौधों (एम ए पी) पर उनके प्रभावी उपयोग के लिए जैव प्रौद्योगिकी मध्यवर्तन पी.आई. : डॉ . पी आर भट्टाचार्य, एसपीएस	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	7840000.00

4.	उपज वृद्धि योजना बनाकर सैल द्वारा उपचारात्मक संयोजनों का उत्पादन करना और टिनोसपोरा कोर्डियोफोलिया (वाइल्ड) के एफ. व थोम्स पी.आई : डॉ.बी.एस. भाऊ, एसएस	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	1297000.00
5.	डोमिनो प्रिन्स साइकलाइजेशन रिए क्शन : मोवल अति–प्रयोगात्मक टेट्राहाईड्रोपाइरन पाईपराईडिन व्युत्पन्न का संश्र्लेषण पी. आई : डॉ. गकुल वैश्या. एस.सी.	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	2420000.00
6.	भू–भौतिकी मापदंडों को अपनाते हुए पूर्वी सिंटेक्सिएल बैंड, निचली डिबांग घाटी व लोहित, जि ला, अरूणाचल हिमालय के अग्रभाग पर्वत के साथ प्रभावी वास्तुशिल्प व पोलिओ सिसमिक अध्ययन पी.आई : डॉ . आर एम देवी, (डब्ल्यू ओ एस–ए)	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	2000000.00

उद्योग को प्रदत्त प्रकियाएं

प्रक्रिया	पक्ष	लाईसेंस राशि
सिट्रेनेल पर कृषि–प्रौद्योगिकी	श्री पबित्रा गोगोई, सरकारी पंजीकृत ठेकेदार व आर्डर आपूर्तिकर्ता, डाक–सिरिपुरिया, एओसी रोड, तिनसुखिया–786145	0.30
मशरूम बुआई उत्पादन प्रौद्योगिकी	श्री बसंता चीरिंग फूकन, चेंगेली चुक, डाक : बीरिना सायेक, जोरहाट–785 632	0.10
	नॉर्थ ईस्टर्न स्माल स्केल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (नेसिया), डिस्ट्रिक्ट फ्रीडम फाइटर्स बिल्डिंग, के के हैंडिक पथ, सर्किट हाऊस के नजदीक, जोरहाट, असम	शून्य
न्यून बुरादा चाक पैंसिल	नॉर्थ ईस्टर्न स्माल स्केल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (नेसिया), डिस्ट्रिक्ट फ्रीडम फाइटर्स बिल्डिंग, के के हैंडिक पथ, सर्किट हाऊस के नजदीक, जोरहाट, असम	शून्य
तरल गंधहारक क्लीनर	नॉर्थ ईस्टर्न स्माल स्केल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (नेसिया), डिस्ट्रिक्ट फ्रीडम फाइटर्स बिल्डिंग, के के हैंडिक पथ, सर्किट हाऊस के नजदीक, जोरहाट, असम	शून्य
	सीएसआईआर–नीस्ट–एनआरडीसी– नई दिल्ली और श्री राजीव कुमार, मैसर्ज जोनी बोनी आर्गेनिक कैमिकल्स, डाक–शाहपुर, शिव कॉलोनी, आईस फैक्ट्री के नजदीक, मंगलापुर मंडी, मुजफ्फरनगर–251318 (यू पी)	0.28

पेटेंट

भारत में अनुदत्त

शीर्षक	:	ए सिंगल पोट प्रोसेस फॉर द प्रीपरेशन ऑफ स्टिरोयडल [17, 16–सी] थीओपइरन्स
आविष्कारक	:	रोमेश चन्द्र बरूआ, दीपक प्रजापति, कुशाल चन्द लेखक
पेटेंट संख्या	:	247949
अनुदत्त की तारीख	:	06.06.2011
शीर्षक	:	एन इम्प्रूवड प्रेसिस फॉर द कार्बोनाइलेशन ऑफ मीथानोल यूजिंग रोहडियम कार्बोनायल कम्प्लेक्सिस ऑफ नाईट्रोजन डोनर्स लीजेंड्स
आविष्कारक	:	दीपक कुमार दत्ता, मानव शर्मा, प्रताप छूतिया, नंदिनी कुमारी, मदन गोपाल पाठक
पेटेंट संख्या	:	248428
अनुदत्त की तारीख	:	14.07.2011
शीर्षक	:	एन इम्प्रूवड प्रोसेस फॉर द प्रीपरेशन ऑफ सब्सिट्यूटिड 4–मिथाईल कोउमरिन
आविष्कारक	:	दीपक प्रजापति, रोमेश चन्द्रा बरूआ, मुकुट गोहेन
पेटेंट संख्या	:	250805
अनुदत्त की तारीख	:	30.01.2012

विदेशों में दायर

शीर्षक	:	मैथड फॉर इनहीबीशन ऑफ एनएफ–केबी जीन एक्सप्रैशन
आविष्कारक	:	भट्टाचार्य सुश्मिता, दासगुप्ता सुमन, बरमा पोमी, विस्वास अनिंदिता, पाल बिकास चन्द्रा, भट्टाचार्य शैली, भट्टाचार्य समीर, बोर्डोलोई मनोब ज्योति, बरूआ नबीन चन्द्रा, राव परूचुरी गंगाधर
आवेदन संख्या	:	पीसीटी/आईबी 2011/001580
दायर तारीख	:	07.07.2011
शीर्षक	:	पयरिडिन–2–वाईएल सल्फनिल एसिड ईस्टर्स एंड प्रोसेस फॉर द प्रीपरेशन देयरऑफ

आविष्कारक	:	सरमा जडाब चन्द्रा, बोरा दिलीप चन्द्रा, राव परूचुरी गंगाधर, घोष बालाराम, बलवानी साक्षी
आवेदन संख्या	:	पीसीटी/आईएन 2011/000477
दायर तारीख	:	21.07.2011
शीर्षक	:	ए नोबल सीरिज ऑफ 1,2,3–ट्रीआजोल कंटेनिंग आर्टेमिसिनिन डिराइण्ड डाईमर्स विद पोटेंट एंटीकैंसर एक्टिविटीज
आविष्कारक	:	बिस्वजीत सैकिया, नबीन चन्द्रा बरूआ, पार्था प्रतिम सैकिया, अभिषेक गोस्वामी, परूचुरी गंगाधर राव, अजीत कुमार सक्सेना, निताश सूरी
आवेदन संख्या	:	पीसीटी/आईएन 2012/000099
दायर तारीख	:	14.02.2012
शीर्षक	:	3, 4 डीहाईड्रोक्सीयलाइल बेंजीन एंड 2^1, 3^1 –इपोक्सीप्रोफिल– 3,4 डीहाईड्रोक्सी बेंजीन डिमोंस्ट्रेटिड स्ट्रोंग एंटी–कैंसर प्रोपर्टी अगेंस्ट कैंसर सैल
आविष्कारक	:	भट्टाचार्य सुष्मिता दासगुप्ता सुमन, भट्टाचार्य शैली, भट्टाचार्य समीर, बोर्डोलोई मनोब ज्योति, बरूआ नबीन चन्द्रा, राव परूचेरी गंगाधर
आवेदन संख्या	:	पीसीटी/आईएन 2012/000212
दायर तारीख	:	29.03.2012

भारत में दायर

आविष्कारक	:	कार्तिक नियोग, बालगोपालन उन्नी, साबलांग बोरसिंह वान, मोमी दास, परूचुरी गंगाधर राव
आवेदन संख्या	:	1581डीईएल/2011
दायर तारीख	:	03.06.2011
आविष्कारक	:	बालगोपालन उन्नी, येलेना काकोटी, आयरोम मनोज सिंधा, जयश्री दास, सावलांग बोरसिंह वान, लोकेन्द्र सिंह, रवि बिहारी श्रीवास्तव, परूचुरी गंगाधर राव
आवेदन संख्या	:	2514डीईएल 2011
दायर तारीख	:	02.09.2011
आविष्कारक	:	मंटु भुयान, प्रणब राम भट्टाचार्य, पूरनेंदु विकास कांजीलाल, प्रणव कुमार बरूआ, नवीन चन्द्रा, परूचुरी गंगाधर राव, प्रियाजीत चटर्जी, प्रसून चौधरी, समीर भट्टाचार्य
आवेदन संख्या	:	2917डीईएल 2011
दायर तारीख	:	11.10.2011

प्रकाशन

पुस्तक अध्याय

- दत्ता डी के : ''रूथेनियम : गुण–स्वभाव, उत्पादन और अनुप्रयोग'' में रूथेनियम कार्बोनाईल कंप्लेक्सिस : रूथेनियम ये संश्लेषण और उत्प्रेरक हाइड्रोजिनेशन प्रतिक्रिया । डेविड बी वास्टन द्वारा संपादित, ''नोवा साइंस पब्लिशर्स, इंक, 2011 (अध्याय–6), पृष्ठ–221–248
- दत्ता डी के : ''क्ले : टाईप्स, प्रोपर्टिज एंड यूजिज'' में आर्गेनिक प्रतिक्रिया हेतु मोटमोरिलोनाईट मिट्टी आधारित ठोस एसिड उत्प्रेरक । जस्टिन पी. हम्फी और डेनियल ई बॉयड द्वारा संपादित । नोवा साईंस पब्लिशर्स, इकं. यूएसए, 2011 (अध्याय–11), पृष्ठ–347–70।
- गोस्वामी ए : कैस्टर ऑयल बायोडीजल हेतु एक पर्यावरणीय अनुकूल पथ विकल्प : यूज ऑफ सोलिड सपोर्टिड साल्ट कैटलिस्ट, बायोडीजल–फीडस्टॉक्स एंड प्रोसेसिंग टैक्नॉलोजीज । संपादक : मार्गारीटा स्टोयट्चेवा एवं गिसेला मोंटेरो, प्रकाशन : इन टैक, नवंबर, 2011, 2011 (अध्याय–18), पृष्ठ–379– 96।

सम्मेलनों / गोष्ठियों की कार्यवाहियां

- उन्नी बी.जी., दास एस, भट्टाचार्जी एम, बरूआ पी.के., हजारिका आर, साहू ओ.पी., राव पी.जी. : मानव स्वास्थ्य पर पर्यावरणीय प्रदूषण का प्रभाव : महामारी विज्ञान और जैव रासायनिक अध्ययन, विज्ञान और पर्यावरण के अंतराफलक पर राष्ट्रीय सम्मेलन में सारांश : एमर्जिंग पब्लिक हैल्थ चैलेंजिज, 24–26 नवंबर, कोलकाता, जे सैल एंड टिश्यू रिसर्च में प्रकाशित, प्रोफेसर एस. चौधरी द्वारा संपादित, 2011, 11 (अनुपूरक), पृष्ठ 38–39 ।
- सैकिया पीजे, बरूआ एस डी : ''नेशनल कंफ्रेडेशन ऑन एडवांसिस इन पालीमर साईंस एंड नैनो टैक्नॉलाजी : डिजाइन एंड स्ट्रक्चर, के सार की पुस्तक में एफई (III)/2.2 –बाईपाईराईडिन कैटेलाइज्ड एटीआरपी और एन–अलकाईल (गणित) एक्रिलेट्स की रिवर्स एटीआरपी पर 16–17 दिसंबर, 2011 (ओपी–2), पृष्ठ 37 को एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा में सोसायटी फॉर पोलिमर साईंस भारत द्वारा आयोजित ।
- गोगोई अनिमेश, बोरा देबाशीश, दत्ता मुदोई के, सैकिया एस पी : गुवाहाटी विश्वविद्यालय में 16 मार्च, 2012 पी–बीटी–01 को असम साईंस सोसायटी के 57वें तकनीकी सत्र के सार की पुस्तक में जाटरोफा कर्कस एल के मोरफोलोजिकल और फिजिओलोजिकल मापदण्डों पर स्पेसिग और पोलाडिंग का प्रभाव।

राष्ट्रीय पत्रिकाएं

- कलिता दिपुल, दत्ता दीपांका, गोस्वामी टी : कुछ जंगली पौधों की प्रजातियों से पेपर ग्रेड पल्प पर अध्ययन, आईपीपीटीए जर्नल, 2011, 23 (3), पृष्ठ 125–28
- खोंगसाई एम., सैकिया एस पी, कयांग एच : अरूणाचल प्रदेश की विभिन्न प्रजातियों द्वारा प्रयुक्त इथो–औषधीय पौधे, इंडियन जर्नल ऑफ ट्रेडिशनल नोलेज, 2011, 10 (3), पृष्ठ–541–546
- दास चूतिया ए, उन्नी बी जी, भट्टाचार्जी एम, बरूआ पीके, दास एस, वान एसबी, साहू ओपी, बोरा टी, राव पी जी : तेल खुदाई स्थलों में भारी घातु अनावरण का मूल्यांकन, अनुसंधान जे केमिस्ट्री एंड एनवायरमेंट, 2011, 15 (2), पृष्ठ–91–95
- सिंह एचबी : उत्तरपूर्व भारत के मणिपुर के मेइटेई समुदाय में पूर्वानुमान व धारणा से संबद्ध पौधे, इंडियन जर्नल ऑफ ट्रेडिशनल नॉलेज, 2011, 10(1), पृष्ठ–190–93
- कोटोकी पी, दत्ता एम.के., गोस्वामी आर, बोरा जी सी : धनसिरि नदी चैनल, असम के तलछट के तटों की भू–तकनीकी विशेषताएं, जर्नल ऑफ द जिआलोजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया, 2011, 78 (2), पृष्ठ–175–183
- बोरा टी.सी, देकबरूआ एच पी, सैकिया एन, सरमा ए, बेजबरूआ आर एल, सैकिया आर, यादव ए, बोरडोलोई पी : उत्तर पूर्व जीन पूल से बायोप्रोस्पैक्टिंग सूक्ष्मजीव विविधता, साईंस एंड कल्चर, 2011, 77 (नवंबर–दिसंबर), पृष्ठ–446–50
- नाथ एस.सी. बोरा एस.एम : उत्तर–पूर्वी भारत में इथनोबोटेनिक उपागम के जरिए औषधीय पौधों की जुताई, साईंस एंड कल्चर, 2011, 77 (नवंबर–दिसंबर), पृष्ठ–441–45
- उन्नी बी.जी., डोवाराह पल्लव, वान एस बी, राव पी जी : एंटी–फ्लैचेरी तत्व के रूप में मुगा हील– टर्मिनालिया चेबुला आधारित बायोफार्मुलेशन और सिल्क फाइबर एन्हैन्सर, साईंस एंड कल्चर, 2011, 77 (नवंबर–दिसंबर), पृष्ठ–456–60

- सैकिया आर, सरमा रूपक के, देबनाथ राजल, बोरा टी.सी. : जीवाण्विक विभेद अध्ययन विचारधारा और इसकी संभावनाएं, साईंस एंड कल्चर, 2011, 77 (नवंबर–दिसंबर), पृष्ठ–451–55
- सरमा रूपम, प्रजापति डी, बरूआ आर. सी. : हरित रसायन–विज्ञान–ओर्गेनिक संश्लेषण में नई दृष्टि, साईंस एंड कल्चर, 2011, 77 (नवंबर–दिसंबर), पृष्ठ–461–65
- बरूआ एसडी : प्राकृतिक तरीके से सडनशील पोलीमर : संभावनाएं और समस्याएं, साईंस एंड कल्चर, 2011, 77 (नवंबर–दिसंबर), पृष्ठ–466–70
- गोस्वामी पी.के. : कृषि उत्पादों के उपज उपरांत प्रभावी प्रबंधन हेतु खाद्य और न्यूट्रक्यूटिकल्स, साईंस एंड कल्चर, 2011, 77 (11–12), पृष्ठ–471–73
- कोटोकी पी : भू–पर्यावरणीय दृष्टिकोण, साईंस एंड कल्चर, 2011, 77 (11–12), पृष्ठ–474–79
- बरूआ एस : चेडरंग घाटी और इसकी परिधि में भूकंप–विवर्तनिकी, साईंस एंड कल्चर, 2011, 77 (11–12), पृष्ठ–480–85
- सरमा ज्योर्तिमोय, राजखोवा संचयिता, सरमा नम्रता, महीउद्दीन एस : भारतीय लोह–खनिज स्लाईम और फाइन्स : धरातल–प्रभावी तत्वों का प्रभाव और विशिष्ट ऑयोन प्रभाव, साईंस एंड कल्चर, 2011, 77 (11–12), पृष्ठ–486–91
- बोरठाकुर संगीता, भुयान एम, भट्टाचार्या पीआर, राव पी.जी : अनुसंधान संचार–अल्ट्रा साउंड : चाय मच्छर संक्रमण के प्रबंधन हेतु सामर्थ्य उपकरण, हेलोपेल्टिस थिवोरा वाटरहाउस (मिरीडाई : हेमीपटेरा), साईंस एंड कल्चर, 2011, 77 (11–12), पृष्ठ–493–95
- सरमा पी.सी, सिंह केएच दीपन : भू–स्खलन निगरानी और पूर्व चेतावनी : भारत के उत्तर–पूर्व क्षेत्र के विशेष संदर्भ में, साईंस एंड कल्चर, 2011, 77 (11–12), पृष्ठ–496–98
- दत्ता डी.के., बोरा विवेक ज्योति, पोडमा पोलेष सरमा, दत्ता दीपांका : मोटंमोराईलोनाईट क्ले पर जमा धातु अणुकण : संश्लेषण और रिएक्टीविटीज, साईंस एंड कल्चर, 2011, 77 (11–12), पृष्ठ– 499–502
- हजारिका एस : नैनोफिल्टरेशन मैम्बरेन द्वारा लिग्नोसैलूलोज के पृथक्कीकरण की नवीन प्रक्रिया, साईंस एंड कल्चर, 2011, 77 (11–12), पृष्ठ–503–506
- राव पी.जी. : माईल्स टू गो, साईंस एंड कल्चर, 2011, 77 (11–12), पृष्ठ 433–35
- बोरा एल, डे एन सी : असम कोयले का प्रयोग करके प्रदूषित पानी में से आर्सनिक दूर करने पर अध्ययन, जे इंडियन कैमिकल सोसायटी, 2012, 89 (2), पृष्ठ 295–299
- जैन अल्का, सिंह एच.बी., भट्टाचार्या पी आर : मणिपुर, इथनोबोटनी और जंगली चावल की पोषणिक महत्ता [जिजेनिया लैतिफोलिया (ग्रिसेब) टर्क्सज, एक्स स्टापफ] (पोएसीई) इण्डियन जे ट्रैडिशनल नोलेज, 2012, 11 (।), पृष्ठ 66–69
- बोरठाकुर एस.के., बरूआ पी. गोस्वामी बी एन : कीटीन के साथ 8–बेंजाइलीडिनएमिंथोफाइलिन के [4+2] डायल्स–एल्डर साईक्लोएडीशन प्रतिक्रिया उत्पाद और उनकी एंटीफंगल गतिविधियां, इंडियन जर्नल आफ हेट्रोसाइक्लिक केमिस्ट्री, 2011, 20 पृष्ठ–245–48
- सरमा ए, सरमा एच, सरमा टीसी, हैंडिक ए के : नाईट्रेट रिडक्टेस : लैमनग्रास के उत्कृष्ट निष्पीडन अनुवीक्षण हेतु एक बायोकैमिकल मार्कर [साईम्बोपोगोन फ्लेक्सूसस (स्टीयूड) वाट्स], इंडियन जर्नल ऑफ बायोटैक्नोलॉजी, 2011, 10 पृष्ठ–242–44
- दत्ता मुडोई के, बोठाकुर एम : बंबुसा बालकुआं रोक्सबी, के विट्रो विकास में फ्रिक्वेंसी प्रभावित करने वाले तत्व, इंडियन जे प्लांट फिजियोलॉजी, 2012, 17 (।), पृष्ठ–37–45

अंतर्राष्ट्रीय जर्नल

- प्रजापति डी, भुयान डी, गोहेन एम, एचयू वेनहाऊ : विलायक मुक्त स्थितियों के अंतर्गत आयोडिन को नए एवं प्रभावी कैटलिस्ट का प्रयोग करते हुए स्पाईरो हैट्रोबाईसाईक्लिक रिगंस के रिजिओसेलेक्टिव संश्लेषण की हरित कैमिस्ट्री अवधारणा, मोलिक्यूलर डाईवर्सिटी, 2011, 15 (1), पृष्ठ–257–61
- बरूआ एस, बोरा डी.के., बिस्वास आर : शिलांग और मिकिर पहाड़ी पठार, उत्तर–पूर्व भारत में रिकार्ड की गई प्रतिबिंबित भूकंप तरंगों से क्रस्टल डिस्कंटीन्यूटिज का अनुमान, इंटरनेशनल जे अर्थ साईंसिज, 2011, 100 (6), पृष्ठ–1283–1292
- कौर आई, धंजाल एस, कोरपोले एस, बोरा टीसी, मायिलराज एस : असम की ब्रह्मपुत्र नदी से एकत्रित पानी के नमूनों से विलग किए नोवल एक्टीनोबैक्टीरियम माईक्रोबैक्टीरियम असमेनसिस एसपी एनओवी, का विवरण, इंडिया, करैंट माइक्रोबायोलॉजी, 2011, 62 (3), पृष्ठ–1039–43

- दत्ता डी के, देब बी : फोस्फाईन–चालकोजन (पी–ओ/एस/एसई) दानी लिगैंड एंड उत्प्रेरक अनुप्रयोग के संभावित रोडियम और रूथेनियम, कार्बोनाईल, काम्पलेक्सिसस, कोओर्डिनेशन कैमिस्ट्री रिव्यू, 2011, 255 (15–18) पृष्ठ–1686–1712
- प्रजापति डी, सरमा आर, भुयान डी, एचयू डब्ल्यू : बारबियर परिस्थितियों के अंतर्गत पानी में आईएनसी एल/सीयू सीएल द्वारा अल्डीमाइंस में फेनीलासीटिलीन का 1,2–एडीशन, सिनलेट, 2011, एआरटी संख्या डी 28110 एसटी (5), पृष्ठ–627–30
- चौधरी पी, बोरा जे एम, गोस्वामी पी, दास ए एम : लोटीप्रीडनोल ईटाबोनेट के साईड चेन का सुगम संश्लेषण–प्रमुख प्रतिक्रिया के रूप में घातु – दवायुक्त हेलोजीनेशन का प्रयोग करके 20–ओक्सोप्रेगनेंस से एक दृष्टि–संबंधी मुलायम कोर्टीकोस्टेरायड, स्टेरायड, 2011, 76 (5), पृष्ठ–497–501
- सिंधा आईरोम मनोज, काकोटी येलेना, उन्नी बीजी, कालिता येलेना, दास जयश्री, नागलोट अशोक, वान एसबी, सिंह लोकेन्द्र : पाइपर बेटले एल की पत्तियों का सत प्रयुक्त करके फ्यूसेरियम आक्सासपोरम एफ,एसपी., के कारण टमाटर के फ्यूसेरियम विल्ट का नियंत्रणः एक प्रारंभिक अध्ययन, वर्ल्ड जर्नल ऑफ माईक्रो बायलाजी एंड बायोटैक्नॉलोजी, 2011, 27 (11), पृष्ठ–2583–2589
- बोरा आर सी, घोष पल्लब, राव पी.जी. : फ्लूडाईज्ड पर्त में कोयले डिवोलैटीलाईजेशन पर एक समीक्षा, इंटरनेशनल जे एनर्जी रिसर्च, 2011, 35 पृष्ठ–929–63
- खान राजू, खरे पी, बरूआ बीपी, हजारिका ए के, डे एन सी : पोलीएनीलाईन फ्लाईएश कंपोजिट का स्पेक्ट्रोस्कोपिक, काइनेटिक अध्ययन, एडवांसेस इन कैमिकल इंजीनियरिंग एंड साइंसिज, 2011, 1 पृष्ठ–37–44
- चतुर्वेदी डी : एमाइन्स के कारबैमेशन पर अद्यतन आविष्कार, करैंट आर्गनिक कैमिस्ट्री, 2011, 15 पृष्ठ–1593–1624
- चतुर्वेदी डी : आयोनिक लिक्विड्स : नाइट्रोजन हैट्रोसाइकल्स के संश्लेषण के लिए वर्सेटाइल ग्रीन रिएक्शन मीडिया की एक श्रेणी, करैंट आर्गेनिक सिंथेसिस, 2011, 8 (3) पृष्ठ–438–71
- मिश्रे एम, बोरा जे जे, गोस्वामी आर एल : मोंटमोरिलोनाईट सहित कोटिंग एलडीएचजैल द्वारा एल्यूमिना की यांत्रिकी ताकत में सुधार, एप्लाईड क्ले साईंस, 2011, 53 (1), पृष्ठ–8–14
- दत्ता दीपांका, बोरा विवेक जे, सैकिया एल, पाठक एमजी, सेनगुप्ता पी, दत्ता डीके : नेनोपोरोस क्ले मैट्रिक्स और कैटलिटिक अंतरण हाईड्रोजिनेशन प्रतिक्रिया पर निओ–नैनोपार्टिक्लस का संश्लेषण, एप्लाईड क्ले साईंस, 2011, 53 पृष्ठ–650–56
- सिंह एस, गोगोई बीके, बेजबरूआ आर एलः एसपरजील्स फ्यूमिगटुस्ल–एमीनो एसिड ओक्सीडेस का प्रयोग करके कुछ डीएल–अमीनो एसिड के रेसमिक रेजोल्युशन, करेन्ट माइक्रोबायोलोजी, 2011, 63, पृष्ठ–94–99
- बोआह एच, यादव आरएनएस, उन्नी बीजी : आल्टरनेंनथीरा सेसिल्स की ईन विट्रो एंटीओक्सीडेंट एवं फ्री रैडिकल स्केवेंजिंग एक्टिविटी, इंटरनेशनल जे फार्मास्युटिकल साईंस एंड रिसर्च, 2011, 2 (6), पृष्ठ–1502–06
- सरमा नम्रता, बोरा जे एम, महीउद्दीन एस, रासिद गाजी एच ए आई, गुचैट बिश्वजीत, बिस्वास रंजीतः कैटानिओनिक वैसिकल्स में स्टोक शिफ्ट डायनेमिक्स पर अल्कोहल की चेन लैंग्थ का असर, जे फिजिकल कैमिस्ट्री बी, 2011, 115 पृष्ठ–9040–9049
- मजूमदार एस, भुयान पी जे : कुशल वन–पोट, थ्री–कंपोनेंट रिएक्शन : इंट्रा मोलिक्यूलर [3+2] – डिपोलर साइक्लैडीर्शन रिएक्शन के जरिए कम्प्लैक्स एनिलेटिड अल्फा–कार्बोलाइंस का संश्लेषण, सिनलेट, 2011 (11), पृष्ठ–1547–50
- खरे पी, बरूआ बी.पी., राव पी.जी : कोयला पायरोलिसिस के कायनेटिक्स के अध्ययन के लिए कीमोमेट्रिक्स का अनुप्रयोग : एक नई अवधारणा, फ्यूल, 2011, 90 (11), पृष्ठ–3299–3305
- खरे पी, बरूआ वी पी, राव पी जी : भारत के अबट्रोपिकल स्थल पर पीएम 2.5 और पीएम 10 में जल–विलयशील आर्गेनिक कम्पाउंड (डब्ल्यू एस ओ सी एस), टैलस बी, 2011, 63 (5), पृष्ठ–990–1000
- सिंह, आई एम, उन्नी बी जी, काकोती वाई, दास, वान एस बी, सिंह एल, कलिता एम सी : फाइटो पैथोलाजी फंगी के विरूद्ध औषधीय पौधों की इन–विटरो एंटीफंगल कार्रवाई का मूल्यांकन, आरकाइवस ऑफ फाइटोपैथोलोजी एंड प्लांट प्रोटेक्शन, 2011, 44 (11), पृष्ठ–1033–40
- देब बिस्वजीत, सरमाह पोडमा पोलोव, सैकिया कोकिल, फ्यूलर ए एल, रंडाल आर ए एम, स्लाविन ए एम जैड, वूलिंग्स जेडी, दत्ता डी के : टैट्रोडेंडेट चालकोजेन फंक्शनलाइज्ड फोसफाईन्स, [पी/(x) (सीएच$_2$ सीएच$_2$पी (x) पीएच2) 3] {x=0,एस,एसई} के रोडियम (1) कार्बोनाइल कम्प्लैक्सिस : जे आर्गेनोमैटालिक कैमिस्ट्री, 2011, 696, पृष्ठ–3279–3283
- बोरा जयंत एम, सरमा ज्योर्तिमोय, महीउद्दीन एस : ए–एलुमिना/वाटर इंटरफेस पर अधिशोषण तुलना : 3, 4 –

डाईहाईड्रोक्सीबेंजोइक एसिड वर्सिज, केटेकोल, कोलाइड एंड सर्फेस ए, 2011, 387 पृष्ठ–50–56

- बोआह जुरीमोनी, चौधरी पी.के. : माइक्रोवेब इरैडिएशन द्वारा स्टेराइडल कीटोंस का शीध्र बायर–विलिजर ऑक्सीडेशन, स्टेरायड, 2011, 76 (12), पृष्ठ–1341–1345
- पांडा रेक्स कैंड, राव पीजी : चर्म–शोधन उद्योग–विषयक अध्ययन के यूनिट प्रचालन पर रसायन इंजीनियरी अनुप्रयोग, इंटरनेशनल जर्नल आफ केमिकल इंजीनियरिंग एंड एप्लीकेशंस, 2011, 2 (2), पृष्ठ–112–16
- खान राजू : सैंसर अनुप्रयोग हेतु इंडियम–टिन–ऑक्साईड पर संगत ट्राइटोन एक्स–100 पोलीएनिलाईन नेनो–पोरस विद्युतीय प्रभावी फिल्म, रसायन इंजीनियरी और विज्ञान में विकास, 2011, 1 पृष्ठ–140–46
- बरूआ एस, बरूआ सांतनु, कालिता ए, आर कायल जे : गुवाहाटी शहर, उत्तर–पूर्वी भारत में विस्तारण कारकों के प्रतिचित्रण द्वारा शिलांग और मिकिर पठार में भू–गति पैरामीटर, जर्नल आफ एशियन अर्थ साइंसिस, 2011, 42 (6), पृष्ठ–1424–36
- सरमा आर, प्रजापति डी : टर्मिनल अलकाईंस के इंडियम कैटेलाइज्ड टैंडम हाइड्रोएमिनेशन/हाइड्रो– एलकाईलेशन, कैमिकल कम्यूनिकेशन, 2011, 47 (33), पृष्ठ–9525–9527
- निओग के, दास ए, उन्नी बी.जी, अहमद जी.यू, राजन आर.के. : सोम के सैकेंड्री मैटाबोलिटिज (पर्शिया बोंबाईसीना कोस्ट), मूगा
- सिल्कवोर्म (एनथीराइआ असमेलसिस हैल्फर) का एक प्राथमिक पोषक, पौधे पर अध्ययन, इंटरनेशनल जे फार्मास्युटिकल साईंस एंड रिसर्च, 2011, 3 (3), पृष्ठ–1441–47
- सैकिया बी, सैकिया पीपी, गोस्वामी ए, बरूआ एनसी, सक्सेना एके, सूरी एन : ह्यूसजन 1,3–डाईपोलर साईक्लोएडीशन रिएक्शन निहीत पोटेंट एंटीकैंसर सहित आर्टिमिसिनिन डाइमर्स सहित 1,2,3–ट्राईएजोल की नई श्रृंखला का संश्लेषण, सिंथेसिस, 2011, 19 (एआरटी संख्या जैड 50211 एसएस), पृष्ठ–3173–3179
- दास ए एम : विनायल मोनोमोर आशोधित एंथीराइए असामा सिल्क कंपोजिट्स का काइनेटिक अध्ययन और प्रतिक्रिया मैकेनिज्म, इंडस्ट्रियल एंड इंजीनियरिंग कैमिस्ट्रीय रिसर्च 50 (3), पृष्ठ–1548–1557
- फल्लाही क्यू, दास एम आर, कोफिनियर वाई, सबाईन, दास एमआर, कोफिनियर वाई, सजूनेरिटस सबाईन, हडजर्सी टी, मामाचे एम, बूखररोव आर : यू.बी. इंरेडिएशन के अंतर्गत सिलिकॉन नैनोवायर ऐरेज–इंडयूस्ट ग्रेफेन ओक्साइड, रिडक्शन, नैनोस्केल, 2011, 3 पृष्ठ–4662–69
- कुंडु राकेश, दास गुप्ता सुमन, बिस्वास आनंदिता, भट्टाचार्य सुष्मिता, पाल बिकास सी, भट्टाचार्य शैली, राव पी जी, बरूआ एनसी, बोरडोलोई एमजे, भट्टाचार्य समीर : एनआरएफ 2 जीन एक्सप्रेशन के जरिए बिलिरूबिन – यूजीटी एक्टिवीटी को उत्तेजित करके कार्लिनोसाइड हैपेटिक बिलीरूबीन को न्यून करना, बायोकैमिकल फार्माकालोजी, 2011, 82–पृष्ठ–1186–97
- गोस्वामी अभिषेक, सैकिया पार्थाप्रतीम, सैकिया बिश्वजीत, चतुर्वेदी डी, बरूआ एनसी : (आर)–रूगुलैक्टोन का उन्नत स्टीरियोसेलेक्टिव पूर्ण संश्लेषण, टेट्रोहेड्रान लैटर्स, 2011, 52 (40), पृष्ठ–5133–5135
- बोरा बी जे, दत्ता दीपांका, सैकिया पी.के., बरूआ एन.सी., दत्ता डी.के. : आशोधित मोंटमोरिलोनाईट के नेनोपोर में क्यू–नेनोपार्टिकल्स का स्थरीकरण : एजाइडस और टर्मिनल अलकाइंस के बीच ''क्लिक'' प्रतिक्रिया हेतु आवेजक पर अनुमान, ग्रीन कैमिस्ट्री, 2011, 13 पृष्ठ–3453–60
- सिंह एच आर, उन्नी बीजी, नियोग के, वान एसबी : मार्कर अध्ययनों के लिए उपयुक्त तरल नाईट्रोजन के बिना रेशम–कीडे के जीनोमिक डीएनए को पृथक करना, अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोटैक्नालाजी, 2011, 10 (55), पृष्ठ–11365–11372
- सैकिया कोकिल, देव बिस्वजीत, बोरा विवके ज्योति, सरमाह पोदमा पोलोव, दत्ता डी.के. पी, पी और पी, एस टाईप डाईफोस्फाईन लीजेंड्स के पैलेडियम कम्प्लैक्सिस : सुजुकी–मियारा क्रास–कपलिंग प्रतिक्रिया का असर, जे ओर्गेनोमेटलिक कैमिस्ट्री, 2012, 696 पृष्ठ–4293–97
- नियोग कार्तिक, उन्नी बीजी, अहमद गिआसुद्दीन : मुगा रेशम कीडे, एंथरिआ असमेनसिस में भोजन व्यवहार पर रसायन स्टिमुलैंटस के प्रभाव और पोषक पौधों पर असर का अध्ययन, जे. इनसेक्ट साईंस, 2011, 11 (लेख 133), पृष्ठ–1–16
- खान राजू, गोर्सकी वाल्डेमर, गर्सिया कारलोस डी : कार्बन नेनोट्यूब के साथ आशोधित स्क्रीन–मुद्रित इलैक्ट्रोड पर बायोसेंसर आधारित ग्लूटामेट का नेनोमोलर अनुसंधान, इलैक्ट्रोएनेलिसिस, 2011, 23 (10), पृष्ठ–2357–63
- कामिंसका आई, दास एम,आर, कोफिनियर वाई, नाइडजिओल्का–जॉनसन जे, वोइसेल पी, ओपालो एम, सजूनेरिटस एस, बोउखेररोडब आर : ग्रेफीन/टैट्रोथियाफुल्वालीन नेनोकंपोजिट्स स्वीचेबल सर्फेसिस का प्रीपेशन, केमिकल कम्यूनिकेशंस, 2012, 48

पृष्ठ–1221–23

- हजारिका पी, गोगोई पी, हतीबरूआ एस, कोनबर डी : कमरे के तापमान में विलायक––मुक्त स्थिति के अंतर्गत एसएन (एचपीओ) 2. एच$_2$ओ नेनोडिस्कस द्वारा 1,5–बेंजोडायजेपाईंस कैटेलाइज्ड, ग्रीन कैमिस्ट्री लैटर्स एंड रिव्यूज, 2011, 4 (4), पृष्ठ–327–39
- सैकिया बी : जिंक अमोनियम क्लोराईड, सिनलेट, 2011 (17), पृष्ठ–2597–2598
- सैकिया डी, सैकिया पीके, गोगोई पीके, दास एमआर, सेनगुप्ता पी, शेल्के एमवी : मिश्रित तत्व–मुक्त प्रणाली से सीडीएस/पीवीए नेनोकंपोजिट, महीन फिल्मों का संश्लेषण और चरित्र–चित्रण, मैटिरियल्स कैमिस्ट्री एंड फिजिक्स, , 2011, 131 (1–2), पृष्ठ–223–229
- नायक ए, नाथ एसके, थिंगवाईजम के के एस, बरूआ एस : उत्तर पूर्वी भारत और उत्तर–पश्चिमी हिमालय में भू–चलन के पाथ क्षीणन में नई दिशाएं, बुलेटिन ऑफ द सीसमोलोजिकल सोसायटी ऑफ अमेरिका, 2011, 101(5), पृष्ठ–2550–2560
- गोस्वामी ए, सैकिया पीपी, सैकिया बी, बरूआ एनसी : श्रृंखलक के रूप में डिनिट्रोएलीफेटिक्स : नवीन आर्टिमिसीनिन कार्बा–डाईमर के संश्लेषण में अनुप्रयोग, मोलिक्यूलर डाइवर्सिटी, 2011, 15 (3), पृष्ठ–707–712
- सरमा आर, बोरा केजे, डोम्माराजू वाई, प्रजापति डी : यूरेसिल एमिडाईन के डाईन संव्यवहार से अप्रत्याशित व्यतिक्रम : कुछ पाईरिडो [2, 3–डी] पाइरीमाईडिन डेरिबेटिव्स के संश्लेषण के प्रति, मोलिक्यूलर डाइवर्सिटी, 2011, 15 (3), पृष्ठ–697–705
- दत्ता डी.के., देब बिस्वजीत, हुआ गुओक्सिंग, वूलिंस जे डी : मेथीनोल के कैटेलाइज्ड रोडियम, कार्बोनाइलेशन पर पी.ओ. डोनर फोस्फाईन लीगैंड्स के ट्रांस प्रभाव और चेलेट, जे. मोलिक्यूलर कैटेलिसिस, ए : कैमिकल, 2012, 354 पृष्ठ–7–12
- सिंह एच आर, उन्नी बीजी, नियोग के. भट्टाचार्या एम : ऐरी सिल्कवोर्म में जेनेटिक वेरिएशन अध्ययन आधारित सोडियम डोडिसाईल सल्फेट पोलीएक्रीलामाईड जेलेक्ट्रोफोरेसिस (एसडीएस–पीएजीई) और रैंडम एम्प्लीफाईड पोलीमोर्फिक डीएनए (आरएपीडी) (सामिया सिंथिया रिसिनी लेपिडोपटेरा : सेटरनीडाई), अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोटेक्नॉलाजी, 2011, 10 (70), पृष्ठ–15684–15690
- जैन ए, सुंदरियाल एम, रोशनीबाला एस, कोटोकी आर, कांजीलाल पी.बी., सिंह एचबी, सुंदरियाल आर सी : इंडो बर्मा होटस्पोट पर खाद्य आर्द्र भूमि पौधों के खाद्यीय प्रयोग और संरक्षण की संभावनाएं : उत्तर–पूर्व भारत से एक केस अध्ययन, जर्नल ऑफ इथनोबायोलाजी एंड इथनोमेडिसिन, 2011, 7 (लेख संख्या 29), पृष्ठ–1–17
- चतुर्वेदी डी : आर्गेनिक कार्बमेट्स के संश्लेषण पर दृष्टिकोण, टेट्राहेड्रोन, 2012, 68 (1), पृष्ठ–15–45
- सीथम नायडू पी, भुयान पी जे : (+–) जेलुसिन एफ, (+–) जेलुसिन ईके कुछ सदृश्यों का संश्लेषण और 2, 2–डी आई (6?–ब्रोमो–3? इंडोलिल) ईथिलामाईन, का पूर्ण संश्लेषण, टैट्राहेड्रोन लैटर्स, 2012, 53 (4), पृष्ठ–426–428
- मजूमदार एस, भुयान पी.जे. : इंट्रामोलिक्यूलर डोमिनो हेट्रो डाइल्स–आल्डर प्रतिक्रियाओं के जरिए साधारण ओक्सीन्डोल से कुछ नवीन और जटिल थिओपाइरानों इंडोल का संश्लेषण, टेट्राहेड्रोन लैटर्स, 2012, 53 पृष्ठ–137–40
- सैकिया लक्षी, दत्ता दीपांका, दत्ता डीके : हैंटजसच पोलीहाइड्रोक्विनो लाइन के विलायक–मुक्त संश्लेषण हेतु हैट्राजिनियस कैटलिस्ट के रूप में निओ नेनोपाटिकल्स से समर्थित गुणकारी मृत्तिका, कैटलिस्ट कम्यूनिकेशन, 2012, 19 पृष्ठ–1–4
- कामिनसक इजाबेला, दास एमआर, कोफिनियर यान्निक, नीडजीओल्का–जॉनसन जोएन्ना, बोइसेल पेटराइस, लाइसकावा जोईल, ओपैल्लो मार्सिन, बोउखेररोउब राबाह, सजूनेरिट्स सबाईन : एक बार में बायोमीमैटिक डोपमाईन डेरिबेटिक्स का प्रयोग करके ग्राफेन ऑक्साइड शीटों का रिडक्शन और फंक्शनैलाइजेशन, एसीएस एप्लाईड मैटिरियल्स एंड इंटरफेसिस, 2012, 4 पृष्ठ–1016–20
- भट्टाचार्जी एम, उन्नी बी.जी., दास एम, बरूआ पी.के., शमा पी, गोगाई डी, डेका एम, वान एसबी, राव पीजी : अल्फा । एंटीट्राइप्सिन जीन : चिरकालिक फेफड़ों संबंधी रोग में एक मामला–नियंत्रण अध्ययन, अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोटेक्नालाजी, 2012, 11 (1), पृष्ठ–207–15
- भट्टाचार्जी एम, उन्नी बीजी, दास एस, डेका एम, वान एस बी : फेफड़ों के कार्य में कमी : कोयला राख से प्रभावित जनसंख्या में एक कोहोट अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायरमेंटल साईंस, 2011, 2 (2), पृष्ठ–957–64
- चतुर्वेदी डी, बरूआ एनसी : जल में कार्बन–कार्बन बोंड बनाने वाली प्रतिक्रियाओं पर वर्तमान परिवर्धन, करेंट आर्गेनिक सिंथेसिस, 2012, 9(1) पृष्ठ–17–30
- सरमाह पोडमा पोल्लोव दत्ता डीके : आशोधित मोंटमोरिलोनाईट मृत्तिका पर स्टेबेलाईज्ड आरयू (ओ)– नेनोपार्टिकल्स द्वारा हाइड्रोजिनेशन कैटेलाइज्ड अंतरण के जरिए नाईट्रो समूह का कीमोसेलेक्टिव रिडकषन, ग्रीन कैमिस्ट्री, 2012, 14 पृष्ठ–1086–1093
- मजूमदार एस, भुयान पी जे : अंतर आणविक 1,3 – डिपोलर साईक्लोएडीशन की नाइट्रोन एवं नाईट्ररोईल ऑक्साइड प्रतिक्रियाओं के

जरिए साधारण ऑक्सीनडोल से नवीन एनूलेटिड थायोपाईरेनो इंडोल डेरिवेटिव्स, टेट्राहैड्रोन लैटर्स, 2012, 53 पृष्ठ–762–64

- चतुर्वेदी डी, बरूआ एनसी : संपादकीय ''हॉट टापिक : ''ग्रीन रिएक्शन मीडिया प्रयुक्त करते हुए आर्गेनिक संश्लेषण'', करैंट आर्गेनिक सिंथेसिस, 2012, 9 (1), पृष्ठ–1
- गोगोई जुनाली, बेजबरूआ प्रांजल, सैकिया पल्लबी, गोस्वामी जोनाली, गोगोई पंजाल, बरूआ, आर.सी. : अंतर आणविक 1,3–डिपोलर साईक्लोएडीशन्स के जरिए स्टेरोइडल टैट्राजोलो [1, 5–ए] पाईराइडाइंस की नवीन श्रेणी का संश्लेषण, टैट्राहेड्रोन लैटर्स, 2012, 53 (12), पृष्ठ–1497–1500
- सरमा आर, सरमाह एमएम, प्रजापति डी : 6–[2–(डाइमिथाईलमीनो) विनाईल] – 1,3–डाईमिथाइलूरासिल के साथ अलडीमाईंस की माईक्रोवेव–उत्तेजक आवेजक–और विलायक–मुक्त अजा–डाईल्स–आल्डर प्रतिक्रिया, जे आर्गेनिक कैमिस्ट्री, 2012, 77 (4), पृष्ठ–2018–2023
- बोरा डी.के., बरूआ एस : शिलांग–मिकिर पहाड़ियों के पठार और उत्तर–पूर्वी भारत के इसके आसपास के क्षेत्र में मोहो रिफलेक्टिड वेवस प्रयुक्त करके क्रस्टल के धनेपन का पता लगाना, जर्नल ऑफ एशियन अर्थ साइंसिस, 2012, 48 (अप्रैल), पृष्ठ–83–92
- सिंह सलाम प्रदीप, विवके सारंगथेम, बेजबरूआ आर.एल, बरूआ मधुमिता : होमोलोजी मोडलिंग द्वारा सोलानम लाईकोपर्सिकम के सीरीन/थ्रीओनाईन प्रोटीन किनासे पीटीओ की तीन–विमिय संरचना का पूर्वानुमान, बायोइंफोर्मेशन, 2012, 8 (5), पृष्ठ–212–215
- बोरा अर्चना, यादव आर एन एस, उन्नी बीजी : ओबसेलिस, कोर्निकूलाटा एल के विभिन्न विलायक सतो से. एंटीओक्सिडेंट क्रिया का मूल्यांकन, जे फार्मेसी रिसर्च, 2012, 5 (1), पृष्ठ–91–93
- भट्टाचार्जी मीनाक्षी, उन्नी बीजी, दास एस, डेका एम, राव पीजी : फेफड़ों के प्रकार्य में क्षय : कोयला राख से प्रभावित जनसंख्या में अल्फा–1 एंटीट्राईपसिन जीन का अनुवीक्षण, इंटरनेशनल जर्नल फॉर बायोटेक्नालाजी एंड मोलीक्यूलर बायोलॉजी रिसर्च, 2011, 2 (11), पृष्ठ–195–201
- दास संगीता, उन्नी बीजी, भट्टाचार्जी मीनाक्षी, बान एस बी, राव पी.जी. : स्वच्छ जल टेलीओस्ट मछली, चानना पंकटेटस में आर्सनिक एक्सपोजर के विषैले प्रभाव, अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोटैक्नालाजी, 2012, 11(19), पृष्ठ–4447–54
- मैथ्यू वी एस, ज्योतिशकुमार पी, जॉर्ज एस सी, गोपालाकृष्णन पी, डेलब्रिल्ह एल, साईटर जे एम, सैकिया पीजे, थॉमस एस : उच्च निष्पादन एचटीएलएनआर/इपोक्सी ब्लैंड–फेज मोर्फोलाजी और थर्मो–मैकेनिकल विशेषताएं, जे एप्लाइड पोलीमर साइंस, 2012, 125 (1), पृष्ठ–804–11
- सरमा रूपक के, देबनाथ राजन, सैकिया रातुल, हैंडिक, प्रताप जे, बोरा टी सी : ग्रीन ग्राम के साथ संबद्ध फ्लोरोसेंट प्यूडोमोनाड्स उत्पादक अल्कालाईन प्रोटीनेस का फाइलोजेनेटिक विश्लेषण (विग्ना रेडिएटा एल.) रिजोसफेयर, फोलिया माईक्रोबायोलोगिया, 2012, 57 पृष्ठ–129–37
- हजारिका बी.के., दत्ता डी के : जलीय मीडिया में जैडएन–एआईसीआई (3) सैंटर डॉट 6 एच(2) ओ–दवायुक्त प्रतिक्रिया : पिनाकोल कपलिंग रिएक्शन, सिंथेटिक कम्यूनिकेशंस, 2011, 41, पृष्ठ–1088–93
- चतुर्वेदी ए.के., चतुर्वेदी डी, मिश्रा एन, मिश्रा वी : मित्सुनोबू के रीएजेंट का प्रयोग करके करेसपोंडिंग अल्कोहल के जरिए कार्बाजेट्स और डिथिओकार्बजेट्स का एक कुशल वन–स्पॉट संश्लेषण, जर्नल ऑफ द इरानियन केमिकल सोसायटी, 2011, 8 पृष्ठ–396–400
- सैकिया एस पी, बोरा देवाशीष, गोस्वामी अडरिता, दत्ता भुडोई के, गोगोई अनिमेश : गैर–फलीदार फसलों की उपज–वृद्धि में एजोस्पीरिलयम की भूमिका की समीक्षा, अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोटैक्नालाजी, 2012, 6 (6), पृष्ठ–1085–1102

सम्मान / मान्यता

डॉ. आर.सी. बरूआ उत्कृष्ट वैज्ञानिक

- जर्नल ऑफ आर्गेनिक केमिस्ट्री एंड आर्गेनिक लैटर्स और चाइनिज जर्नल ऑफ केमिस्ट्री को प्रकाशन हेतु प्रस्तुत अमेरिकन कैमिकल सोसायटी की पाण्डुलिपि की समीक्षा की ।
- दिल्ली विश्वविद्यालय और पुणे विश्वविद्यालय के पी.एचडी परीक्षक के रूप में कार्य किया ।
- खाद्य इंजीनियरी और प्रौद्योगिकी, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, तेजपुर विश्वविद्यालय, असम द्वारा 14 से 16 नवंबर, 2011 को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार बायोफूड्स–2011 में तकनीकी सत्र–11 की अध्यक्षता की।

डॉ. बी.जी. उन्नी, मुख्य वैज्ञानिक

- भारत की ओर से सलाहकार के रूप में नामित, इंटरनेशनल एडवाइजरी काउंसिल, फुलब्राइट एकेडमी, यूएसए ।
- डीएसटी द्वारा एम एस विश्वविद्यालय बड़ौदा में 5 मार्च, 2011 को हुई बैठक में दक्षिणी ब्रह्मपुत्र हेतु साईंस शैलो ऑफ सब सर्फेस के अंतर्गत परियोजनाओं हेतु समन्वयक के रूप में नामित।
- डीएसटी–नई दिल्ली, केंद्रीय सिल्क बोर्ड अनुसंधान स्टेशन–रांची से परियोजना प्रस्तावों की समीक्षा की ।
- जर्नल ऑफ बुलेटिन ऑफ लाइफ साइंसिस, बायोइंर्फोर्मेटिक्स एंड सिक्वेंस एनलिसिस, इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ माईक्रो बायोलॉजी (एकेडेमिक जर्नल यू के), जर्नल ऑफ फूड साइंस एंड टेक्नोलाजी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिसिनल प्लांट रिसर्च, जर्नल एनल्स ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, ब्रिटिश जर्नल ऑफ एप्लाइड साइंस एंड टैक्नोलॉजी, इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी के लिए शोध–पत्रों की समीक्षा हेतु समीक्षक के रूप में नामित।
- इलाहाबाद विश्वविद्यालय (जीव–रसायन विज्ञान), कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी (जैव प्रौद्योगिकी) विश्वविद्यालय, असम केंद्रीय विश्वविद्यालय (जैव प्रौद्योगिकी) विश्वविद्यालय, असम केंद्रीय विश्वविद्यालय (जैव प्रौद्योगिकी), गुवाहाटी प्रौद्योगिकी (जैव प्रौद्योगिकी), मणिपुर विश्वविद्यालय (जीवन विज्ञान), गांधी ग्राम मानित विश्वविद्यालय, चेन्नै के पी.एचडी शोध–प्रबंधों" का मूल्यांकन किया ।
- इंटरनेशनल फॉर न्यूरोकेमिस्ट्री फॉर न्यूरोकेमिस्ट्री यूएसए के एमेरिट्स सदस्य ।
- असम विज्ञान सोसायटी जर्नल के 2011–12 के सत्र के संपादकीय सदस्य के रूप में नामित ।
- निदेशक, आईआईसीबी, कोलकाता द्वारा समूह–IV (4) वैज्ञानिकी की अनुवीक्षण समिति के सदस्य के रूप में नामित और 12 जुलाई, 2011 को बैठक में भाग लिया ।
- संस्थागत जैव सुरक्षा समिति, तेजपुर केंद्रीय विश्वविद्यालय, तेजपुर, असम के डीबीटी के नामितति के रूप में नामांकित ।
- गांधी ग्राम विश्वविद्यालय, मदुरई में 9 मार्च, 2012 को जैविकी प्रभावी अणु पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की ओर प्रदर्शित पोस्टरों का मूल्यांकन करने के लिए निर्णायक के रूप में नामित ।
- उत्तरी लखीमपुर कालेज, उत्तरी लखीमपुर, असम के डीबीटी द्वारा प्रायोजित संस्थागत जैव–प्रौद्योगिकी केंद्र में सलाहकार के रूप में नामित ।
- इंफोसिस साइंस फाउंडेशन, बंगलौर के अध्यक्ष और न्यासियों द्वारा वर्ष 2012 के लिए "इंफोसिस साइंस फाउंडेशन एवार्ड" में नामित करने हेतु नामांकक के रूप में नामित ।
- सीएमईआर एंड टीआई, सीएसबी लाहडोइगढ़ में 29 सितंबर, 2011 को "सेरी जैव–प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्र" पर डीबीटी द्वारा प्रायोजित कार्यशाला के विदाई समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित ।
- उत्तरी लखीमपुर कालेज, उत्तरी लखीमपुर के संस्थागत जैव–प्रौद्योगिकी केंद्र के लिए 27 मार्च, 2012 को जेआरएफ की भर्ती के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित ।
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेधालय के पी.एचडी मार्गदर्शक के रूप में स्वीकृत।

डॉ. एस.सी. नाथ, मुख्य वैज्ञानिक

- "एरोमैटिक एंड स्पाइस प्लांट्स : यूटिलाईजेशन एंड कंजर्वेशन" शीर्षस्थ और आविष्कार पब्लिशर्स, डिस्ट्रिब्यूटर्स, जयपुर, भारत द्वारा प्रकाशित और अक्तूबर, 2011 में विमोचित पुस्तक का डॉ. ए. बरूआ, एसोशिएट प्रोफेसर, दारंग कालेज, तेजपुर, असम के साथ संयुक्त रूप से संपादन किया।

डॉ. डी. प्रजापति, मुख्य वैज्ञानिक

- मोलीक्यूलर डाइवर्सिटी, करैंट आर्गनिक केमिस्ट्री एंड मोनाटशफ्टे फर चेमाई को प्रकाशन के लिए प्रस्तुत पाण्डुलिपि की समीक्षा की। केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेंद्रम, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर और महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल के पी.एचडी शोध–प्रबंध परीक्षक के रूप में कार्य किया।

डॉ. टी.सी. बोरा, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- सेरी–जैव प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों पर डीएसटी प्रायोजित कार्यशाला–व–प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया व मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और केंद्रीय सिल्क बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय ; भारत सरकार ; लाहदोईगढ़, जोरहाट द्वारा सैंट्रल मुगा इरी रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट, लाहदोईगढ़, जोरहाट, असम में 27.09.2011 को आयोजित उद्घाटन व्याख्यान दिया।

डॉ. अमृत गोस्वामी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश के पी.एचडी मूल्यांकक के रूप में स्वीकृत।

डॉ. सौरभ बरूआ, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- ''फैलो ऑफ इंडियन जीओफिजिकल यूनियन–हैदराबाद'' के रूप में सम्मानित।

डॉ. परान बरूआ, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- चिन्नामारा कॉलेज, जोरहाट के 21वें स्थापना दिवस में सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित और अमी नापाहोरू शीर्षस्थ पुस्तक का 1.6.2011 को स्थापना दिवस के अवसर पर चिन्नामारा कॉलेज द्वारा प्रकाशित का विमोचन।

  कृषि विज्ञान केंद्र हेतु विस्तार शिक्षण की चयन समिति के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में असम कृषि विश्वविद्यालय के उप–कुलपति द्वारा मई, 2011 में नामांकित।

डॉ. रमेश चन्द्रा बोराह, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- मार्क्विस ह्यू'ज ह्यू'ल इन द वर्ल्ड 2012 संस्करण में शामिल करने के लिए चयनित।

डॉ. पी.आर. भट्टाचार्य, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- जैव–विविधता संरक्षण–उत्तर पूर्व भारत में वर्तमान चिंतन पर यूजीसी/सीएसआईआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी हेतु राष्ट्रीय सलाहकार समिति के सदस्य : बोंगगइगांव, असम में 30–31 जनवरी, 2012 के दौरान जैव–विविधता पर आयोजित एक लोकप्रिय वार्ता।

डॉ. पी.सी.शर्मा, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- सेंर्सस एंड एक्येरेटर्स : बी (एल्सीवियर, नीदरलैंड) और नेनोटैक्नोलाजी (आईओपी, यूके) के अनुसंधान शोध–पत्रों की समीक्षा की।

डॉ. परान बरूआ, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- कृषि विज्ञान केंद्र हेतु विस्तार शिक्षा निदेशालय की चयन समिति के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नामित ।
- जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के अंतर्गत डीएनए क्लब द्वारा शंकरदेव सेमीनरी स्कूल, जोरहाट में 14 नवंबर, 2011 को आयेजित प्राकृतिक स्रोत जागरूकता पर कार्यक्रम के लिए स्रोत व्यक्ति।
- डॉ. अब्दुल कलाम के साथ टोकलाई प्रायोगित केंद्र, जोरहाट में 21 नवंबर, 2011 को आयोजित बच्चों के संवाद सत्र में भाग लिया।

डॉ. अमृत गोस्वामी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- उस्मानिया विश्वविद्यालय के पी.एचडी मूल्यांकक के रूप में स्वीकृत।

डॉ. एच.बी. सिंह, वैज्ञानिक–प्रभारी एवं प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर–एनईआईएसटी उपकेंद्र, इंफाल

- सोसायटी ऑफ इथनोबोटेनिक्स, लखनऊ द्वारा फैलो ऑफ इथनोबोटेनिकल सोसायटी (एफईएस) 2011 पुरस्कृत ।

- आईबीएसडी (डीबीटी, नई दिल्ली), इंफाल की क्रय समिति में 3 वर्ष (2011–13) की अवधि के लिए सदस्य के रूप में नामित।
- उत्तर–पूर्व पैकेज के अंतर्गत आकाशवाणी, इंफाल के ''मणिपुर के औषधीय पौधे'' पर रेडियो सीरियल हेतु आलेख तैयार करने के लिए आमंत्रित (कुल 3 एपिसोड)
- आईबीएसडी, इंफाल में वरिष्ठ तकनीकी सहायक, वरिष्ठ अनुसंधान फैलो और प्रयोगशाला सहायक की नियुक्ति हेतु चयन समिति के सदस्य के रूप में नामित ।
- सीएपीएआरटी, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार की दो परियोजनाओं शीर्षस्थ'' थोउबल जिले, मणिपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में लिप्त अत्यल्प ग्रामीण महिलाओं हेतु उद्यमिता विकास प्रयास (मूल्यांकन पश्चात)'' और ''पश्चिमी इंफाल के दूरस्थ गांवों में आर्थिक क्षमताशाली और एसएचजी के सशक्तीकरण द्वारा ग्रामीण महिलाओं का सशक्तीकरण (मूल्यांकन पश्चात)'' की दो परियोजनाओं के मूल्यांकन के लिए आमंत्रित।

डॉ. बी.पी. बरूआ, प्रधान वैज्ञानिक

- असम विज्ञान सोसायटी, जोरहाट शाखा में 2012, राष्ट्रीय पर्यावरणीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली में 2011 में आजीवन सदस्य के रूप में चयनित।
- इंडियन जर्नल ऑफ केमिकल टैक्नालॉजी, एनर्जी एंड फ्यूल, एनवायरमेंट साईंस एंड टैक्नोलॉजी के लिए अनुसंधान शोध–पत्रों की समीक्षा की।
- वाणिज्य विभाग, आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय से पी.एचडी शोध–प्रबंधों की समीक्षा की।
- अमेरिकन केमिकल सोसायटी (एसीएस) द्वारा 2011–12 के दौरान एसीएस जर्नलों में उनके योगदान के लिए प्रमाणपत्र द्वारा प्रशंसा।
- आईसीसीई द्वारा ''फैलो ऑफ इंटरनेशनल कांग्रेस फौर केमिस्ट्री एंड एनवायरमेंट (एफआईसीसीई), भारत के रूप में सम्मानित।
- उत्तर–पूर्व राज्यों के भू–विज्ञान एवं खनिज स्रोत पर सीजीपीबी समिति–VIII, भारतीय सर्वेक्षण, में सदस्य के रूप में नामित।

डॉ. बी.एस. भाऊ वरिष्ठ वैज्ञानिक

- जैव औषध प्रयोगशाला विज्ञान और प्रबंधन विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय, पश्चिमी बंगाल के 2011–12 के सत्र के लिए अतिथि प्रोफेसर रूप में नियुक्त। डॉ. भाऊ नैदानिक उपचार में साइटोटेक्नोलाजी, साइटोजेनेटिक्स, बायोइंफोर्मेटिक्स और आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी अवधारणाएं पढ़ाएंगे।

डॉ. एम. भुयान, वैज्ञानिक

- राष्ट्रीय शिशु विज्ञान कांग्रेस, 2010–11
- शिशु विज्ञान कांग्रेस में असम के बच्चों के साथ संवाद सत्र–नारायणपुर, लखीमपुर में 23–26 अक्तूबर, 2011 को आयोजित राज्य स्तरी, में स्रोत व्यक्ति।

डॉ. अर्चना मोनी दास, वैज्ञानिक

- डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय और गुवाहाटी विश्वविद्यालय के पी.एचडी अनुसंधान मार्गदर्शक के रूप में मान्यता प्रदान।

डॉ. स्वप्निल हजारिका, वैज्ञानिक

- गुवाहाटी विश्वविद्यालय के पी.एचडी पर्यवेक्षक के रूप में मान्य।

डॉ. एस.पी. सैकिया, वैज्ञानिक

- सीएपीएआरटी, गुवाहाटी की परियोजना शीर्षस्थ ''काली मिर्च के नर्सरी उत्पादन'' का मूल्यांकन किया जिसका कार्यान्वयन जेआईआरओआई (एनजीओ), सरोहजन, कर्बी अंगलोंग, असम ने 24 जून, 2011 को किया ।

डॉ. पूजा खेर, वैज्ञानिक

- हरित रसायन–विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के संपादकीय बोर्ड के लिए चयनित।
- जर्नल ऑफ हजार्ड्स मैटिरियल के लिए पाण्डुलिपि की समीक्षा हेतु समीक्षक के रूप में आमंत्रित।

डॉ. बी.के. सैकिया, वैज्ञानिक

- भू–विज्ञान, पृथ्वी और पर्यावरणीय विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के संपादकीय मंडल के सदस्य के रूप में अनुमोदित।
- भारतीय खनिज इंजीनियर संस्थान (आईआईएमई), जमशेदपुर, भारत के आजीवन सदस्य के रूप में चुने गए।
- पर्यावरणीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी (एसीएस जर्नल), भारतीय भू–विज्ञान सोसायटी और इंधन जर्नल के लिए अनुसंधान शोध–पत्रों की समीक्षा की।
- एसीएस जर्नलों में उनके 2011–12 के दौरान योगदान के लिए अमेरिकन केमिकल सोसायटी (एसीएस) द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान करके सराहना की गई।
- इंस्टिट्यूशन ऑफ कैमिस्ट(इंडिया) के फैलो के रूप में चयनित

गोष्ठी

वक्ता	तारीख	विषय
डॉ. शैलेश नायक, सचिव, भू–विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस)	3 जून, 2011	भूमि प्रणाली विज्ञान के सामाजिक लाभ
प्रोफेसर एस के क्वात्रा प्रोफेसर व अध्यक्ष, कैमिकल इंजीनियरिंग, मिशिगन टैक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, अमेरिका एवं मुख्य संपादक, मिनरल प्रोसेसिंग एंड एक्स्ट्राएक्टिव मैटेलरजी रिव्यू	8 दिसंबर, 2011	सीओ$_2$ के पृथक्कीकरण की चुनौतियॉं और अवसर
प्रोफेसर वी जी गाईकर रसायन प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई	9 जनवरी, 2012	जलीय धोल में हाईड्रोट्रोप्स + सरफैक्टेंट का जटिल द्रवीय व्यवहार

स्वर्ण–जयंती गतिविधियां

12वीं स्वर्ण जयंती व्याख्यानमाला आयोजित

विश्व पर्यावरण दिवस समारोह के अंतर्गत डॉ. शैलेश नायक, सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा 3 जून, 2011 को सीएसआईआर – एनईआईएसटी सभागार ने 12वें स्वर्ण जयंती व्याख्यान श्रृंखला में व्याख्यान दिए । समारोह की अध्यक्षता डॉ. पी.जी. राव, निदेशक, सीएसआईआर – एनईआईएसटी ने की जिससे आमंत्रित अतिथियों, वैज्ञानिकों, अनुसंधान विद्यार्थियों व अन्यों के अलावा सीएसआईआर – एनईआईएसटी का वैज्ञानिक परिवार सम्मिलित हुआ। ''पृथ्वी विज्ञान प्रणाली के सामाजिक लाभ'' पर अपना अभिभाषण देते हुए डॉ. नायक ने जलवायु, मौसम व प्राकृतिक आपदाओं के बेहतर पूर्वानुमान करने के लिए प्राकृतिक चक्रों और पृथ्वी प्रणाली के विभिन्न आयामों के बारे में वैज्ञानिक ज्ञान विकसित करने के लिए पृथ्वी प्रणाली विज्ञान विकसित करने हेतु पृथ्वी प्रणाली विज्ञान विकसित करने की महत्ता और आवश्यकता का उल्लेख किया । इस संबंध में डॉ. नायक ने भारत में मौसम पूर्वानुमान प्रणाली और इसकी सेवाओं की गतिविधियों का उल्लेख किया जिनका कृषि विमानन, नौपरिवहन व क्रीडा में वृहत अनुप्रयोग है। मौसम और वायु गुणता, वायु, तापमान, नमी आदि इस

(बायें) डॉ. शैलेश नायक, सचिव, पृथ्वी मंत्रालय एनईआईएसटी के वैज्ञानिकों के साथ 2 जून, 2011 को संवाद करते हुए और (दायें) डॉ. नायक द्वारा 3 जून, 2011 को उद्घाटित उत्तर–पूर्व भूकंपीय नेटवर्क

प्रणाली की कुछ गतिविधियां है। उन्होंने विभिन्न समय अंतरालों और वायु गुणता पूर्वानुमान सहित संख्यात्मक मौसम पूर्वानुमान पर चर्चा की। उन्होंने मत व्यक्त किया कि सही लधु अवधि पूर्वानुमान हेतु डोपलर मौसम रडार और उच्च संगणन प्रणाली के साथ संबद्धता अत्यंत अनिवार्य है। अन्य बातों के साथ उन्होंने मूंगा–चट्टान, हानिकारक अलगल ब्लूमस और ओरनामेंटल फिशरी के पारिस्थितिकी आकृति विज्ञान जैसे कुछ रोचक क्षेत्रों का उल्लेख किया। तटवर्ती समंदर मॉनिटरिंग और पूर्वानुमान प्रणाली में उन्होंने सूनामी, समुद्र स्तर बढ़ने के अतिसंवेदनशील प्रतिचित्रण के लिए मॉडलिंग पर प्रकाश डाला। उन्होंने उल्लेख किया कि जलवायु परिवर्तन विज्ञान को उन्नत करने के लिए पृथ्वी, राष्ट्रों, समाज और व्यक्तियों को जलवायु सेवाएं प्रदान करनी होगी। अपने व्याख्यान का संक्षेपण करते हुए डॉ. नायक ने कहा कि वैज्ञानिकों को ऐसी प्रौद्योगिकी विकसित करनी चाहिए जो मूल स्तर पर लोगों को लाभांवित कर सके । अपनी टिप्पणी में डॉ. राव ने डॉ. नायक द्वारा दिए गए प्रकाशवान एवं सूचनात्मक व्याख्यान के लिए उनकी प्रशंसा की और पर्यावरण दिवस समारोह के दौरान चर्चित मुद्दों की संगतता का उल्लेख किया। इस अवसर पर डॉ. नायक ने डॉ. पी. जी. राव, निदेशक और प्रतिष्ठित समूह की उपस्थिति में एनई वाईड एरिया सिसमिक नेटवर्क (एनईडब्ल्यूएसएन) का उद्घाटन किया।

यहां यह उल्लेख किया जाता है कि सीएसआईआर – एनईआईएसटी में 2–3 जून, 2011 के दौरान निदेशक सम्मेलन कक्ष में सरकारी दौरे पर आए डॉ. शैलेश नायक ने एनईआईएसटी के वैज्ञानिकों के साथ संक्षिप्त संवादात्मक सत्र किया। प्रतिवर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस को ध्यान में रखते हुए डॉ. नायक ने सीएसआईआर–एनईआईएसटी परिसर में 3 जून, 2011 को नीम का पौध–रोपण किया।

सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने फ्रंटियर एरिया–।। (आईएसओएफए–।।) पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की

(ऊपर बायें से दक्षिणावर्त) : डॉ. के.एम. बुजारबरूआह, उप–कुलपति, असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट, उद्घाटन भाषण देते हुए । मंच पर, आसीन (दायें से) डॉ. पी.जी. राव, निदेशक, सीएसआईआर–एनईआईएसटी ; डॉ. के.एन. बुजार बरूआह, उप–कुलपति, एएयू–जोरहाट और डॉ. बी.जी. उन्नी, मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर–एनईआईएसटी एवं संगोष्ठी संयोजक । प्रोफेसर बेनहाओ हू, अध्यक्ष, इंस्टिट्यूट ऑफ ड्रग डिस्कवरी एंड डेवलपमेंट, ईस्ट चाईग नोर्मल यूनिवर्सिटी, शंधाई अपना अभिभाषण करते हुए । प्रोफेसर गोपीनाथन पालियाथ, यूनिवर्सिटी ऑफ ग्यूल्फ, कनाडा अपना व्याख्यान देते हुए ।

(ऊपर बायें से दक्षिणावर्त) : डॉ. पी.जी. राव, निदेशक, सीएसआईआर–एनईआईएसटी, प्रोफेसर जे.एन. जाघव, आईआईटी, मुंबई को उनके व्याख्यान के बाद स्मृति–चिन्ह भेंट करते हुए । सुश्री चटनापा खोमखूट, चियांग माई रॉयल एग्रीकल्चरल रिसर्च सैंटर, कृषि और सहकारिता मंत्रालय, थाइलैंड अपना व्याख्यान देते हुए । प्रोफेसर जी.डी. यादव, उप–कुलपति, रसायन प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई अपना व्याख्यान देते हुए । संगोष्ठी में श्रोतागण ।

स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में सीएसआईआर–उत्तर–पूर्व विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान ने ''इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन फ्रंटियर एरियाज–।। (आईएसओएफए–।।)'' पर 6 सितंबर, 2011 को अपने परिसर में एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की । डॉ. जे.एन. बरूआह सभागार में आयोजित इस संगोष्ठी में विभिन्न अनुसंधान संस्थानों से वैज्ञानिक समूह, विदेशी प्रतिनिधि, विशिष्ट अतिथि, अनुसंधान शोधकर्ता, नजदीकी विश्वविद्यालयों और संस्थानों के संकाय व विद्यार्थी और सीएसआईआर – एनईआईएसटी के वैज्ञानिक समुदाय ने हिस्सा लिया। डॉ. के.एम. बुजरबरूआह, उप–कुलपति, असम कृषि विश्वविद्यालय ने पूर्वाह्न में आयोजित उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। डॉ. पी.जी. राव, सीएसआईआर – एनईआईएसटी ने श्रोताओं का स्वागत करते हुए कहा कि पुनरावलोकन विगत की समीक्षा और भावी 12वीं पंचवर्षीय योजना हेतु कूटनीति के रूप में आईएसओएफए–।। का आयोजन किया गया है । डॉ. राव ने सीएसआईआर–एनईआईएसटी के बारे में संक्षिप्त परिज्ञान दिया और कहा कि अनुसंधान व विकास गतिविधियों पर मुख्य जोर उत्तर–पूर्व क्षेत्र के विशाल प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग द्वारा स्वदेशी प्रौद्योगिकियां विकसित करना है। डॉ. के.एन. बुजरबरूआह ने अपने उद्घाटन भाषण में देश के इस दूरस्थ हिस्से में अनुसंधान के सीमांत क्षेत्रों में उपलब्धियों और क्षेत्र में आर्थिक विकास लाने के लिए सीएसआईआर–एनईआईएसटी की उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि अनुसंधान व विकास में उत्कृष्टता लाने पर बल देने की आवश्यकता है क्योंकि अमेरिका और जापान जैसे विकसित देशों की तुलना में भारत स्वीकृत पेटेंटों की दृष्टि से काफी पीछे है। डॉ. बुजारबरूआह ने विशिष्ट रूप से जीनोमिक्स, कृषि और इसके विभिन्न विकासों, पैस्ट प्रबंधन हेतु नेनोप्रौद्योगिकी और पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एएयू की गतिविधियों का उल्लेख किया । उन्होंने आशा व्यक्त की कि आई ओ एफ ए–।। में विचार–विमर्श से नवप्रवर्तित परियोजनाएं बनाई जा सकेंगी । इससे पूर्व, डॉ. बी.जी. उन्नी, मुख्य वैज्ञानिक व समन्वयक–आईएसओएफए–।। ने आईएसओएफए–।। और इसके प्रयोजन के बारे में बताया । उन्होंने आशा व्यक्त की कि आईएसओएफए–।। रसायन, जैविक, इंजीनियरी और पृथ्वी विज्ञान अधिक व्याख्यात्मक अनुसंधान हेतु फोरम प्रदान करेगा जो निश्चित रूप में संगोष्ठी के उद्देश्यों के लिए लाभप्रद होगा। तदुपरांत उद्घाटन

समारोह के बाद पूर्ण सत्र हुए जिनमें भारत और विदेश के आमंत्रित वक्ताओं ने 5 व्याख्यान दिए । ईस्ट चाईना नार्माल यूनिवर्सिटी, चाईना के प्रोफेसर वेनहाउ हू ने पहले व्याख्यान में बायोएक्टिव कंपाउंड के संश्लेषण हेतु ''नोवल मल्टी–कंपोनेंट रिएक्शन बेस्ड ऑन एन ओनियम यलाइड ट्रैंपिंग प्रोसेस'' पर व्याख्यान दिया । यूनिवर्सिटी ऑफ गुएल्फ कनाडा के प्रोफेसर गोपीनाथन पल्लियाथ ने दूसरा व्याख्यान ''फल, सब्जियां और रोग रोकथाम'' पर दिया जो फलों और सब्जियों से संबंधित है और उनकी जरावस्था (इथीलोन, सिग्नल ट्रान्सडक्शन, केल्शियम सेकंड मैसेंजर सिस्टम), शेल्फ जीवन और गुणता, न्यूट्राक्यूटिकल संघटक और उनकी कार्य–प्रणाली पर दिया । आईआईटी, मुंबई के प्रोफेसर जी.एन. जाधव ने तीसरा व्याख्यान ''खनिज प्रकरण और खनिज विज्ञान में अयस्क पैट्रगैफी का अनुप्रयोग'' पर दिया जिसमें सूक्ष्मदर्शिकी और अयस्क सूक्ष्मदर्शिकी की विभिन्न तकनीकों और तकनीकी–आर्थिक प्रयोग के संदर्भ में दोनों प्राकृतिक और प्रसंस्कृति रूपों में, अयस्कों और खनिजों की पेट्रोफिजिकल विशेषताओं की अनुकूलता में अनुप्रयोग पर दिया । सुश्री चाटनापा खोमरवट, चियांग माई रॉयल एग्रीकल्चर रिसर्च सैंटर, कृषि और सहकारिता मंत्रालय, थाईलैंड ने चौथी वार्ता ''अरेबिका कॉफी इम्प्रूवमेंट फॉर हाइलैंड एरिया ऑफ थाइलैंड, एआरडीए'' पर दी जिसमें वे अरेबिका कॉफी और 1849 के दौरान थाईलैंड में इसके प्रचलन, जिसे बाद में समुद्र स्तर से लगभग 700 मीटर ऊंचाई भूमि पर पैदावार के लिए उपयुक्त पाया गया, पर बोलीं । उन्होनें थाइलैंड में ''अफीम खसखस खेती'' की प्रतिस्थापित खेती के रूप में अरेबिका कॉफी को प्रोत्साहित करने वाले विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्रों और निजी संगठनों का उल्लेख किया जिसने थाइलैंड में मृदा भक्षरण, कृषकों के लिए निरंतर आय बनाने और खेती परिवर्तन में समय कमी चूंकि कॉफी एक स्थायी खेती है और कृषकों को खेती स्थान परिवर्तित करने हेतु नए वन क्षेत्र बनाने के लिए एक वन से दूसरे में जाने की आवश्यकता नहीं होगी, का उल्लेख भी किया । प्रोफेसर जी.डी. यादव, उप–कुलपति, रसायन प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई ने पांचवा व्याख्यान'' कोंफ्लूएंस ऑफ द केमिकल एंड बायोलॉजिकल एंड इंजीनियरिंग साईंस फार बैटर फ्यूटर'' पर दिया जिसमें उन्होंने इंजीनियरी विज्ञान की जैविक महत्ता पर जोर दिया । उन्होंने कहा कि आज का विश्व परिवर्तनों, चुनौतियों और अवसरों से परिपूर्ण है । प्रोफेसर यादव ने 21वीं सदी की इंजीनियरी चुनौतियों जैसे विश्व अर्थव्यवस्था में समृद्धि लाना, स्वच्छ ऊर्जा स्रोत बनाने, बढ़ती हुई जनसंख्या हेतु उत्पाद, ईंधन से नुकसानदायक सल्फर दूर करने, रसायन–विज्ञान के जरिए बेहतर जीवन–यापन, प्राकृतिक संसाधनों का विस्तारण, बड़े पैमाने पर उत्पादन इंजीनियरी और संक्षिप्त इंजीनियरी, सुगत और भरपूर खाद्य, रोगों का उपचार और जीवन विस्तारण, उन्नत स्वास्थ्य सूचना–विज्ञान, निजी कम्प्यूटरों को शक्तिशाली बनाना, नाइट्रोजन चक्र का प्रबंधन करना, कार्बन चक्र, फुट प्रिंट, शहरी संरचना का पुनःस्थापन स्पष्ट किया । उन्होंने जैविक फ्रंटियर के परे विषय जैसे जैविक विज्ञान, रसायन विज्ञान, पर्यावरणीय विज्ञान, इलैक्ट्रोनिक्स और भौतिकी–विज्ञान की भी व्याख्या की । यहां यह उल्लेख किया जाता है कि प्रत्येक सत्र विशेषज्ञों और श्रोताओं के संवाद के साथ समाप्त हुआ । अंत में आईएसओएफए के समापन पर विदाई समारोह आयोजित किया गया ।

सीएसआईआर–एनईआईएसटी द्वारा स्वर्ण जयंती जांच–संबंधित परियोजना प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

(बायें) प्रोफेसर एच के गुप्ता, राजा रमन्ना फैलो एवं पूर्व सचिव, समुद्र विकास विभाग, भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में अभिभाषण करते हुए। मंच पर आसीन (दायें से बायें) श्री पी.पी. श्रीवास्तव, सदस्य, उत्तर–पूर्व परिषद, डॉ. पी.जी. राव, निदेशक, सीएसआईआर–एनईआईएसटी ; प्रोफेसर बी.बी. धर, उपाध्यक्ष, रितानंद बल्वर्ड एजूकेशन फाउंडेशन, प्रोफेसर राम राजसेखरन, निदेशक, सीएसआईआर–सीआईएमएपी ;डॉ. पी.के. बिस्वास, पूर्व सलाहकार (वि. व प्रो.), योजना आयोग (दाएं) प्रोफेसर एच.के. गुप्ता से पुरस्कार प्राप्त करते हुए विजेता विद्यार्थी।

सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने स्वर्ण जयंती जांच संबंधित परियोजना प्रतियोगिता–2010–2011 का भली भांति तैयार किए पुरस्कार वितरण समारोह का 31 अक्तूबर, 2011 को आयोजन किया। डॉ. जे.एन. बरूआ सभागार में आयोजित समारोह में प्रोफेसर एच.के. गुप्ता, राजा रमन्ना फैलो व पूर्व सचिव, समुद्र विकास विभाग, भारत सरकार ने मुख्य अतिथि के रूप में सीएसआईआर–एनईआईएसटी के पुराने व वर्तमान बंधुत्व परिवार के अलावा अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय ख्याति के अन्य प्रतिष्ठित शिक्षाविदो सहित भाग लिया । यह उल्लेखनीय है कि प्रतियोगिता सीएसआईआर–एनईआईएसटी स्वर्ण जयंती समारोह 2010–11 के तत्वावधान में उत्तर–पूर्व भारत के राज्यों के कक्षा छह से स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के दो समूहों में विभिन्न विषयों जैसे इलाके की जैव–विविधता, स्वास्थ्य व औषध में पारंपरिक ज्ञान, जल संरक्षण का पारंपरिक ज्ञान, सजातीय/पारंपरिक खाद्य, भूमि/नदी भूक्षरण, पारंपरिक निर्माण सामग्री और अंधविश्वास व इसके उन्मूलन पर आयोजित की गई। प्रतियोगिता में अरूणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर और नागालैंड राज्यों के विद्यार्थियों ने काफी संख्या में भाग लिया और अनेक परियोजना रिपोर्टें प्रस्तुत की। परियोजनाओं का मूल्यांकन सीएसआईआर–एनईआईएसटी के 12 वैज्ञानिकों की टीम ने किया । परियोजनाओं का सूक्ष्म मूल्यांकन करने के उपरांत व्यक्तिगत राज्य स्तर और उत्तर–पूर्व स्तर पर 62 विजेताओं का चयन किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता विद्यार्थियों के साथ प्रत्येक स्कूल अथवा कालेज से एक सहचर अध्यापक ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का समन्वयन प्रयोगशाला के डॉ. एम.जे. बोरडोई, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक ने किया। समारोह में डॉ. प्रभात कोटोकी, प्रमुख वैज्ञानिक और समारोह के समन्वयक ने स्वागत भाषण दिया जबकि डॉ. पी.जी. राव, निदेशक, सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने अपने संबोधन में, उत्तर–पूर्व क्षेत्र में इस प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित करने और क्षेत्र में विज्ञान के सार्वजनीकरण हेतु सीएसआईआर–एनईआईएसटी की गतिविधियों पर जोर डाला। समारोह में सीएसआईआर – एनईआईएसटी के दस्तावेज ''दृष्टि 2020'' और सीएसआईआर – एनईआईएसटी से ''पी.एचडी प्राप्तकर्ता'' पर पुस्तक का विमोचन क्रमशः प्रोफेसर गुप्ता और प्रोफेसर बी.बी. धर, उपाध्यक्ष रितनंद बल्वेड एजूकेशन फाउंडेशन द्वारा किया गया। इन चार राज्यों में से प्रत्येक के एक प्रतिनिधि विद्यार्थी ने अपने अनुभव व्यक्त किए और अपने भावी जीवन में विज्ञान को कैरियर बनाने में रूचि प्रगट की । विवेकानंद केंद्रीय विद्यालय, कुमोरिजो, अरूणाचल प्रदेश के विद्यार्थियों द्वारा शीर्षस्थ परियोजना'' स्टडीज ऑन द डाइवर्सिटी ऑफ होम गार्डन फ्रोम दापारीजो एरिया ऑफ अपर सुबनसिरी डिस्ट्रिक्ट'' और डीएम विज्ञान कालेज, इंफाल, मणिपुर के विद्यार्थियों द्वारा ''इन इन्वेस्टिगेटरी रिपोर्ट ऑन ट्रेडिशनल फूट इटिंग प्रैक्विसिस ऑफ मणिपुर एंड इट्स इथनो–बोटेनिकल इंपोर्टन्स इन पर्सनल हैल्थकेयर'' शीर्षस्थ को उत्तर–पूर्व भारत में समूह–क और समूह–ख में क्रमशः प्रथम और द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुए। पुरस्कार वितरण समारोह का संचालन डॉ. एम.जे. बोर्डोलोई, प्रतियोगिता के समन्वयक ने किया । प्रोफेसर गुप्ता, प्रोफेसर धर व अन्य गणमान्य शिक्षाविदों ने विजेताओं को पुरस्कार व प्रमाणपत्र प्रदान किए। प्रोफेसर गुप्ता ने पृथ्वी विज्ञान के क्षेत्र में अंटार्टिका में विभिन्न वैज्ञानिक गतिविधियों पर आपके प्रेरणादायक भाषण से विद्यार्थियों को उजागर किया। कार्यक्रम का समापन डॉ. डी. बनिक के धन्यवाद–ज्ञापन से हुआ।

सीएसआईआर द्वारा स्वर्ण जयंती समारोह का समापन

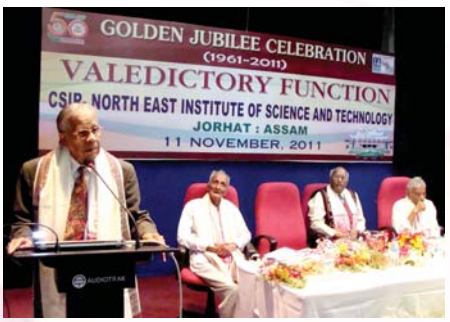

(बायें) डॉ. जी. थ्यागराजन, यूनिडो राष्ट्रीय परामर्शदाता और पूर्व निदेशक, सीएसआईआर–एनईआईएसटी मुख्य अतिथि के रूप में अपना अभिभाषण देते हुए।

(बायें) श्री हाजरपुर पाठक, प्रयोगशाला के वरिष्ठतम सेवा–निवृत्त स्टाफ सदस्य (जन्म तारीख के अनुसार) सम्मानित अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए। (केंद्र) श्री अकन चन्द्रा सरमा, प्रयोगशाला के वरिष्ठतम सेवा–निवृत्त स्टाफ सदस्य (नियुक्ति की तारीख से) सम्मानित अतिथि के रूप में भाषण देते हुए। (दायें) डॉ. जी. थ्यागराजन, स्वर्ण जयंती प्रकाशन शीर्षस्थ ''पिक्टोयिल हिस्ट्री–इलस्ट्रेटिड हिस्ट्री ऑफ सीएसआईआर–एनईआईएसटी थ्रू पिक्चर'' का विमोचन करते हुए और डॉ. पी.जी. राव, निदेशक, सीएसआईआर–एनईआईएसटी उनकी ओर निहराते हुए।

वर्षभर स्वर्ण जयंती समारोह का समापन करते हुए सीएसआईआर – एनईआईएसटी ने अपने स्वर्ण जयंती समारोह वर्ष 2010–11 का विदाई समारोह अपने परिसर में 11 नवंबर, 2011 को प्रातः 11.00 बजे भली–भांति मनाए गए कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। डॉ. जे एन बरूआ, सभागार में आयोजित समारोह में डॉ. जी. थ्यागराजन, यूनिडो राष्ट्रीय परामर्शदाता और सीएसआईआर – एनईआईएसटी के वरिष्ठतम पूर्व निदेशक ने मुख्य अतिथि के रूप में, श्री अकन चन्द्रा सरमा, प्रयोगशाला के वरिष्ठतम स्टाफ सदस्य (नियुक्ति की तारीख से) सम्मानित अतिथि के रूप में (जन्मतिथि से) के अलावा आमंत्रित अतिथियों, जोरहाट टाउन के प्रतिष्ठित भक्ति और सीएसआईआर–एनईआईएसटी बंधुत्व परिवार, पुराने व वर्तमान दोनों, उपस्थित हुए। डॉ. एन सी बरूआ, मुख्य वैज्ञानिक व मुख्य, प्राकृतिक उत्पाद रसायन–विज्ञान प्रभाग ने श्रोताओं का स्वागत करते हुए अपने स्वागत भाषण में स्वर्ण जयंती समारोहों के तत्वावधान में वर्ष के दौरान आयोजित गतिविधियों और घटनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि वर्ष के दौरान 12 स्वर्ण जयंती व्याख्यानमाला, 3 कार्यशालाएं और 4 संवाद सभाएं आयोजित की गई। उन्होनें यह भी कहा कि सीएसआईआर – एनईआईएसटी ने उत्तर–पूर्व क्षेत्र के स्कूली विद्यार्थियों के बीच विभिन्न विषयों के अंतर्गत स्वर्ण जयंती परियोजना अन्वेषण प्रतियोगिता आयोजित की गई और फिलहाल आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में उचित पुरस्कार प्रदान किए गए। उन्होंने यह भी सूचित किया कि सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने जोरहाट जिले की एनजीओ ''गाइडेंस'' द्वारा आयोजित प्रतिभा खोज परीक्षा में श्रेष्ठ अंक प्राप्त विद्यार्थी को स्वर्ण जयंती फैलोशिप से सम्मानित किया। इसके अलावा, सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने विभिन्न अवसरों पर संगोष्ठी/सम्मेलन भी आयोजित किए नामतः अंतर्राष्ट्रीय आयुर्वेद कांग्रेस, मधुमेह संबंधी पौधों पर राष्ट्रीय गोष्ठी और फ्रंटियर एरिया–।। (आईएसओएफए–।।) पर अंतर्राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी/समारोह की उपयुक्तता में, प्रयोगशाला ने वरिष्ठतम सेवा–निवृत्त स्टाफ सदस्य को प्रयोगशाला के 50 वर्षों के यशस्वी अस्तित्व के दौरान प्रयोगशाला की उन्नति और विकास में उनके अमिट योगदान के लिए ओवेशन व अन्य उपहार वस्तुएं देकर सम्मानित किया। इसके लिए स्टाफ सदस्यों का चयन नियुक्ति की तारीख, जन्मतिथि के आधार पर वरिष्ठतम, वरिष्ठतम निदेशक, वरिष्ठतम महिला कर्मचारी, प्रयोगशाला से सर्वप्रथम पी.एचडी करने वाला कर्मचारी, अनुसंधान शोध–पत्र प्रकाशित करने वाला प्रथम वैज्ञानिक और सबसे पुराना जीवित पेटेंट धारक आदि के आधार पर किया गया। समारोह के उपलक्ष्य में अनेक प्रकाशन निकाले गए नामतः ''चित्रमय इतिहास–चित्रों के जरिए सीएसआईआर – एनईआईएसटी का सचित्र इतिहास'', ''स्मारिका–ऑन द सैन्डस ऑफ टाईम'', ''दिन जो हम भुला नहीं सकते (अविस्मरणीयच विगत),'', ''प्रौद्यो कहानियां'', ''50 वर्ष 50 प्रौद्योगिकियां'' और '' लोक औषधीय पौधे एवं उत्तर–पूर्व भारत के औषधीय पौधे'' जिनका अनावरण मुख्य अतिथि, सम्माननीय अतिथि और डॉ. पी.जी राव, निदेशक, सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने समारोह में किया। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए डॉ. जी. थ्यागराजन ने, अवसर की महत्ता बताई और सभी से अधिक परिश्रम करने एवं संस्थान को आने वाले दिनों में सम्मान व प्रतिष्ठा दिलाने की अपील की। उन्होंने विशेषकर युवा वैज्ञानिकों को अनकी अनुसंधान कार्यों की चुनौतियों का सामना करने किंतु साथ ही साथ अध्यवसाय करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री अकन सी सरमा ने अपने भाषण में सीएसआईआर – एनईआईएसटी, तत्कालीन आरआरएल के नाम से विख्यात, अपने कार्यकाल के दौरान कार्य अनुभव बताएं और सीएसआईआर – एनईआईसी जैसी बहुआयामी प्रयोगशाला में एकता के साथ कार्य करने की अनिवार्यता का उल्लेख किया। श्री एच पाठक ने भी अपने भाषण में प्रयोगशाला की उन्नति और विकास के लिए मिलजुलकर सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. पी.जी. राव, निदेशक, सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने अपने संबोधन में कहा कि स्वर्ण जयंती वर्ष संस्थान के लिए पुरस्कृत वर्ष रहा है क्योंकि संस्थान को निरंतर दो वर्षों से सीएसआईआर–प्रौद्योगिकी पुरस्कार प्राप्त हुआ है, पहला हाई स्ट्रैंग्थ प्रो पैंट्स निर्माण हेतु प्रक्रिया विकसित करने के लिए नवप्रवर्तन श्रेणी के अंतर्गत 2010 में पहला और जीवन विज्ञान के अंतर्गत ''टर्मिमालिया चेबुला आधारित जैविक निरूपण (मुगाहील) एंटी–फ्लेचेरी तत्व और रेशम फाइबर बढ़ाने वाला'' प्रौद्योगिकी विकसित करने हेतु पुनः 2011 में पुरस्कृत। उन्होंने समाज के विकास हेतु युवा स्टाफ सदस्यों को बड़ी चुनौतियां और उत्तरदायित्व लेने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. जी. थ्यागराजन द्वारा स्वर्ण जयंती लोगों इलैक्ट्रोनिकली बंद करने के साथ ही स्वर्ण जयंती समारोह का समापन हुआ । तदुपरांत, स्नेह और प्रशंसा के रूप में मुख्य अतिथि और सम्माननीय अतिथियों को स्मृति–चिंह भेंट किए गए । समारोह में डॉ. एन सी बरूआ, मुख्य वैज्ञानिक ने, समारोह में उपस्थित प्रयोगशाला के वरिष्ठतम स्टाफ सदस्य के रूप में समस्त प्रयोगशाला की ओर से प्राप्त किया और इसे सुश्री प्रोटीस्मिता बोरा, तकनीकी सहायक ने कनिष्ठतम वर्तमान स्टाफ सदस्य के रूप में प्राप्त किया। डॉ. एल नाथ, मुख्य वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, मानव संसाधन प्रभाग द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन हुआ। तदुपरांत समारोह के प्रतीक के रूप में प्रयोगशाला के सभी कर्मचारियों को स्मृति चिंह भेंट किए गए।

अभ्यागत

विशिष्ट आगंतुक

- असम–मेघालय काडर 2010 के आईएएस परिवीक्षार्थियों का दौरा

  असम–मेघालय काडर के छह आईएएस परिवीक्षार्थी, श्री नारायण कोनवर, आईएएस (पी), ए सी डिब्रूगढ़, श्री इन्द्रजीत सिंह, आईएएस (पी), ए सी तिनसुखिया, श्री अश्वनी कुमार, आईएएस (पी),ए सी ढ़ेमजी, श्री साईरिल की दरलोंग डियनगडोह, आईएएस (पी), ए सी लखमीपुर, डॉ. करूणा कुमारी, आईएएस (पी), ए सी गोलपारा और श्रीमती लया माधुरी, आईएएस (पी) ए सी नागॉव ने 5 जनवरी, 2012 को सीएसआईआर–एनईआईएसटी का दौरा किया। निदेशक, सीएसआईआर–एनईआईएसटी और इसके स्टाफ सदस्यों के साथ उनकी संक्षिप्त बैठक हुई जिसके पश्चात उन्हें संस्थान के विभिन्न विभागों में ले जाया गया।
- कम्यूनिटी हैल्थ एंड एडवांसमेंट इनिशिएटिव (सीएचएआई) के पांच कार्मिकों के एक समूह ने 28 अप्रैल, 2011 को सीएसआईआर–एनईआईएसटी का दौरा किया।
- श्री टी. गपाक, सदस्य सचिव, एपीएसएमपीबी और डॉ. अब्दुल करीम, सहायक निदेशक, फाउंडेशन फॉर रिवाईटलाइजेशन ऑफ लोकल हैल्थ ट्रैडीशंस (एफआरएलएचटी), बंगलौर, कर्नाटक की अगुवाई में 40 सदस्यों के एक दल ने 12 मई, 2011 को सीएसआईआर–एनईआईएसटी शाखा, ईटानगर का दौरा किया। इस दल में गांव के वनस्पतिज्ञ, स्थानीय किसान, उद्यमी स्थानीय प्रतिकार और अरूणाचल प्रदेश के विभिन्न भागों से विद्यार्थी शामिल थे। कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में दौरा करने आए दल के सदस्यों को मशरूम की खेती और वरमीकम्पोस्ट के उत्पादन पर प्रशिक्षण, निरूपण एवं तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

आगंतुक विद्यार्थी

विश्वविद्यालय / कालेज / स्कूल	आगंतुकों की संख्या	दिनांक
सीपन जटिया विद्यालय, शिवसागर	40 विद्यार्थी (कक्षा VIII से X) 5 प्राध्यापक	25 अप्रैल, 2011
बन्हगढ़ रूपज्योति गर्ल्स हाई स्कूल, शिबसागर	40 विद्यार्थी 2 प्राध्यापक (डीएनए क्लब पंजीकृत)	25 अप्रैल, 2011
जैव प्रौद्योगिकी व रसायन अभियंतीा विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय	16 विद्यार्थी (एम.टैक) 1 संकाय	2 मई, 2011
जैव प्रौद्योगिकी विभाग, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय	7 विद्यार्थी (एम.एससी जैव प्रौद्योगिकी)	16 मई, 2011
पुलेस्वरी गर्ल्स हायर सैकेंड्री स्कूल, शिवसागर	47 विद्यार्थी (कक्षा VII से IX) 2 प्राध्यापक (डीएनए क्लब कार्य कर्म के अंतर्गत)	30 मई, 2011
माधवपुर गर्ल्स हाई स्कूल, टीटाबोर	36 विद्यार्थी (कक्षा VII से IX) (डीएनए क्लब कार्यक्रम के अंतर्गत)	30 मई, 2011
बंदरचालिया हाई स्कूल, टीटाबोर	38 विद्यार्थी (कक्षा VII से IX) (डीएनए क्लब कार्यक्रम के अंतर्गत)	30 मई, 2011
बिरीनासायक हाई स्कूल, टीटाबोर	33 विद्यार्थी (कक्षा VII से IX) (डीएनए क्लब कार्यक्रम के अंतर्गत)	30 मई, 2011
डेरगांव हायर सैकेंड्री स्कूल, डेरगांव	22 विद्यार्थी (कक्षा X) (डीएनए क्लब कार्यक्रम के अंतर्गत)	9 जून, 2011
जालू कोनीबारी हाई स्कूल, टीटाबोर	54 विद्यार्थी (कक्षा IX से X)	01 जुलाई, 2011
बेर अहोम गांव स्कूल, जोरहाट	30 विद्यार्थी	22 जुलाई, 2011

राजगढ़ अकादमिक सेंटर डिब्रगढ़	53 विद्यार्थी 8 प्राध्यापक	30 अगस्त, 2011
देवीचरण बरूआ गर्ल्स हाई स्कूल, जोरहाट	56 विद्यार्थी (कक्षा VI से X) 6 प्राध्यापक	12 सितंबर, 2011
एनईआरआईएसटी, निर्जुली (शाखा प्रयोगशाला का दौरा किया)	27 विद्यार्थी (बी .एससी वानिकी, द्वितीय वर्ष), 1 संकाय	12 सितंबर, 2011
जयसागर कॉलेज, शिवसागर	9 विद्यार्थी (बी .एससी प्राणी विज्ञान तृतीय वर्ष) 2 अनुसंधान फैलो, 1 प्राध्यापक	13 सितंबर, 2011
बानगढ़ हाई स्कूल, शिवसागर	40 विद्यार्थी 5 प्राध्यापक	22 सितंबर, 2011
असम मुख्यमंत्री के ज्ञान ज्योति कार्यक्रम के अंतर्गत	लगभग 200 विद्यार्थी (कक्षा IX)	21–22 अक्तूबर, 2011
शंकरदेव विद्या निकेतन, मेलासागर, शिवसागर	60 विद्यार्थी (कक्षा VIII)	28 अक्तूबर, 2011
दिल्ली पब्लिक स्कूल, नजीरा	50 विद्यार्थी 2 प्राध्यापक	20 दिसंबर, 2011
गोरूमारा हाई स्कूल, जोरहाट	20 विद्यार्थी 2 प्राध्यापक	27 मार्च, 2012
न्यू लुक अकादमी, शिवसागर	22 विद्यार्थी 4 प्राध्यापक	29 मार्च, 2012

दिनांक–रेखा

8–9 अप्रैल	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने मधुमेह में पौधों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
11 मई, 2011	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन किया गया।
24–27 मई, 2011	:	राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी व प्रौद्योगिकी प्रदर्शन कार्यशाला जोरहाट में आयोजित की गई।
3 जून, 2011	:	12वीं स्वर्ण जयंती व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की गई।
7 जून, 2011	:	जलवायु परिवर्तन पर परामर्शी कार्यशाला सीएसआईआर–एनईआईएसटी में की गई।
23 जून, 2011	:	लघु चाय बुवाईवालों के साथ संवादात्मक भेंट सीएसआईआर–एनईआईएसटी में की गई।
5–15 जुलाई, 2011	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी में अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
15 अगस्त, 2011	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने देश का 65वां स्वाधीनता दिवस मनाया।
12–31 अगस्त, 2011	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने जोरहाट जिला परिषद के प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया।
1 सितंबर, 2011	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने सभागार अपने पूर्व निदेशक, स्वर्गीय डॉ. जे.एन. बरूआ के नाम समर्पित किया।
2 सितंबर, 2011	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने असम साईंस सोसाईटी के साथ मिलकर 17वां डॉ. जे.एन. बरूआ स्मारक भाषण का आयोजन किया।
6 सितंबर, 2011	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने अग्रणी एरिया–।। (आईएसओएफए–।।) पर अंतर्राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी आयोजित की।
7–14 सितंबर, 2011	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने हिंदी सप्ताह मनाया।
19 सितंबर, 2011	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी में दीर्धकालिक सड़क प्रौद्योगिकियों पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई।
26 सितंबर, 2011	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने 69वां सीएसआईआर स्थापना दिवस मनाया।
13–14 अक्तूबर	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने जोखिम – जोखिम न्यूनतम करना, अधिकतम जागरूकता करने पर क्षेत्र स्तरीय कार्यशाला आयोजित की।
31 अक्तूबर, 2011	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने स्वर्ण–जयंती जांच संबंधित परियोजना प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया।
31 अक्तूबर, 2011 से 5 नवंबर, 2011	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी में सतर्कता जागरूकता दिवस मनाया गया।
11 नवंबर, 2011	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने अपने स्वर्ण जयंती समारोह का समापन किया।
16–17 नवंबर, 2011	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने ''संकाय प्रशिक्षण एवं अभिप्रेरणा व स्कूल और कालेजों को अंगीकार करने पर कार्यशाला आयोजित की।
18–19 नवंबर, 2011	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी उप–केंद्र ने विशिष्ट संस्कृति डिजाईन व सामग्रियों पर आधारित अनूठे उत्पादों के लिए कार्यशाला–व–प्रदर्शनी आयोजित की।
20 नवंबर, 2011	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी और सीएसआईआर–सीएसआईओ ने संयुक्त रूप से लघु चाय बुवाईकारों के साथ संवादात्मक चर्चा की गई।
15–24 नवंबर, 2011	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने आणविक जीव–विज्ञान एवं अणुजीव के विभेदों के प्रतिचित्रण पर प्रशिक्षण पर कार्यशाला–व–हस्त प्रशिक्षण का आयोजन किया।
14–15 दिसंबर, 2011	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने सीपीवाईएलएस कार्यक्रम आयोजित किया।
12–19 दिसंबर, 2011	:	स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं के प्रलेखन एवं मूल्यांकन पर सीएसआईआर– एनईआईएसटी, जोरहाट में कार्यशाला का आयोजन किया गया।
19–24 दिसंबर, 2011	:	सीएएआईआर–एनईआईएसटी ने विद्यार्थियों के लिए अभिप्रेरक कार्यक्रम आयोजित किया।

3–4 जनवरी, 2012	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने जोखिम–जोखिम न्यूनतम करना, अधिकतम जागरूकता करने पर क्षेत्र स्तरीय कार्यशाला आयोजित की।
5 जनवरी, 2011	:	एससी/एसटी अधिशासित स्थलों के लिए स्थल विशिष्ट अनुसंधान व विकास एवं निरूपण परियोजनाओं के विकास हेतु संवेदनशील कार्यशाला सीएसआईआर– एनईआईएसटी में आयोजित की गई।
5–10 जनवरी, 2012	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने विद्यार्थियों के लिए अभिप्रेरक कार्यक्रम आयोजित किया।
21–23 जनवरी, 2012	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने 43वां एसएसबीएमटी (बाह्य) क्षेत्रीय का आतिथेय किया।
26 जनवरी, 2012	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी में गणतंत्र दिवस मनाया गया।
2–3 फरवरी, 2012	:	सीएसआईआर और टीएससीएसटी ने संयुक्त रूप से सीएसआईआर ग्रामीण प्रौद्योगिकियों पर निरूपण–व–कार्यशाला आयोजित की।
4 फरवरी, 2012	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने एनईआर के लिए सीएसआईआर–सीआरआरआई के साथ मिलकर दीर्धकालिक सड़क प्रौद्योगिकियों पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की।
14–15 फरवरी, 2012	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने ''संकाय प्रशिक्षण एवं अभिप्रेरणा व स्कूल और कालेजों को अंगीकार करने पर कार्यशाला का आयोजन किया।
28 फरवरी, 2012	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने उत्तर–पूर्वी क्षेत्र हेतु सिविल संरचना प्रौद्योगिकियों पर कार्यशाला आयोजित की।
1 मार्च, 2012	:	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह, 2012 का उद्घाटन।
5 मार्च, 2012	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह, 2012 के दौरान स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।
13 मार्च, 2012	:	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2012 औपचारिक समारोह।
19 मार्च, 2012	:	सीएसआईआर–एनईआईएसटी ने अपने स्थापना दिवस का आयोजन किया।

कार्मिक

निदेशक

डॉ. पी जी राव, एम.टैक, पीएचडी, एफआईआईसीएचई, एफएनएएससी, एफएपीएएस

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	श्री जीवन चंद्र चेतिया	निजी सचिव	स्नातक
2.	सुश्री पूर्णिमा हजारिका	वरिष्ठ आशुलिपिक	स्नातक
3.	श्री अरूण कुमार सरमाह	वरिष्ठ तकनीशियन	
4.	श्री दीनाराम बरूआ	वायरमैन	
5.	श्री पोरेश बोरा	चालक	

कृषि प्रौद्योगिकी

औषधीय, संगध एंव लाभप्रद पौधा

डॉ. एन सी बरूआ, एम.एससी, पीएचडी, प्रमुख वैज्ञानिक, क्षेत्रीय समन्वयक

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	डॉ. पी.आर. भट्टाचार्य	वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक	एम.एससी (कृषि), पी.एचडी
2.	डॉ. एस.सी. नाथ	मुख्य वैज्ञानिक	एम.एससी, पीएचडी
3.	डॉ. पी. बरूआ	मुख्य वैज्ञानिक	एम.एससी (कृषि), पी.एचडी
4.	डॉ. (सुश्री) मीना बरठाकुर	वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
5.	डॉ. बी.एस. भाऊ	वरिष्ठ वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
6.	डॉ. एस.पी. सैकिया	वैज्ञानिक	एम.एससी (कृषि), पी.एचडी
7.	डॉ. एम. भूयान	वैज्ञानिक	एम.एससी (कृषि), पी.एचडी
8.	डॉ. ए.के. बोरदोलोई	प्रधान तकनीकी अधिकारी	एम.एससी (जीव–विज्ञान), पी.एचडी
9.	सुश्री जोगमाया हजारिका	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	बी.एससी.
10.	सुश्री पी जे डी भूयान	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	एम.एससी.
11.	डॉ. (श्रीमती) कल्पतरू दत्ता	तकनीकी अधिकारी	एम.एससी, पी.एचडी
12.	सुश्री रूमी कोतकी	तकनीकी अधिकारी	एम.एस.सी.
13.	श्री एच लेखक	तकनीकी सहायक	एम.एससी (कृषि)
14.	श्री एन एन बोरा	वरिष्ठ तकनीशियन	पी.यू.
15.	श्री नोगन बोरा	प्रयोगशाला सहायक	
16.	श्री फटिक बोरा	प्रयोगशाला सहायक	
17.	श्री एस एन कलिता	प्रयोगशाला सहायक	
18.	श्री महेन्द्रु गोगोई	प्रयोगशाला सहायक	
19.	श्री बाबा सैकिया	प्रयोगशाला सहायक	
20.	श्री दिनेश्वर सैकिया	प्रयोगशाला सहायक	
21.	श्री रामु नायक	प्रयोगशाला सहायक	
22.	श्री जितेन चौ. महारंग	प्रयोगशाला सहायक	
23.	श्री दिबेन कालिता	प्रयोगशाला सहायक	
24.	श्री भोला नायक	प्रयोगशाला सहायक	

25.	श्री नोमल दत्ता	प्रयोगशाला सहायक	
26.	श्री देबाजित शर्मा	ग्रेड सी (गैर–तकनीकी)	एम.एससी
27.	श्री प्रदीप कुमार दास	ग्रेड सी (गैर–तकनीकी)	
28.	श्री सुशील ज्ञान	ग्रेड सी (गैर–तकनीकी)	

पुष्प संबर्द्धन

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	डॉ. दिपुल कालिता	वैज्ञानिक	एम.एससी (कृषि), पी .एचडी (कृषि), पी.जीडी, पर्यावरण विज्ञान
2.	श्री सुरेन बोरा	वरिष्ठ तकनीशियन (2)	बी.कॉम
3.	श्री पदमेश्वर सैकिया	प्रयोगशाला सहायक (4)	कक्षा VIII
4.	श्री हितेश्वर सैकिया	प्रयोगशाला सहायक (4)	कक्षा VIII
5.	श्री नरेन सैकिया	प्रयोगशाला सहायक (4)	कक्षा VIII
6.	श्री बिपुल सैकिया	प्रयोगशाला परिचर (2)	कक्षा VIII
7.	श्री लखेश्वर हजारिका	प्रयोगशाला परिचर (1)	कक्षा X
8.	श्री दिम्बेश्वर दत्ता	प्रयोगशाला परिचर (1)	कक्षा VIII

जैवकीय विज्ञान

डॉ. बी जी उन्नी, एम.एससी, पी.एचडी, एफआईएएनएससी, प्रमुख वैज्ञानिक क्षेत्रीय समन्वयक

जैव–प्रौद्योगिकी

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	डॉ. टी सी बोरा	मुख्य वैज्ञानिक व अध्यक्ष	एम.एससी, पी.एचडी
2.	डॉ. आर एल बेजबरूआ	वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
3.	डॉ. एस बी वान	प्रधान वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
4.	डॉ. एच पी देकाबरूआ	वरिष्ठ वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
5.	डॉ. रतुल सैकिया	वरिष्ठ वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
6.	डॉ. एम खोंगसाई	वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
7.	श्री ए के सर्मा	प्रधान तकनीकी अधिकारी	बी.एससी
8.	श्री ए सी ककोटी	तकनीकी अधिकारी	बी.एससी
9.	सुश्री अर्चना यादव	तकनीकी अधिकारी	एम.एससी
10.	सुश्री पोलाक्षी बोरदोलाई	तकनीकी अधिकारी	एम.एससी

रासायनिकी-विज्ञान

डॉ. आर सी बरूआ, एम.एससी, पी.एचडी, एफएनएएससी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, क्षेत्रीय समन्वयक

विश्लेषणात्मक रसायन

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	डॉ. प्रोभात कोतोकी	मुख्य वैज्ञानिक व अध्यक्ष	एम.टैक, पी.एचडी
2.	डॉ. आर के बरूआ	मुख्य वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
3.	डॉ. राजू खान	वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी

4.	डॉ. पी.जे. सैकिया	कनिष्ठ वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
5.	श्रीमती एल. बोरा	प्राथमिक तकनीकी अधिकारी	एम.एससी
6.	श्री ओ.पी. साहू	प्राथमिक तकनीकी अधिकारी	एम.एससी
7.	श्री पी.सी. बोरा	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	बी.एससी
8.	श्री पी.पी. खाउंद	तकनीकी अधिकारी	बी.एससी
9.	सुश्री अंकना फूकन	तकनीकी सहायक	एम.एससी
10.	श्री डी.के. फूकन	वरिष्ठ तकनीशियन	एन.एच.टी.सी (डिप्लोमा)
11.	श्री चंद्रकांता पाठक	प्रयोगशाला सहायक	
12.	श्री देबाजित शर्मा	प्रयोगशाला परिचर	

औषधीय रसायन

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	डॉ. आर.सी. बरूआ	उत्कृष्ट वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
1.	डॉ. दीपक प्रजापति	मुख्य वैज्ञानिक व अध्यक्ष	एम.एससी, पी.एचडी
2.	डॉ. पुलक जे. भूयान	प्रधान वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
3.	डॉ. प्रांजल गोगी	वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
4.	डॉ. संजीब गोगी	वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
5.	डॉ. हर्षा एन बोरा	प्रधान तकनीकी अधिकारी	एम.एससी, पी.एचडी
6.	श्री कुशाल चौ. लेखोक	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	बी.एससी
7.	श्री माखन बोरा	प्रयोगशाला सहायक	कक्षा X

प्राकृतिक उत्पाद रसायन

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	डॉ. एन सी बरूआ	मुख्य वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
2.	डॉ. पी के चौधरी	मुख्य वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
3.	स्व. डॉ. जे सी शर्मा	मुख्य वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
4.	डॉ. एम जे बोरदोलोई	वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
5.	डॉ. डी के दत्ता	वरिष्ठ वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
6.	डॉ. अर्चना मोनी दास	वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
7.	डॉ. गोकुल वैश्य	वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
8.	सुश्री प्रीतस्मिता बोरा	तकनीकी अधिकारी	एम.एससी
9.	श्रीमती रूमी बोरा	समूह–।।	बी.एससी, बी.एड
10.	श्री बीरेन बोरा	समूह –।	
11.	श्री रोमन सैकिया	समूह–डी (गैर–तकनीकी)	

कृत्रिम कार्बनिक रसायन

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	डॉ. जे सी एस केतकी	मुख्य वैज्ञानिक व अध्यक्ष	एम.एससी, पी.एचडी
2.	डॉ. दिलीप कोंवर	मुख्य वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
3.	डॉ. ए गौतम	वरिष्ठ वैज्ञानिक	पी.एचडी

4.	श्री आर एन दास	तकनीकी अधिकारी	बी.एससी
5.	श्री एम जे बोरा	तकनीकी सहायक	बी.एससी

पेट्रोलियम एंव प्राकृतिक गैस

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	डॉ. एस डी बरूआ	मुख्य वैज्ञानिक व अध्यक्ष	एम.एससी, पी.एचडी
2.	डॉ. ए बोरढाकुर	वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
3.	श्री ए गौतम	कनिष्ठ वैज्ञानिक	एम.एससी, एम टैक
4.	श्री एन सी लसकर	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	बी.एससी, एआईसी
5.	श्री ए सरमा	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	बी.एससी, एआईसी
6.	श्री आर सी बोहरा	तकनीकी सहायक	एस.एससी
7.	श्री एल फूकन	तकनीशियन	बी.एससी
8.	श्री आर के बरूआ	प्रयोगशाला सहायक	

अभियांत्रिकी-विज्ञान

रायानिकी अभियांत्रिकी

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	योग्यता
1.	श्री पी.के. गोस्वामी	मुख्य वैज्ञानिक	बी.ई. (रसायन), एम.टैक
2.	डॉ. आर सी बोरा	मुख्य वैज्ञानिक	बी.ई. (रसायन), एम.टैक, पी.एचडी
3.	श्री पी बरकाकती	मुख्य वैज्ञानिक	बी.ई. (रसायन), एम.एस
4.	श्री एन सी गोगोई	वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक	बी.ई (रसायन)
5.	डॉ. (सुश्री) आराधना गोस्वामी	वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
6.	डॉ. एम एम बोरा	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	एम.एससी, पी.एचडी
7.	श्री एस बोरठाकुर	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	बी.एससी
8.	डॉ. (सुश्री) स्वप्नली हजारिका	वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
9.	श्री टोबियल हुसैन अहमद	तकनीकी सहायक	बी.ई. (रसायन)
10.	श्री बोलेन गोगोई	प्रयोगशाला परिचर	
11.	श्री आर सी दत्ता	प्रयोगशाला परिचर	
12.	श्री बोलेन गोगोई	ग्रेड–सी (गैर–तकनीकी)	

सामान्य–अभियांत्रिकी

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	योग्यता
1.	श्री एस सी कलिता	वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक व प्रमुख	बी.ई.
2.	श्री जयंता जे बोरा	प्रधान वैज्ञानिक	बी.ई.
3.	श्री दिपांकर नियोग	वैज्ञानिक	एम.टेक
4.	श्री बसंता सर्मा	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	डिप्लोमा (मेकेनिकल अभियंती)
5.	श्री अजय बोरकातोकी	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	बी.ई.
6.	श्री अशोक कालिता	तकनीकी सहायक	डिप्लोमा (मेकेनिकल अभियंती)

सामान्य–अभियांत्रिकी (कार्यशाला)

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	योग्यता
1.	श्री जोगेन गोगोई	वरिष्ठ तकनीशियन	
2.	श्री रामेश्वर सैकिया	वरिष्ठ तकनीशियन	
3.	श्री मोंदिप बरूआ	वरिष्ठ तकनीशियन	आईटीआई
4.	श्री हेमोधर सैकिया	वरिष्ठ तकनीशियन	आईटीआई
5.	श्री तुलेधर बोरा	तकनीशियन	आईटीआई
6.	सुश्री अर्चना छंगमाई	तकनीशियन	
7.	श्री जिंतु बोरा	तकनीशियन	आईटीआई

प्रयुक्ति सिविल–अभियांत्रिकी

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	योग्यता
1.	श्री प्रणव बरकाकाती	मुख्य वैज्ञानिक व अध्यक्ष	बी.एससी, बी.ई. (रासायनिक), एम. एस. (एस.एण्ड टी)
2.	श्री संजय देओरी	वरिष्ठ वैज्ञानिक	बी.ई. (सिविल), एम .टेक (परिवहन अभियंता)
3.	श्री तपस दास	वैज्ञानिक	बी.टैक सिविल
4.	श्री दीपक बासुमातारी	वैज्ञानिक	बी.ई. (सिविल), एम.ई. भू–तकनीकी अभियंता)
5.	श्रीमती अंजूमोनी भाराली	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	सिविल अभियंतीा में डिप्लोमा
6.	श्री निबिर प्रान बोरा	तकनीकी सहायक	बी.ई. (सिविल)
7.	श्री राजीव दास	तकनीकी सहायक	डिप्लोमा सिविल अभियंता
8.	सुश्री रंजू बोरा	वरिष्ठ तकनीशियन	बी.ए.
9.	श्री तिलेसवर दास	प्रयोगशाला परिचर	आई.टी.आई.
10.	श्री प्रफुल्ल चौ. कलिता	प्रयोगशाला परिचर	

इंस्टुमेंटेशन

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	डॉ. पी सी सरमा	वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक व अध्यक्ष	पी.एचडी
2.	श्री खिरोद बुरागोहेन	वैज्ञानिक	एम. टैक
3.	श्री पंचानन बरूआ	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	बी.एससी
4.	श्री निलिम कुमार न्योग	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	बी.एससी
5.	श्री प्रासाद हजारिका	वरिष्ठ तकनीशियन	
6.	श्री जगत बोरा	तकनीशियन	
7.	श्री चंदन बरूआ	तकनीशियन	
8.	श्री आनंदा सैकिया	समूह–।	

भू–विज्ञान

डॉ. आर. दुराह, एम.टैक, पी.एचडी, प्रमुख वैज्ञानिक, क्षेत्रीय समन्वयक

भू–विज्ञान

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	योग्यता
1.	डॉ. सौरभ बरूआ	वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक व अध्यक्ष	एम.एससी, पी.एचडी
2.	डॉ. पी के बोरा	वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
3.	सुश्री संगीता सरमा	कनिष्ठ वैज्ञानिक	एम.एससी
4.	डॉ. मनोज कुमार फूंकन	कनिष्ठ वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
5.	श्री बिजित कुमार चौधरी	कनिष्ठ वैज्ञानिक	एम.टेक
6.	श्री गोबिन चंद्र बोरा	प्रधान तकनीकी अधिकारी	बी.एससी
7.	श्री मुकुल बोरकातकी	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	एम.एससी
8.	श्री के सी डयोरी	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	बी.एससी
9.	श्री भारत बुरगोहेन	तकनीकी अधिकारी	बी.एससी
10.	श्री पोरेश कलिता	तकनीकी अधिकारी	बी.एससी
11.	श्री पबित्रा प्रान सर्मा	तकनीकी अधिकारी	बी.एससी
12.	श्री प्रदीप दत्ता	तकनीकी अधिकारी	बी.एससी
13.	श्री एस एम भट्टाचार्या	तकनीकी अधिकारी	बीई
14.	श्री दिलीप कुमार पाठक	वरिष्ठ तकनीशियन	आईटीआई
15.	श्री अरूप सैकिया	तकनीशियन	डिप्लोमा (इंस्ट्रूमेंटेशन)
16.	श्री मनोज दास	प्रयोगशाला सहायक	
17.	श्री के सी तरण	ग्रेड–डी (गैर–तकनीकी)	

पदार्थ–विज्ञान

डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता, एम.एससी, पी.एचडी, प्रमुख वैज्ञानिक, क्षेत्रीय समन्वयक

पदार्थ–विज्ञान

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	योग्यता
1.	डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता	मुख्य वैज्ञानिक व अध्यक्ष	एम.एससी, पी.एचडी
2.	डॉ. सेख महुद्दीन	मुख्य वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
3.	डॉ. दीपक कुमार दत्ता	मुख्य वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
4.	डॉ. राजीव लोचन गोस्वामी	प्रधान वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
5.	डॉ. (सुश्री) पूजा जे ए राओ	कनिष्ठ वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
6.	डॉ. मानश संजन दास	कनिष्ठ वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
7.	डॉ. लक्शी सैकिया	कनिष्ठ वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
8.	श्री दीपक कुमार बोरदोलाई	प्रधान तकनीकी अधिकारी	बी.एससी
9.	श्री बीबेक ज्योति कलिता	तकनीकी सहायक	एम.एससी
10.	श्री परण ज्योति कलिता	तकनीशियन	बी.एससी
11.	श्री प्रियम ज्योति बोरा	तकनीशियन	बी.एससी
12.	श्री मोनेश्वर सैकिया	प्रयोगशाला सहायक	

13.	श्री नोगन गोगोई	प्रयोगशाला सहायक	
14.	श्री दुलाल सरमाह	प्रयोगशाला परिचर	

सेल्युलोज, पल्प एंव पेपर

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	डॉ. त्रीदिप गोस्वामी	वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख	एम.एससी, पी.एचडी, एफ .आईसी, पी.जी. सर्टिफिकेट, गूदा व कागज
2.	डॉ. दिपुल कलिता	वैज्ञानिक व प्रभारी पुष्प कृषि अनुभाग	एम.एससी (कृषि), पी .एचडी (कृषि), पी जी डिप्लोमा पर्यावरण विज्ञान
3.	श्री दिपांका दत्ता	तकनीकी सहायक	एम.एससी
4.	सुश्री पुष्पा कुमारी दास	तकनीशियन	एच एस, डिप्लोमा कंप्यूटर में
5.	श्री देबेश्वर बोरा	प्रयोगशाला परिचर	
6.	श्री देबेन कलिता (कनिष्ठ)	प्रयोगशाला परिचर	

कोयला रसायन

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	डॉ. बी पी बरूआ	प्रधान वैज्ञानिक व प्रमुख	पी.एचडी, एफआईसीसीई
2.	डॉ. (सुश्री) पी.खरे	वैज्ञानिक	पी.एचडी, एफआईसीसीई
3.	डॉ. बी.के सैकिया	वैज्ञानिक	पी.एचडी, एफआईसी
4.	डॉ. पी. सैकिया	वैज्ञानिक	एम.टैक, पी.एचडी
5.	श्री डी के दत्ता	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	बी.एससी
6.	श्री एन एन दत्ता	तकनीकी अधिकारी	बी.एससी
7.	श्री टी दास	तकनीकी सहायक	एम.एससी
8.	श्री एच सी दत्ता	तकनीशियन (।।)	
9.	श्री पी हैडिक	तकनीशियन (।)	एच.एस. (विज्ञान), डीपीपीटी
10.	श्री ए बोरा	तकनीशियन (।)	आई.टी.आई.
11.	श्री पी.के. बोरा	प्रयोगशाला सहायक	बी.कॉम
12.	श्री आर चेतिया	ग्रेड–सी (गैर–तकनीकी)	
13.	श्री बी .नियोग	ग्रेड–सी (गैर–तकनीकी)	
14.	श्री डी तालुकदार	ग्रेड–सी (गैर–तकनीकी)	
15.	श्री के कलिता	ग्रेड–सी (गैर–तकनीकी)	

प्रबंधन विज्ञान

क्षेत्र समन्वयक

मानव संसाधन विकास

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	डॉ. एल नाथ	मुख्य वैज्ञानिक व अध्यक्ष	एम.एससी, पी.एचडी
2.	श्री जे जे महान्ता	कनिष्ठ वैज्ञानिक	एम.एससी
3.	श्री पार्था पॉल	कनिष्ठ वैज्ञानिक	एम.एससी, एमबीए

4.	सुश्री कूइन बरूआ	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	एमएलआईएस
5.	श्री जे एन हजारिका	वरिष्ठ आशुलिपिक	
6.	श्री बिकुल कलिता	वरिष्ठ तकनीशियन	
7.	श्री बोलोराम ज्ञान	प्रयोगशाला परिचर	
8.	श्री गणेश फूकन	प्रयोगशाला परिचर	
9.	श्री ऋषि महान्ता	ग्रेड–सी (गैर–तकनीकी)	

सूचना व वाणिज्यिक विकास

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	श्री बिमल चौ. सैकिया	प्रधान वैज्ञानिक व अध्यक्ष	एम.एससी
2.	सुश्री इलाईका झीमों	कनिष्ठ वैज्ञानिक	बी.टैक
3.	डॉ. दिपनवाईता बनिक	कनिष्ठ वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
4.	सुश्री प्रमीला मजूमदार	कनिष्ठ वैज्ञानिक	एम.एससी, एम.फिल
5.	श्री प्रोबिन बरूआ	पी टी ओ	बी.एससी
6.	श्री परेश सैकिया	वरिष्ठ टी ओ	डिप्लोमा (ललित कलाएं)
7.	श्री एस हजारिका, डिप	वरिष्ठ टी ओ	
8.	श्री एन सी पात्रा	वरिष्ठ आशुलिपिक	
9.	श्री बिपिन चौ. दास	प्रयोगशाला सहायक	
10.	श्री पी कलिता	प्रयोगशाला परिचर	

योजना

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	डॉ. पी सी नियोग	मुख्य वैज्ञानिक व अध्यक्ष	एम.एससी, पी.एचडी
2.	डॉ. जतिन कलिता	कनिष्ठ वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
3.	सुश्री कल्याणी मेधी	कनिष्ठ वैज्ञानिक	एम.एससी
4.	श्री एम रहमान	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	एम.एससी
5.	श्री एम सैकिया	तकनीकी सहायक	बी.एससी
6.	श्री भोगेश्वर गोगोई	प्रयोगशाला सहायक	

योजना निगरानी एंव मूल्यांकन

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	डॉ. एम सी काकाती	मुख्य वैज्ञानिक व अध्यक्ष	एम ए, पी.एचडी
2.	सुश्री ए सेनगुप्ता	वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक	एम.एससी
3.	श्री राजीब डेका	कनिष्ठ वैज्ञानिक	एम.सीए
4.	श्री देबाबरता दास	कनिष्ठ वैज्ञानिक	एम.सीए
5.	अतुल सर्मा	प्रयोगशाला सहायक	

अवसंरचना ज्ञान संसाधन केंद्र

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	डॉ. पी के बरूआ	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी व प्रभारी	एआईएससी, एम लिब विज्ञान, पी . एचडी
2.	श्री आर सर्माह	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	बी. कॉम, बी.लिब विज्ञान
3.	श्री पी हजारिका	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	बी कॉम, बी लिब विज्ञान

सूचना संवाद प्रौद्योगिकी

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	डॉ. पी के बरूआ	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	एआईएससी, एम लिब विज्ञान, पी . एचडी
2.	श्री के बुरागोहेन	वैज्ञानिक	एम.एससी, एम.टैक (इलैक्ट्रॉनिक)
3.	श्री डी भट्टाचार्जी	टी ए	बी ई (आई टी)
4.	श्री जे सैकिया	तकनीशियन	डिप्लोमा (इंस्ट्रूमेंटेशन)

चिकित्सा केंद्र

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	डॉ. (श्रीमती) के तमुली	प्रधान तकनीकी अधिकारी	एमबीबीएस
2.	डॉ. पी.के. बरूआ	प्रधान तकनीकी अधिकारी	एमबीबीएस
3.	डॉ. थानेश्वर बोरा	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	एमबीबीएस, एमडी
4.	श्री रामेश भराली	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	बी.एससी
5.	श्री बिपिन बोरा	वरिष्ठ तकनीशियन	
6.	श्री मिनु प्रवा पेगु	वरिष्ठ तकनीशियन	प्रमाणपत्र (नर्सिंग)
7.	श्री सुचान चौ. दास	वरिष्ठ तकनीशियन	डिप्लोमा (फार्मेसी)
8.	सुश्री रिंकी कालोवर	तकनीशियन	एआईएसएससीई
9.	श्रीमती नोली निआंगमुंचिंग	तकनीशियन	जीएनएम
10.	श्री दिब्यज्योति ओझा	तकनीशियन	एम.एससी, एमएलटी (क्लीनिकल बायो–कैमिस्ट्री)
11.	श्री रोबीन बरूआ	प्रयोगशाला परिचर	
12.	श्रीमती प्रानपति बासफोर	गैर–तकनीकी	

इलेक्ट्रिकल

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	श्री दिलीप महंता	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	डिप्लोमा (विद्युत अभियंतीा)
2.	श्री माखन बोरा	तकनीकी सहायक	डिप्लोमा (विद्युत)
3.	श्री सोमनाथ बोरा	प्रयोगशाला सहायक	
4.	श्री मोहेश्वर लिगिरा	प्रयोगशाला सहायक	
5.	श्री अरूण कोलिता	प्रयोगशाला सहायक	

6.	श्री अजित चौ. सर्माह	वरिष्ठ तकनीशियन	आईटीआई
7.	श्री ललित चूतिया	तकनीशियन	
8.	श्री माधव बोरा	तकनीशियन	
9.	श्री अनंता बरूआ	प्रयोगशाला परिचर	
10.	श्री शिबा कांता बोरा	एच/जी	
11.	श्री राजू गोगोई	अस्थायी दर्जा	

ग्लास ब्लोईंग

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	श्री चिरंजीत बोरा	तकनीशियन	

सिविल अभियांत्रिकी

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	डॉ. पी के हजारिका	अधीक्षक अभियंता व प्रभारी (01.04.2011 से 31.07.2011)	सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा
2.	वास्कर राजखोवा	कार्यपालक अभियंता व प्रधान (01.08.2011 से 31.03.2012)	बी.ई., एमबीए (एचआर)
3.	श्री कामाख्या पुजारी	कार्यपालक अभियंता	डिप्लोमा सिविल इंजीनियरिंग में
4.	श्री एम के दास	कनिष्ठ अभियंता	डिप्लोमा सिविल इंजीनियरिंग में
5.	श्रीमती जोनाली सैकिया चौधरी	कनिष्ठ अभियंता	डिप्लोमा सिविल इंजीनियरिंग में
6.	श्री रमेश चौ. बोरा	वरिष्ठ तकनीशियन	
7.	श्री अरूण सैकिया	वरिष्ठ तकनीशियन	
8.	श्री नोरेन सैकिया	वरिष्ठ तकनीशियन	
9.	श्री नकुल चौ. सैकिया	वरिष्ठ तकनीशियन	वाणिज्य स्नातक
10.	श्री नागेन्द्र नाथ सौद	प्रयोगशाला सहायक	
11.	श्री गुरचरण रोहिदा	प्रयोगशाला सहायक	
12.	श्री मथुरा सौद	प्रयोगशाला सहायक	
13.	श्री सुरेन कलिता	प्रयोगशाला सहायक	
14.	श्री नोगेन बोरा (कनिष्ठ)	प्रयोगशाला सहायक	
15.	श्री कृष्णा हजारिका	प्रयोगशाला सहायक	
16.	श्री रखल नायक	प्रयोगशाला परिचर	
17.	श्री राजेन्द्र नाथ बोरा	तकनीशियन	आईटीआई
18.	श्री रोहित चौ. बोरा	प्रयोगशाला परिचर	
19.	श्री रामेश्वर दास	प्रयोगशाला परिचर	
20.	मो. मोहनूर अली	प्रयोगशाला सहायक	
21.	श्री प्रबन सैकिया	ग्रुप डी (गैर–तकनीकी)	

प्रयोगशाला मेंटेनेंस

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	डॉ. पी के हजारिका	अधीक्षक अभियंता व प्रभारी (01.04.2011 से 31.07.2011)	सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा

2.	वास्कर राजखोवा	कार्यपालक अभियंता व प्रधान (01.08.2011 से 31.03.2012)	बी.ई., एमबीए (एचआर)
3.	श्री मोहेश बसफोर	सफाई कर्मी	
4.	श्री कमल कलिता	सफाई कर्मी	
5.	श्री सागर बाल्मिकी	सफाई कर्मी	
6.	सुश्री पानपती बसफोर	सफाई कर्मी	
7.	श्री लीलाराम गोंधिया	प्रयोगशाला परिचर	

विस्तार केंद्र

शाखा प्रयोगशाला, ईटानगर

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	योग्यता
1.	श्री चंदन तमुली	वैज्ञानिक प्रभारी (वैज्ञानिक)	एम.एससी
2.	श्री जी के ब्यान	प्रधान वैज्ञानिक	बी.ई.
3.	श्री पी के सर्माह	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	सी.ई. में डिप्लोमा
4.	डॉ. बी सी बरूआ	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	पी.एचडी
5.	श्री जे बोरा	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	एम.एससी
6.	श्री अमर ज्योति गोगोई	तकनीकी सहायक	सी.ई. में डिप्लोमा
7.	सुश्री मौश्मी हजारिका	तकनीकी सहायक	एम.फिल
8.	श्री एम के मिश्रा	सहायक (जी)	बी.कॉम
9.	श्री सी के फूकन	तकनीशियन	आई टी आई
10.	श्री प्रसन्नता छुटिया	तकनीशियन	आई टी आई
11.	श्री चस बोहम	तकनीशियन	
12.	श्री एच पी राय	तकनीशियन	
13.	श्री कागो हिंडा	समूह–घ	
14.	श्री तमे राजेन	समूह–घ	

उप–केंद्र, इम्फाल

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	योग्यता
1.	डॉ. एच बी सिंह	प्रधान वैज्ञानिक (प्रभारी)	एम.एससी, पी.एचडी
2.	डॉ. सी एम सैंथिल कुमार	वैज्ञानिक	एम.एससी, पी.एचडी
3.	श्री सोमनंदा ठोककोम	तकनीकी सहायक	एम.एससी
4.	सुश्री एन एबम देवी	तकनीकी सहायक	एम.एससी
5.	सुश्री सी बुआनसिंह	तकनीशियन	स्नातक
6.	श्री एम देवेन सिंह	तकनीकी	
7.	श्री के कुमार सिंह	सहायक (एस एंड पी)	
8.	श्री एस बिनुधर सिंह	स्टाफकार ड्राइवर	

आईएसओ : 9001 सचिवालय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	डॉ. जे सी एम केतकी	मुख्य वैज्ञानिक, एम आर	पी.एचडी, अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन लेखा–परीक्ष
2.	श्री अमृत सैकिया	वरिष्ठ आशुलिपिक	
3.	श्री नागेश्वर सिंह	प्रयोगशाला परिचर	

प्रशासन

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	श्री एस के पाल	प्रशासन अधिकारी	स्नातक
2.	श्री प्रकाश बोरदोलोई	वरिष्ठ आशुलिपिक	
3.	सुश्री राधिका चेत्री	स्वागती	बीए, एमबीए
4.	श्री किरन सैकिया	प्रयोगशाला परिचर	
5.	श्री प्रोदीप हजारिका	प्रयोगशाला परिचर	
6.	सुश्री मीनाक्षी दास	समूह–घ (गैर–तकनीकी)	

स्थापना

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	श्री ज्योतिमॉय भुयान	अनुभाग अधिकारी	एम.एससी
2.	श्री संतोष कुमार	सहायक–जी	बीए, एमबीए
3.	श्री अपुल फुकन	सहायक–जी	
4.	श्री बी. महरील्ली ओसानाह	सहायक	एमए
5.	श्री प्रसन्ना कुमार दत्ता	वरिष्ठ तकनीशियन	बी कॉम
6.	श्री रंजन बोरा	प्रयोगशाला परिचर	
7.	श्रीमती हेमोकांति कलिता	चपरासी	

साधारण

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	श्री एन सी बोरा	निजी सचिव	स्नातक
2.	श्री प्रोमोद गोस्वामी	सहायक–जी	
3.	श्री प्रशांता गोस्वामी	वरिष्ठ तकनीशियन	
4.	श्री नाबा कुमार दत्ता	गैर–तकनीकी	
5.	सुश्री के सुशीला दास	प्रयोगशाला सहायक	
6.	श्री बिरेन हजारिका	वाटर मैन	

राजभाषा अनुभाग

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	अजय कुमार	वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक व प्रभारी, राजभाषा	एम ए
2.	सुश्री रिता पतगिरी	सहायक–जी	

नियुक्ति

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	श्री जे एल खोंगसाई	अनुभाग अधिकारी	स्नातक
2.	श्री लखेश्वर दास	निजी सचिव	स्नातक
3.	श्री अजित चंद्र दत्ता	सहायक	
4.	श्री तुलसी दत्ता	वरिष्ठ तकनीशियन	
5.	श्री दिलीप कुमार दत्ता	प्रयोगशाला परिचर	

नकद अनुभाग

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	श्री दुलाल सरमाह	सहायक–जी	
2.	श्री रजनी पचानी	वाटर मैन	

बिल

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	श्री एन सी बोरा	निजी सचिव (एसओ–बिल)	स्नातक
2.	श्री हिमेन कुमार बोरठाकुर	सहायक–जी	बी.कॉम
3.	श्री कुंजा बिहारी राभा	सहायक–जी	
4.	श्री ईश्वर नाथ झा	सहायक–जी	स्नातक
5.	सुश्री सत्य प्रोवा दास	सहायक–जी	
6.	श्री नंदेश्वर दास	सहायक–जी	
7.	श्री जोगाधर ग्यान	वरिष्ठ तकनीशियन	
8.	श्रीमती सुचित्रा दत्ता	चपरासी	

सतर्कता

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	श्री जिबोन चंद्र बरूआ	वरिष्ठ आशुलिपिक	
2.	श्री बिजोय सरमाह	गैर–तकनीकी	एमए, एलएलएम

कैंटीन

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	श्री भदोरिया करमाकर	कुक	
2.	श्री अमल चंद्र बोरा	गैर–तकनीकी	
3.	श्री नारायण कुर्मी	सफाईकर्मी	
4.	श्री दुर्गा कर्माकर	बैरा	
5.	श्री बिपुल सैकिया	बैरा	

वित्त एंव लेखा

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	श्री पराग पातर	वित व लेखा अधिकारी	बी.एससी
2.	श्री प्रीयम मुखर्जी	अनुभाग अधिकारी (वि. व ले.)	बी.कॉम, एम.बीए
3.	श्री नवीन कुमार शर्मा	अनुभाग अधिकारी	एमए, एमबीए
4.	सुश्री निरोडा बोरा	वरिष्ठ आशुलिपिक	
5.	श्री खिरूड फुकन	सहायक–वि. व ले.	बी.कॉम
6.	श्री रजत चंद्र तमुली	सहायक–वि. व ले.	बी.कॉम
7.	श्री प्रोबिन सैकिया	सहायक–वि. व ले.	बी.कॉम
8.	श्री प्रबिन कुमार फुकन	सहायक–वि. व ले.	बी.कॉम
9.	श्री अरूण कुमार राजवार	सहायक–वि. व ले.	बी.कॉम
10.	श्री अजित गोस्वामी	सहायक–जी	
11.	श्री रबाधर ग्यान	वरिष्ठ तकनीशियन	
12.	श्री बिरेन बोरठाकुर	प्रयोगशाला परिचर	
13.	श्री अरूण बोरा	अस्थायी दर्जा	
14.	श्री लोकनाथ बरूआ	अस्थायी दर्जा	

भंडार एंव कय

क्र. सं.	नाम	पदनाम	योग्यता
1.	श्री प्रशाद चेत्री	अनुभाग अधिकारी	बी.कॉम
2.	श्री लालजासेई मिसाओ	अनुभाग अधिकारी	स्नातक
3.	श्री लोलित राय	वरिष्ठ आशुलिपिक	
4.	श्री चंद्रधर दत्ता	सहायक	
5.	श्री बाबुल सैकिया	सहायक–जी	
6.	श्री परेश फुकन	सहायक–जी	
7.	श्री प्रफुल्ल बोरा	सहायक–जी	
8.	श्री जॉन नगाते	सहायक	स्नातकोत्तर
9.	श्री प्रदीप बोरा	सहायक	
10.	सुश्री अलेया रहमान	वरिष्ठ तकनीशियन	
11.	सुश्री अंजली हती बरूआ	गैर–तकनीकी	
12.	श्री कृष्णा प्रसाद सरमाह	गैर–तकनीकी	

सेवानिवृत्त कर्मचारी

श्री पारन फूकन
वरिष्ठ पी आई वैज्ञानिक
31.04.2011

श्री तीर्थ पी सैकिया
पी टी ओ
31.04.2011

श्री एन एन दत्ता
तकनीकी अधिकारी
31.04.2011

श्री बी सी बोरा
ग्रेड–।
31.05.2011

श्री बेथराम दास
ग्रेड–।
31.06.2011

श्री पी के हजारिका
अधीक्षक अभियंता व प्रमुख
31.06.2011

श्री पुतुल बोरा
टैक–।
31.06.2011(वीआरएस)

डॉ. एन एन दत्ता
प्रमुख वैज्ञानिक
30.09.2011

श्री ए के हजारिका
वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक
30.09.2011

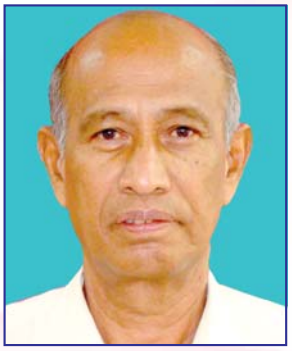

श्री मिलन बार बरूआ
समूह–घ (एच/जी)
30.09.2011

श्री उमेश सीएच बोरदोलोई
वरिष्ठ आशुलिपिक
01.10.2011 (वीआरएस)

डॉ. (श्रीमती) नीलिमा सैकिया
प्रधान वैज्ञानिक
31.10.2011

श्री संकर सर्मा
वरिष्ठ टैक
31.10.2011

डॉ. के वी रॉव
वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक
30.11.2011

श्री नोरेन के सैकिया
वरिष्ठ तकनीशियन
30.11.2011

श्री टी आर लिगिरा
प्रयोगशाला सहायक
31.12.2011

श्री गोजेन सैकिया
प्रयोगशाला सहायक
31.12.2011

श्री दुर्गाधर दत्ता
एच ए जी
31.12.2011

श्री पी बोरठाकुर
वरिष्ठ टैक
01.01.2012 (वीआरएस)

मौ. मोहनूर अली
प्रयोगशालाा सहायक
31.01.2012

श्री एम डी सिंह
ग्रेड–।
29.02.2012

श्री जे एन हजारिका
वरिष्ठ आशुलिपिक
31.03.2012

Training for pupils

Guwahati: The CSIR-North East Institute of Science and Technology, Jorhat, in collaboration with the Agricultural Research Development Agency (ARDA) of Thailand, recently organized an intensive international training programme on "project assessment programme on research to marketable product and bioinformatics" for Thai ARDA participants and international students from Nigeria and Egypt.

Head of information and business development division of CSIR (Jorhat) BC Saikia in a statement said Dr A Garg, scientist G and Dr AS Naidu, retired scientist from CSIR-CLRI, Chennai, Dr CN Saikia, retired scientist of NEIST and Dr Madhumita Baruah, professor, Assam Agriculture University, along with a few other scientists of NEIST, trained the participants.

"The training was basically a follow-up initiative based on the MoU signed by CSIR-NEIST, Jorhat, with ARDA, Thailand on 23 June, 2011. The objectives include undertaking joint research, exchange of research students, organizing seminars and technology development and transfer. Training was conducted on various aspects of the theme such as activities of NEIST, visiting its entrepreneurs, hands on training on bioinformatics, visit to different divisions of NEIST and laboratories in and around Jorhat like TRA, AAU and RFRI. On July 16, 2011, trainees were awarded certificates at a function organized at MS Iyenger Hall of the institute," Saikia said. TNN

CSIR-NEIST to organize International Seminar on Frontier Areas

From a Correspondent

JORHAT, Sept 5: Under the auspices of the CSIR-NEIST Golden Jubilee year celebration, the CSIR-North East Institute of Science and Technology, Jorhat is organizing a two-day 'International Seminar on Frontier Areas-II (ISOFA-II)' during 6-7 September, 2011 with a view to giving the scientists, academicians and researchers of various organizations of North East India an exposure to the frontier areas of research and application. The Seminar will comprise of 6 (six) invited talks which will be delivered by prominent personalities from the countries like Canada, China, India and Thailand. The invited speakers will particularly address the subject areas like multicomponent organic reactions, seismology, food and disease prevention, agrotechnology, mineral processing and materials science. Besides the scientific fraternity of CSIR-NEIST, the seminar is expected to be attended by invited guests, renowned scientists of national and international repute and distinguished dignitaries stated a press release form NEIST.

THE TELEGRAPH JORHAT SATUR

NORTHEAST

NEIST felicitates 11 of its oldest staff

Senior employees at the function in Jorhat on Friday. Telegraph picture

...which NEIST and six other laboratories in the country operate," Thyagarajan said.

"Now is, however, the time for such institutes funded by public money to survive. We can do this by concentrating on international competitiveness and produce what is the best in the global market through partnerships and networking," he added.

Earlier six books, including a souvenir, traced the different ways in which the laboratory had been transformed.

The first book, *A History of NEIST CSIR through Pictures* is an illustrative book showing the first place where the institute was set up — the Jorhat civil hospital rooms and then a rented house in Dohabora Chowk before finally being lo-... serch dissertations submitted by the 281 PhD scholars produced by NEIST. Rao said CSIR director Samir K. Brahmachari would present a copy of the book to Prime Minister Manmohan Singh.

The three other books are *Vision 2020, Neist — 50 years, 50 techs, and Plant Folk Medicine*, a compilation of all plants and herbs indigenous to this biodiversity hotspot.

Institute to foray into production from March to make medicines available at affordable prices

NEIST promises herbal relief from pain, itching

NEW JOURNEY

The anti-fungal and anti-arthritis ointments. Telegraph pictures

A FIRST: NEIST only laboratory under CSIR to go for production

OBJECTIVE: To provide medicines at affordable price

USP: Broad spectrum of anti-fungi and anti-arthritis medicines

TRIED & TESTED: Samples tested for two years on more than 3000 people

SHIELD: Process to get patents under way

ON STREAM: From March

SMITA BHATTACHARYYA

Jorhat, Feb. 28: The CSIR-North East Institute of Science and Technology, which has so far concentrated on research, has decided to foray into production from March with the manufacture of two herbal medicines.

Director P.G. Rao said the institute was going in for manufacturing so that people could get medicines at affordable prices, as it was cost-effective to produce medicines that were based on aromatic herbs widely available in the region.

The institute, formerly Regional Research Laboratory (RRL), will start its new venture with two herbal medicines — an anti-fungal cream and an anti-arthritic ointment.

Rao said while most anti-fungal ointments could treat only one or two fungus, clinical trials had proved that this cream could remove at least eight fungi. Likewise, the anti-arthritis ointment can deal with different kinds of arthritis.

Rao said this was the first time the institute was producing something based on a technology researched by it. It is also the only one of the 38 research laboratories under the Council of Scientific and Industrial Research (CSIR), New Delhi, to venture into production.

"Till today, NEIST has only sold whatever technology or new process it has researched. It has never gone in for production. But this time we will manufacture the two ointments, as they are herbal products. Blood samples collected before and after the application of the medicines have shown significant reduction of cytokines (indicators of inflammation) in our studies," the director said.

The producing unit is almost complete and production will start from March.

Permission for production of the medicines has been granted by the Drugs Controller and Licensing Authority, Hengerabari, Assam.

Rao said samples of the two medicines had been tested for the past two years (since February 2010) on more than 3,000 people and the feedback had been very encouraging. The process to get patents for the ointments is under way. "Clinical trials on animals were conducted by Samir Bhattacharya of Vishwa Bharati University, West Bengal. Subsequently, the study on humans was conducted by NEIST doctor P.K. Baruah, who is part of the team, in collaboration with a few doctors in the state," he added.

A source said the doctors were based in Dibrugarh, Guwahati, Howly near Barpeta Road and Jorhat.

Rao said a medical ethics committee, formed at the institute and comprising NEIST scientists, a state medical practitioner and an epidemiologist, had cleared both the ointments for application on humans.

CONTINUED ON PAGE 4

मुगा शिल्पৰ বাবে আশাৰ বতৰা

নতুন দিল্লীত চি এছ আই আৰ প্ৰযুক্তি বঁটা গ্ৰহণ কৰিছে 'নেইষ্ট'ৰ প্ৰতিনিধিয়ে।

বেক্টেৰীয়া প্ৰতিষেধক উদ্ভাৱনৰ বাবে 'নেইষ্ট'লৈ বঁটা

निस्ट का स्थापना दिवस मनाया गया

जोरहाट, २७ सितंबर (पू.सं.)। उत्तर-पूर्व विज्ञान तथा तकनीकी संस्थान (निस्ट) का ६९वां स्थापना दिवस कल समारोहपूर्वक मनाया गया। इस समारोह में भारतीय रसायन संस्थान (हैदराबाद) के प्रोफेसर संत केवी राघवन बतौर मुख्य अतिथि मौजूद थे। उन्होंने फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में साफ-सुथरी तकनीक के इस्तेमाल विषय पर कहा कि वर्तमान में फार्मास्यूटिकल उद्योग आधुनिक स्वास्थ्य संबंधी दवाइयों का निर्माण कर रहा है। विश्व में यहां के फार्मास्यूटिकल उद्योग की १३ फीसदी भागीदारी है। आरसी बरुवा की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में डा. पीसी नेउग सहित कई वैज्ञानिकों ने निस्ट के कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ वैज्ञानिक बीसी सइकिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

NEIST to get testing centre

A STAFF REPORTER

Jorhat, Sept. 28: The North East Institute of Science and Technology (NEIST) here will soon have a much needed bio-evaluation centre, which will enable them to test the effects of medicinal formulation before conducting trials on humans, NEIST director P.G. Rao told reporters today at the institute.

Director P. G. Rao in Jorhat on Tuesday. Picture by UB Photos

"The institute, which is doing a lot of work on drugs derived from plants, has to send samples to Shantiniketan or some other laboratory in the country or even abroad for clinical trials. Once the bio-evaluation lab starts we will no longer depend on others," Rao said.

The Council of Scientific and Industrial Research has released Rs 9.5 crore for the centre in the first phase and the building has been constructed.

N.C. Boruah, scientist, NEIST, said once the lab starts, work on anti-malarial drugs and anti-cancer drugs can be tested on mice and other animals before being tested on humans.

"At present we have to collaborate with other facilities for such testing — even with US labs on occasions, and have to share patents with them. In about five years from now we will be able to do a lot more independently," he said.

NEIST is also on the look out for a field biologist to run the laboratory but no one eligible was found in the first interview held recently.

THE TELEGRAPH JORHAT TUESDAY 1 NOVEMBER 2011

NORTHEAST

Contest winners' queries keep scientists busy

Students interact with experts from NEIST during prize-giving ceremony

...(NEIST), fired a volley of queries to the scientists, ranging from why electricity could not be harnessed from lightning to what was the function of anti-podal cells in embryo sacs.

They were present here this afternoon for the prize-giving ceremony.

This premier research institute under the Council of Scientific and Industrial Re-... about the biodiversity of the area they lived in, through the competition and inspire them to delve deeper into the topic.

The various themes of the competition were — (a) Biodiversity of your locality (b) Traditional knowledge in healthcare and medicine like ethno-medicine, ethno-medicinal plant, traditional knowledge on single plant phytomedicine and others (c) Traditional knowledge of water ... al construction material and (g) Superstition and its eradication.

About 10 scientists from NEIST fielded questions ranging from the man-animal conflict to soil conservation and many more from about 40 students present on the occasion.

Altogether 67 students had been awarded prizes in the first, second and third categories.

The competition, which ...

Tournament

Jorhat: The CSIR-North East Institute of Science and Technology here has organised cricket and volleyball contests for the 43rd Shanti Swarup Bhatnagar Tournament with 172 participants. The tournament will be inaugurated by Arjuna awardee Bhogeswar Boruah on Friday at 3pm at NEIST.

Nat'l award to State scientist

CORRESPONDENT

JORHAT, Aug 2 - Dr Subhan Chandra Nath, Chief Scientist, Division of Medicinal, Aromatic and Economic Plants of the CSIR-North East Institute of Science and Technology, Jorhat has been awarded the prestigious 'Dr BN Mehrotra Medal Award – 2010' by the Society of Ethnobotanists, Lucknow for his meritorious research contributions in the field of medicinal, aromatic and economic plants.

The award was instituted by the Society in memory of late Dr BN Mehrotra, a renowned CSIR Scientist working at the Central Drug Research Laboratory, Lucknow for more than three decades.

The award has been formally presented to Dr SC Nath in an award function organised by the Society at National Botanical Research Institute, Lucknow on July 28, 2011.

Dr Nath, a plant taxonomist has been involved in research activities on bio-prospection of medicinal and aromatic plants based on ethnobotanic approach.

Workshop on sustainable tech in road construction

TIMES NEWS NETWORK

Jorhat: The Central Road Research Institute (CRRI) and the North East Institute of Science and Technology (Neist) on Monday organized a national-level workshop on sustainable technologies in road construction.

Nearly 175 participants, including scientists, engineers and government officials from several national organizations, attended the programme and presented their views on poor and inadequate transportation facilities in this part of the country.

> Scientists, engineers and government officials from several organizations took part in the programme and expressed their views on poor and inadequate transportation facilities in NE

CRRI director S Gangopadhyay, who took part in the event, said poor transportation was affecting the economy of the northeast and the authorities concerned should pay attention to the issue. "The poor transportation in the region led to poor economy in this part of the country. Therefore, the search for a sustainable connectivity is vital for the growth of this region and CRRI is happy to work with Neist," said Gangopadhyay.

He also added, "A modern transport system should be sustainable, both economically and environmentally. Energy-efficient technologies like bitumin additive and warm mixes are required to develop ecology corridors in the bio-diversity rich states of the country."

In his welcome address, NEIST director P G Rao said, "The NE region lacks proper transportation and site-specific technologies have to be developed. He added that NEIST has completed projects on better utilization of bitumin for energy efficient technologies for road construction in the 9th and 10th Five Year Plan and that the institute can supply quality material and work together with CRRI in this aspect."

Assam government commissioner and special secretary M C Boro said, "For energy-efficient living, researchers, scientists, industries and the administration must take the challenge to make the green road accessible to all." He added that cold-mix technology for construction of roads has already started and vetiver grass is being used for slope protection in Assam.

Representatives from government departments like BRO, PWD (Assam), National Highways Authority of India, Military Engineering Service, IIT-Guwahati, Dibrugarh RR division and Jorhat road circle attended the workshop.

CSIR-Neist celebrates National Science Day

Guwahati: The CSIR-North East Institute of Science & Technology (Neist), Jorhat, celebrated National Science Day on Tuesday with a host of programmes.

Addressing the meet, Krishna Gopal Deb Krori, chief consultant, water & power, mentioned the works of Sir M Vishweshwaraiah and how in the past India has produced many giants in the field of science like medicine and astronomy.

He briefly apprised the audience of transformation of CV Raman from an administrator to a scientist. Briefing about the contribution of Neist as one of the premier institute, he said it has a strong foundation to study science. He told that Neist is a very prestigious institute established in 1961 and has the capability to produce something in R&D which can bring it to international level. "Though a lot of progress has been made by India in the field of science and technology, we have to scale greater heights in the future," he said. He added that Neist could contribute a lot in earthquake study in the northeast.

"CSIR-Neist has worked in this direction and published a good number of research papers in national and international journals with high impact factors last year and have received CSIR Technology Awards since the past two years," he added.

RC Baruah, outstanding scientist, CSIR-Neist and PR Bhattacharyya, senior principal scientist, were also present. TNN

Jorhat to host science expo for entrepreneurs

From a Correspondent

JORHAT, May 22: A four-day State-level science exhibition-cum-technology demonstration for entrepreneurs of the State is being organized at the Jorhat court field by the CSIR-North East Institute of Science & Technology (CSIR-NEIST), Jorhat from May 24-27. ...

...wahati and Kamal Hazarika, Deputy Director, DIC, Nagaon will act as resource persons. ...